टाटा स्मारक केंद्र

परमाणु ऊर्जा विभाग,
भारत सरकार का एक सहायता प्राप्त संस्थान

कैंसर की देखभाल की अटूट शृंखला
केवल भारत तक ही सीमित नहीं
भारत की सीमाओं से आगे भी

वार्षिक रिपोर्ट 2019–2020

माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 19 फरवरी, 2019 को वाराणासी में महामन पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र एवं होमी भाभा कैंसर अस्पतालों का उद्घाटन। प्रधानमंत्री के साथ नजर आ रहे हैं (बाएं से) : अध्यक्ष परमाणु ऊर्जा आयोग– डॉ. के एन व्यास; उप कुलपति, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय श्री राकेश भटनागर; निदेशक, टाटा स्मारक केंद्र– डॉ. आर ए बडवे; अध्यक्ष, टाटा ट्रस्ट श्री रतन टाटा; उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल– श्री राम नाइक; उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री– श्री योगी आदित्यनाथ; लोकसभा सांसद– श्री महेंद्रनाथ पांडेय तथा उप निदेशक, कैंसर जानपदिक रोग विज्ञान केंद्र – डॉ. पंकज चतुर्वेदी

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र, वाराणासी के उद्घाटन समारोह में दर्शक दीर्घा में प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र दामोदर मोदी के साथ विशिष्ट गणमान्य जन।

वार्षिक रिपोर्ट

2019–20

टाटा स्मारक केंद्र

(परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार का एक सहायता प्राप्त संस्थान)

- टाटा स्मारक अस्पताल, मुंबई
- कैंसर उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा हेतु प्रगत केंद्र, नवी मुंबई
- कैंसर जानपदिक रोग-विज्ञान, नवी मुंबई
- होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं शोध केंद्र, विशाखापटनम
- होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं शोध केंद्र, मुल्लनपुर
- होमी भाभा कैंसर अस्पताल, संगरूर
- महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र, वाराणसी
- होमी भाभा कैंसर अस्पताल, वाराणसी
- डॉ. भुवनेश्वर बरूआ कैंसर संस्थान, गुवाहाटी

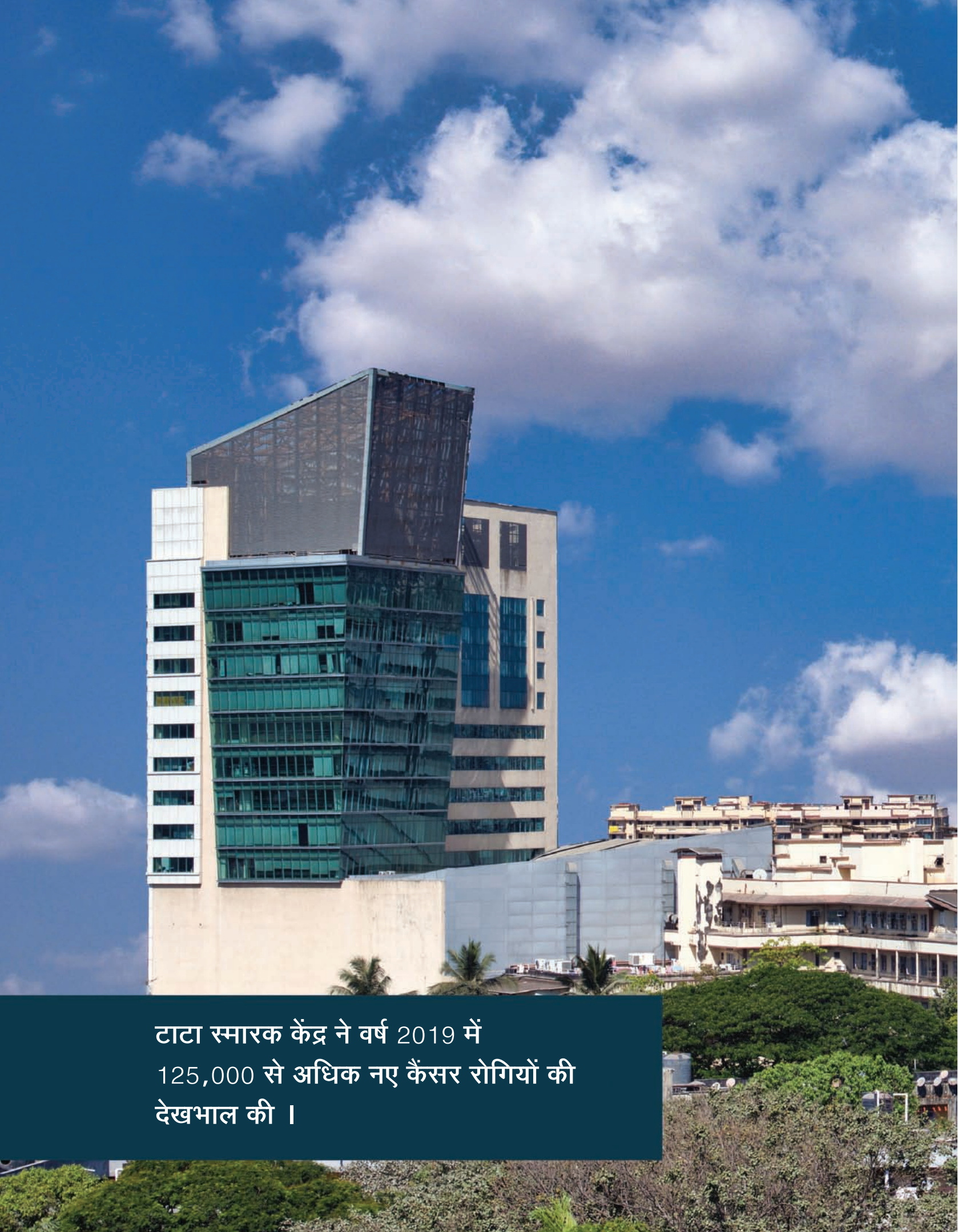

टाटा स्मारक केंद्र ने वर्ष 2019 में
125,000 से अधिक नए कैंसर रोगियों की
देखभाल की ।

टाटा स्मारक केंद्र का मिशन एवं विजन

मिशन

सेवा, शिक्षा एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता के अपने मकसद के माध्यम से प्रत्येक को कैंसर की व्यापक / सर्वसमावेशी देखभाल उपलब्ध कराना ही टाटा स्मारक केंद्र का मिशन है।

ध्येय (विज़न)

देश के एक प्रमुख कैंसर केंद्र होने के नाते हम कैंसर की देखभाल हेतु राष्ट्रीय नीति एवं योजना निर्देशन में निम्नलिखित माध्यम से अगुआई करेंगे :

- कैंसर रोग विज्ञान के साक्ष्य आधारित अभ्यास के माध्यम से उत्कृष्ट सेवाओं को प्रोत्साहित करना ।
- विद्यार्थियों, प्रशिक्षुओं, व्यावसायिक कार्मिकों और जनता को कैंसर के बारे में शिक्षित करने की वचनबद्धता।
- ऐसे अनुसंधान पर बल देना जो किफायती हो, अभिनव हो एवं देश की आवश्यकताओं से मेल खाता हो।

शासी परिषद

अध्यक्ष

श्री कमलेश नीलकंठ व्यास,
अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग और
सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग,
भारत सरकार

सदस्य, पदेन

श्री संजय कुमार
संयुक्त सचिव (प्रशासन और लेखा),
परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार

डॉ. आर ए बडवे
निदेशक, टाटा स्मारक केंद्र, मुंबई

सह-योजित सदस्य

श्रीमती ऋचा बागला
संयुक्त सचिव (वित्त),
परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार

डॉ. स्नेहलता देशमुख
पूर्व-कुलपति, मुंबई विश्वविद्यालय

सदस्य

डॉ एन के गांगुली
पूर्व महानिदेशक,
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

श्री जयंत कुमार बांथीया
पूर्व मुख्य सचिव, महाराष्ट्र सरकार

श्री विजय सिंह,
उपाध्यक्ष, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, मुंबई

श्री लक्ष्मण सेतुरामन
हेड ऑफ़ सपोर्ट सर्विसेज, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, मुंबई

स्थायी निमंत्रित

डॉ. सी एस प्रमेश
निदेशक, टाटा स्मारक केंद्र , मुंबई

डॉ. एस डी बनवाली
निदेशक (शैक्षणिकी), टाटा स्मारक केंद्र, मुंबई

डॉ. सुदीप गुप्ता
निदेशक, कैंसर में उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा हेतु प्रगत केंद्र,
नवी मुंबई

श्री संजीव सूद
निदेशक, प्रशासन (परियोजनाएं),
टाटा स्मारक केंद्र, मुंबई

डॉ. दिगमूर्ति रघुनाधराव
निदेशक, होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी),
विशाखापत्तनम

डॉ. अमल सीएच कटकी
निदेशक, डॉ. भुवनेश्वर बरूआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई),
गुवाहाटी

डॉ. सत्यजीत प्रधान
निदेशक, महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र,
वाराणसी

सचिव

श्री ए एन साठे
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, टाटा स्मारक केंद्र, मुंबई

मुंबई में टाटा स्मारक अस्पताल भारत का सबसे बड़ा कैंसर केंद्र है।

विषय वस्तु

निदेशक, टीएमसी का संदेश 01
टीएमसी की गैलेक्सी 03

भारत-भर की परियोजनाएं

अनुदान 07
मील के पत्थर 08
स्थिति 12
टीएमसी का वित्तपोषण, सरल रूप में 15

टीएमसी कैंसर अस्पतालों के बारे में संक्षेप

गतिविधियां और कार्यकारी सारांश 19
नैदानिक कार्य निष्पादन और सेवाएँ 34

शैक्षिक गतिविधियाँ

निदेशक, शैक्षणिकी, टीएमसी का संदेश 44
शैक्षणिकी 47
डिग्री पाठ्यक्रम 50

अनुसंधान

चिकित्सा आचार समितियाँ 51
अनुसंधान सचिवालय, नैदानिक और डीएई CTC 52
टीएमसी अनुसंधान प्रशासनिक परिषद (TRAC) 57

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड 61

टीएमसी वित्तीय लेखा परीक्षा

कार्रवाई रिपोर्ट 69
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
लेखा का विवरण

निदेशक, टीएमसी का संदेश

भारत में 130 करोड़ की आबादी को ध्यान में रखते हुए कैंसर देखभाल के एक फलक की योजना बनाई गई। परमाणु ऊर्जा विभाग ने टीएमसी के उभरते हुए नेटवर्क के जरिए उपचार प्राप्त कर रहे 1.5 लाख मरीजों तक पहुँचने तथा भारत में वार्षिक तौर पर जाँच किए जाने वाले लाखों कैंसर मरीजों में से कम से कम 70% को एकरूपी उपचार मुहैया कराने के लक्ष्य के साथ और 2020 के अंत तक इसे हासिल करने के उद्देश्य के साथ, इस चुनौतियों से भरे कार्य को स्वीकार किया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री के कर कमलों से, श्री रतन टाटा की उपस्थिति में वाराणसी में महामन पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र के उद्घाटन के साथ वर्ष 2019 की शुरूआत हुई। होमी भाभा कैंसर अस्पताल (पूर्व का रेलवे कैंसर अस्पताल) की सुनियोजित क्रियाशीलता ने पहले ही वर्ष में 10,000 कैंसर मरीजों की देखरेख की, एक ऐसी संख्या जो भारत में किसी भी नए कैंसर अस्पताल द्वारा 3-5 वर्षों में हासिल की जाती है। पहला अस्थि-मज्जा प्रतिरोपण उत्तर प्रदेश में ल्यूकेमिया मरीज के लिए किया गया। भारत के सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य- उत्तर प्रदेश में, जहाँ कोई आधुनिक कैंसर उपचार केंद्र नहीं है, वहां कैंसर मरीजों की देखभाल करने वाला यह एक आदर्श केंद्र है।

नैदानिक एवं उपचारात्मक विकिरण के विस्तार अथवा प्रारंभ के लिए दो नई संस्थापनाओं का अनावरण किया गया, जिनमें से एक संगरूर (पंजाब) में और एक विशाखापटनम (सीमांध्र) में है। कैंसर उपचार के लिए दो अतिरिक्त सुविधाएं नियोजित की गई । पहली, गुवाहाटी में बीबीसीआई में विस्तार एवं नवीकरण तथा दूसरी बिहार के मुज़फ्फरपुर में। प्रयोक्ता अधिकार-पत्र एवं वास्तुशिल्पीय विवरण पूर्ण कर लिए गए हैं । कैंसर उपचार की तीन विधाओं वाली रणनीति- केंद्र व शाखाएं सृजित करना, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड तथा नव्या, कैंसर हेतु ऑनलाइन दोहरी राय, ने टीएमसी नेटवर्क के अंतर्गत 1.5 लाख मरीजों का उपचार किया है और भारत में 70% कैंसर रोगियों को एकरूपी उपचार उपलब्ध कराया, जैसा कि परमाणु ऊर्जा विभाग के ध्येय-वाक्य में उल्लिखित है।

भारत भर में एकरूपी उपचार की सुगमता में वृद्धि करने वाले सर्वाधिक सफल कार्यक्रम, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड को अगस्त, 2019 में विएना में आम सभा के एक भाग के रूप में विश्वम कैंसर केयर कनेक्ट (वीसीसीसी) के तौर पर वैश्विक समुदाय के लिए विस्तारित किया गया। ग्यारह राष्ट्रों ने इसमें अत्यधिक दिलचस्पी दिखाई और अफ्रीका, मध्य एशिया एवं पूर्वी गोलार्ध (एसएएएआरसी) के इन देशों से डॉक्टरों, नर्सों एवं पराचिकित्सीय स्टाफ के लिए कैंसर देखरेख का प्रशिक्षण शुरू हो चुका है।

वर्ष 2020 के उत्तरार्ध में नियोजित विश्लेषण हेतु स्तन एवं ग्रसिका कैंसर में तीन मुख्य परीक्षणों पर आधार-सामग्री का मार्जन एवं जाँच आयोजित की गई। ये परीक्षण अपनी श्रेणी में (नैदानिक एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य) कुछ बड़े परीक्षणों में से एक थे और स्तन एवं ग्रसिका कैंसर की स्क्रीनिंग एवं उपचार में इनका अत्यधिक प्रभाव पड़ने की प्रत्याशा है। मुंह, स्तन, फेफड़ों और अग्न्याशयी कैंसर में कुछ अनूठे परीक्षणों के लिए स्वदेशी वनस्पतीय जड़ी-बूटियों

के अध्ययन हेतु एक महत्वपूर्ण प्रयास आरंभ किया गया। यदि ये वनस्पतीय जड़ी-बूटियां असरदार साबित हुई तो कैंसर का उपचार,आसान और किफायती हो सकेगा।

कैंसर देखरेख हेतु मानव संसाधन का सृजन टीएमसी की एक आधिकारिक अनिवार्यता है तथा हमारे पास अब कर्करोग विज्ञान एवं इसकी सभी संबद्ध शाखाओं में पाठ्यक्रम उपलब्ध है जो वाराणासी, गुवाहाटी, विशाखापटनम और संगरूर में स्थानीय विश्वविद्यालयों के संपर्क से आरंभ किया जा रहा है। यह स्थानीय रूप से प्रशिक्षित कार्यबल के सृजन को सुविधाजनक बनाएगा और विविध स्थलों से ऐसा योगदान भारत में कैंसर की समस्या से निपटने के लिए मानव संसाधन में वृद्धि करेगा।

प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय बैठकों (ए.एस.सी.ओ एवं ई.एस.एम.ओ.) में छः और अन्य बैठकों में कई मौखिक प्रस्तुतियां दी गई। वर्ष के दौरान कुल प्रकाशनों की संख्या (488) रही तथा जिन जर्नलों में वे प्रकाशित हुए उनका प्रभाव कारक 70.67 ,जो कि बहुत उच्च रहा ।

हम कैंसर को एक मामूली रोग बनाने के लिए प्रयासरत हैं ताकि समाज में कैंसर रोग चिकित्सकों की आवश्यकता कम हो सके। हम स्वयं को अप्रासंगिक बनाने के लिए पूरे जोश से कार्य कर रहे हैं।

डॉ. आर ए बडवे

टाटा स्मारक केंद्र की गैलेक्सी

निदेशक, टीएमसी; डॉ. आरए बडवे
निदेशक अकादमिक, टीएमसी; डॉ. एस डी बनवाली
उप निदेशक अकादमिक, टीएमसी; डॉ.एस एस लासकर
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, टीएमसी; श्री ए एन साठे
मुख्य अभियंता, टीएमसी; श्री गुरुनाम सिंह धनोआ
मुख्य सुरक्षा अधिकारी, टीएमसी; श्री जॉनसन लुकोस,
संयुक्त नियंत्रक वित्त एवं लेखा, टीएमसी; श्री सूर्यकांत मोहापात्रा
सूचना प्रौद्योगिकी के प्रमुख, टीएमसी; श्री वी एन मराठे

** मुंबई और नवी मुंबई में सभी स्थायी चिकित्सा कर्मचारी टीएमसी से संबद्ध हैं।*

टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच), मुंबई – महाराष्ट्र

निदेशक, डॉ. सीएस प्रमेश
उप निदेशक, डॉ.एसवी श्रीखंडे

कैंसर में उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा हेतु प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक), नवी मुंबई – महाराष्ट्र

निदेशक, डॉ.सुदीप गुप्ता
उप निदेशक, डॉ. एचकेवी नारायण
उप निदेशक कैंसर अनुसंधान संस्थान, डॉ. प्रसन्ना वेंकटरमण
उप निदेशक कैंसर अनुसंधान केंद्र, डॉ. नवीन खत्री

कैंसर एपिडेमियोलॉजी केंद्र (सीसीई), नवी मुंबई – महाराष्ट्र

निदेशक, डॉ. राजेश दीक्षित
उप निदेशक, डॉ. पंकज चतुर्वेदी

पूरे भारत में टीएमसी के कैंसर अस्पताल

निदेशक प्रशासन (परियोजनाएं), श्री संजीव सूद

होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी),विशाखापटनम–आंध्र प्रदेश

निदेशक, डॉ. दिगमूर्ति रघुनाधराव

प्रभारी अधिकारी, डॉ. डीसी चौकर

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), मुल्लानपुर – पंजाब

प्रभारी अधिकारी डॉ. पी एस पै

होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच), संगरूर – पंजाब

प्रभारी अधिकारी डॉ. पी एस पै

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी), वाराणसी उत्तर प्रदेश

निदेशक, डॉ. सत्यजीत प्रधान

प्रभारी अधिकारी, डॉ. पंकज चतुर्वेदी

होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच), वाराणसी – उत्तर प्रदेश

निदेशक, डॉ. सत्यजीत प्रधान

तदर्थ उप निदेशक, डॉ. राकेश मित्तल

प्रभारी अधिकारी, डॉ. पंकज चतुर्वेदी

डॉ. भुबनेश्वर बरुआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई), गुवाहाटी, असम

निदेशक, डॉ अमल सीच. कटकी

प्रभारी अधिकारी, डॉ. सरबानी घोष-लसकर

1

भारत-भर की परियोजनाएं

- अनुदान
- मील के पत्थर
- स्थिति
- टीएमसी का वित्तपोषण, सरल रूप में

संगरूर,पंजाब
2015

वाराणसी
2018

गुवाहाटी
2018

विशाखापत्तनम
2014

एक्ट्रेक एवं
सीसीई,
नवी मुंबई
2005, 2015

टीएमएच,
मुंबई
1941

अनुदान

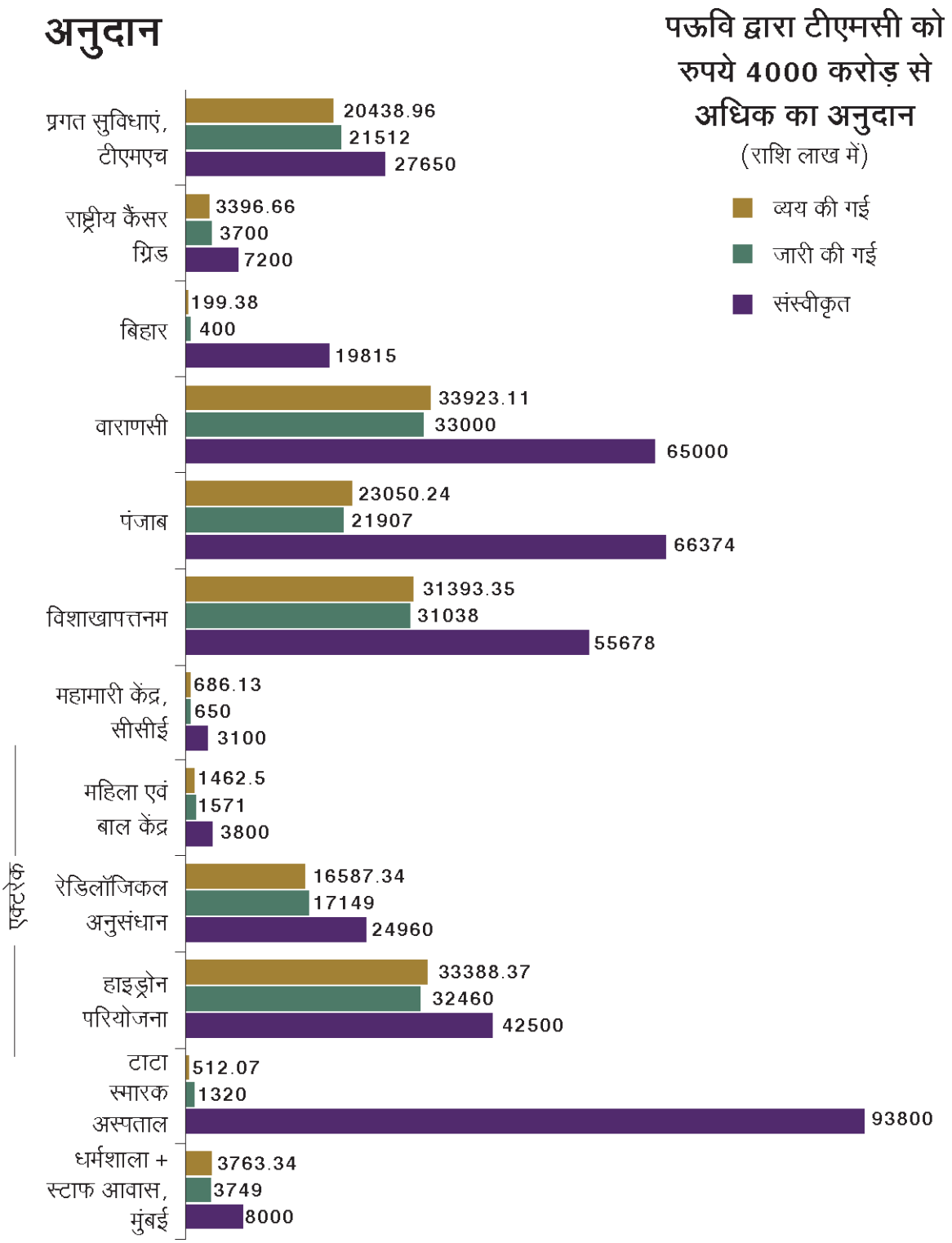
पऊवि द्वारा टीएमसी को रुपये 4000 करोड़ से अधिक का अनुदान
(राशि लाख में)
व्यय की गई
जारी की गई
संस्वीकृत
एक्टरेक
प्रगत सुविधाएं, टीएमएच
20438.96
21512
27650
राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड
3396.66
3700
7200
बिहार
199.38
400
19815
वाराणसी
33923.11
33000
65000
पंजाब
23050.24
21907
66374
विशाखापत्तनम
31393.35
31038
55678
महामारी केंद्र, सीसीई
686.13
650
3100
महिला एवं बाल केंद्र
1462.5
1571
3800
रेडिलॉजिकल अनुसंधान
16587.34
17149
24960
हाइड्रोन परियोजना
33388.37
32460
42500
टाटा स्मारक अस्पताल
512.07
1320
93800
धर्मशाला + स्टाफ आवास, मुंबई
3763.34
3749
8000

मील के पत्थर

कैलेंडर	घटनाएं	स्थान
2018	बिहार के मुजफ्फरपुर के श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज के परिसर में एक नया कैंसर अस्पताल प्रस्तावित किया गया।	मुजफ्फरपुर, बिहार
	अगस्त 2018 में विशाखापत्तनम में पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी सेवाओं को पहली बार उपलब्ध कराया गया।	एचबीसीएचआरसी, विशाखापत्तनम
	संगरूर और भवानीगढ़ जिलों में मौखिक, स्तन और गर्भाशय के कैंसर के शुरुआती पता लगाने के लिए निवारक ऑन्कोलॉजी सेवाओं को शुरू किया गया।	एचबीसीएच, संगरूर
	12 नवंबर को पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन श्री अमरिंदर सिंह द्वारा एक नए, रोगी वार्ड के भवन का उद्घाटन किया गया।	एचबीसीएच, संगरूर
जनवरी 2019	नवी मुंबई में कैडेवर्स पर डॉक्टरों के सर्जिकल कौशल को विकसित करने के लिए एक नई एनाटॉमी प्रयोगशाला स्थापित की गई।	एक्ट्रेक, नवी मुंबई
	8 जनवरी को एक नया ओपेरा थियेटर सह गहन देखभाल इकाई आईसीयू शुरू किया गया।	एक्ट्रेक
फरवरी	डॉ. एसडी बनावली, निदेशक अकादमिक (टीएमसी) को "लोकमत महाराष्ट्रियन ऑफ द ईयर 2018" के रूप में चुना गया।	टीएमएच, मुंबई
	वाराणसी शहर में कैंसर के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए पहली दौड़ का आयोजन 3 फरवरी को किया गया।	एचबीसीएच, वाराणसी
	एचबीसीएच, वाराणसी में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन सेंटर पूर्णतः प्रचालित था।	एचबीसीएच, वाराणसी
	आईएमआरटी, आईजीआरटी, वीएमएटी, इत्यादि के साथ एक नया अत्याधुनिक त्वरक त्वरक का उद्घाटन सचिव पऊवि डॉ. केएन व्यास ने निदेशक टीएमसी, डॉ. आरए बडवे, और निदेशक बीबीसीआई, डॉ. एसी कटकी के साथ 8 तारीख को किया	बीबीसीआई, गुवाहाटी
	पूर्वोत्तर भारत के "स्वास्थ्य शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड" 9 फरवरी को असम के माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा, राज्य मंत्री (स्वास्थ्य), श्री पीजूष हजारिका की उपस्थिति में बीबीसीआई को प्रदान किया गया।	बीबीसीआई

कैलेंडर	घटनाएं	स्थान
फरवरी	डॉ. एसएम भगबती, एसोसिएट प्रोफेसर, निवारक ऑन्कोलॉजी विभाग, बीबीसीआई ने असम सरकार के माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा से 9 फरवरी को "ग्रामीण स्वास्थ्य में उत्कृष्ट कार्य" के लिए हेल्थकेयर उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।	बीबीसीआई गुवाहाटी
	बीबीसीआई के पैलिएटिव केयर विभाग को "लीडरशिप इन होम केयर सर्विस अवार्ड 2019", प्रसरु कैंसर एंड पैलिएटव ट्रस्ट, डिब्रूगढ़, असम द्वारा 9 फरवरी को प्राप्त हुआ।	बीबीसीआई गुवाहाटी
	डॉ. गौतम सरमा, रेडियॉन ऑन्कोलॉजी विभाग के सहायक प्रोफेसर को 9 फरवरी को प्रसरु कैंसर एंड पैलिएटव ट्रस्ट, डिब्रूगढ़, असम द्वारा "मोस्ट कॉन्ट्रिब्यूंग कंसल्टेंट अवार्ड 2019" प्रदान किया गया।	बीबीसीआई गुवाहाटी
	10 फरवरी को गुवाहाटी में सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर का उद्घाटन किया गया । इसके अंतर्गत 24 बच्चों को रखा जाएगा और असम गैस कंपनी लिमिटेड की "अपराजया" योजना के तहत उन्हें मुफ्त इलाज मुहैया कराया जाएगा।	बीबीसीआई गुवाहाटी
19 फरवरी	माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एमपीएमएमसीसी और एचबीसीएच, वाराणसी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर यूपी के मुख्यमंत्री, श्री योगी आदित्यनाथ; सचिव पऊवि, श्री केएन व्यास; निदेशक, टीएमसी, डॉ. आरए बडवे; और, श्री रतन टाटा उपस्थित थे।	एचबीसीएच और एमपीएमएमसीसी, वाराणसी
	माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वाराणसी में कैंसर अस्पतालों के उद्घाटन के अवसर पर "व्हेअर लाइट एन्टर्स द अर्थ" पुस्तक का विमोचन किया गया। पुस्तक सुश्री निशु सिंह गोयल द्वारा लिखी गई थी।	एचबीसीएच और एमपीएमएमसीसी
मार्च	संगरूर में दो तहसीलों में दो लाख की आबादी को कवर करने के लिए एक कैंसर रोकथाम कार्यक्रम शुरू किया गया	एचबीसीएच, संगरूर
	भारत के महामारी विज्ञान के अध्ययन के लिए पूरी तरह से स्वचालित बायबैंक का निर्माण नवी मुंबई में 22 मार्च को किया गया।	सीसीई, नवी मुंबई
अप्रैल	वाराणसी में एनेक्स बिल्डिंग का शिलान्यास सचिव पऊवि, श्री केएन व्यास और निदेशक, टीएमसी, डॉ. आरए बडवे द्वारा किया गया।	एचबीसीएच, वाराणसी

कैलेंडर	घटनाएं	स्थान
मई	एचबीसीएचआरसी विशाखापत्तनम में प्लास्टिक सर्जरी सेवाओं की शुरुआत की गई।	एचबीसीएचआरसी विशाखापतनम
जून	नवी मुंबई में टीएमसी और बीएआरसी द्वारा नई रोबोटिक न्यूरॉनैविगेशन टेस्टिंग प्रयोगशाला का विकास किया गया	एक्ट्रेक नवी मुंबई
	पंजाब में पहली बार अस्थि एवं सॉफ्ट टिश्यू सेवाएं आरंभ की गईं।	एचबीसीएच, संगरूर
	डॉ. आरए बडवे, निदेशक, टीएमसी को एएसीओ (अमेरिकन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी) द्वारा दुनिया के शीर्ष दस ऑन्कोलॉजिस्ट में से एक के रूप में मान्यता प्रदान की गई ।	टीएमसी
	बीपीसीएल द्वारा दान किए गए "यूनिक" नाम के एक अत्याधुनिक लाइनर एक्सलेरेटर का उद्घाटन 7 जून को एईआरबी के अध्यक्ष श्री जी. नागेश्वर राव द्वारा किया गया।	टीएमएच मुंबई
जुलाई	डॉ. आरए बडवे, निदेशक,टीएमसी को कैंसर नियंत्रण के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विश्व प्रीवेंशन एलायंस, फ्रांस द्वारा राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (NCI) के निदेशकों की बैठक के दौरान मान्यता दी गई।	टीएमसी
	एचबीसीएचआरसी में नए रेडियोथेरेपी ब्लॉक को कमीशन किया गया।	एचबीसीएचआरसी विशाखापतनम
	डॉ. आरए बडवे और डॉ. बी. गणेश ने "टाटा मेमोरियल सेंटर-डीएई नेटवर्क ऑफ कैंसर रजिस्ट्रियां इन न्यूक्लियर पावर प्लांट लोकेन्स" नामक परमाणु डेटा बुक की रचना की।	टीएमएच और सीसीई
अगस्त	भारत में पहली बार, दृष्टि संरक्षण के साथ आंखों के कैंसर के लिए एक नवीन उपचार रूथियमियम 106 (Ru106) नेत्र ऐप्लिकेटर, को विकिरण ऑन्कोलॉजी विभाग, टीएमएच ने पऊवि की एक स्वतंत्र इकाई, विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड (ब्रिट) के सहयोग से तैयार किया।	टीएमएच मुंबई
	वाराणसी में पहला अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण किया गया।	एचबीसीएच, वाराणसी
17 सितंबर	ऑस्ट्रिया के वियना में 63 वीं आईएईए बैठक के दौरान, श्री केएन व्यास द्वारा एनसीसी-विश्वम 3C प्रस्तावित किया गया।	पऊवि-टीएमसी

कैलेंडर	घटनाएं	स्थान
अक्तूबर	टाटा स्मारक केंद्र को मर्क फाउंडेशन एप्रिसिएशन अवार्ड "टुगेदर वी फाइट कैंसर" से सम्मानित किया गया ।	टीएमसी मुंबई
	सर्वश्रेष्ठ आतिथ्य सामाजिक कार्यकर्ता के लिए दादासाहेब फालके आइकन पुरस्कार वार्ड बॉय श्री फिरोज खान को दिया गया।	टीएमएच मुंबई
नवंबर	नवी मुंबई में "cGMP सुविधा सहित सीएआर टी-सेल थेरेपी सेंटर" स्थापित की गई थी जो भारत में अपने प्रकार की पहली सुविधा है।	एक्ट्रेक नवी मुंबई
	विशाखापटनम में रेडियोथेरेपी ब्लॉक का उद्घाटन किया गया।	एचबीसीएचआरसी विशाखापटनम
दिसंबर	विशाखापटनम में रैखिक त्वरक कमीशन किया गया ।	एचबीसीएचआरसी विशाखापटनम
	टीएमसी अस्पताल में पहला रीनल डायलिसिस किया गया।	एक्ट्रेक नवी मुंबई
	उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 2 दिसंबर को "आयुष्मान भारत में सराहनीय प्रदर्शन" के लिए एचबीसीएच के प्रयासों की सराहना की।	एचबीसीएच, वाराणसी
	पहला रैखिक त्वरक को कमीशन किया गया ।	एमपीएमएमसीसी वाराणसी
	वाराणसी में दूसरे कैंसर केंद्र में पहली सर्जरी 5 दिसंबर को डॉ. आरए बडवे द्वारा की गई।	एमपीएमएमसीसी वाराणसी
जनवरी 2020	3 जनवरी को डॉ. आरए बडवे द्वारा रोगी पंजीकरण केंद्र (पीआरसी) का उद्घाटन किया गया।	एमपीएमएमसीसी वाराणसी
	वाराणसी में तीसरा रैखिक त्वरक कमीशन किया गया।	एमपीएमएमसीसी वाराणसी
	वाराणसी में दूसरा सफल अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण किया गया।	एचबीसीएच, वाराणसी

कैंसर केंद्र का नाम	प्रस्ताव की तिथि	कमिशनन की तिथि	2019 के अनुसार कार्यात्मकता	लंबित मामले	संस्वीकृत निधि (लाख में)	अनुदानित निधि (लाख में)	उपयोग किया गया निधि (लाख में)
टाटा स्मारक केंद्र (टीएमएच), मुंबई (629 बेड)	अकतूबर 8, 1935	फरवरी 28 एवं मार्च 3, 1941	कैंसर रोगियों का पता लगाने और उनका इलाज करने के लिए आत्मनिर्भर.	1. हाफकीन की जमीन पर धर्मशाला का निर्माण लगभग संरचनात्मक रूप से पूरा हो गया है और आंतरिक कार्य शुरू हो गए हैं । जून 2020 तक चालू होने की आशा है । 2. मुख्य अस्पताल भवन के निर्माण के लिए आर्किटेक्ट और परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त किए गए हैं।	8,000 93,800	3,749 1,320	3,763.24 512.07
कैंसर में उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा हेतु प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक), नवी मुंबई महाराष्ट्र (120 बेड)	1983 में सातवीं योजना. 1985 में सिडको द्वारा चालीस (40) एकड़; और 1990 में सिडको से बीस (20) एकड़	मार्च 30, 2005	1. कैंसर रोगियों का पता लगाने और उनका इलाज करने के लिए आत्मनिर्भर. 2. 2019 की शुरुआत में पशु प्रयोगशाला का कमीशनन हुआ। 3. प्रोटोटाइप रोबोट के उपयोग से फॅन्टम परीक्षण 2019 के अंत में शुरू हुआ 4. इंफ्रास्ट्रक्चर को 2019 में संवर्धित किया गया था जिससे रोगी सुविधाओं में सुधार हुआ।	1. साइक्लोट्रॉन साइट पर है और 2020 के अंत तक परीक्षण के बाद चालू किया जाएगा 2. नई रेडियोलॉजिकल रिसर्च यूनिट (आरआरयू) बिल्डिंग 5 वीं क्लोअर तक पूरी हो गई थी और इसे 2020 तक पूरा कर दिया जाएगा 3. हेमटोलिम्फाइड, महिला और बाल कैंसर केंद्र (एचडब्ल्यूसीसी) की बाहरी संरचना लगभग पूरी हो गई है और 2121 की शुरुआत में चालू होने वाली है। 4. इंफोसिस द्वारा वित्त पोषित आशा निवास, 265 रोगियों के लिए एक डॉर्मिटरी का कार्य 2020 तक पूरा हो जाएगा।	42,500 24,960 3,800	32,460 17,149 1,571	33,388.37 16,587.34 1,462.50
कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र (सीसीई), नवी मुंबई (उपचार के लिए नहीं)	2009 में ग्यारहवीं योजना	2015	1. सभी प्रस्तावित एवं अनुमोदित विभाग शुरू हो गए हैं । 2. भारत का पहला बायोबैंक जो 300 मिलियन नमूनों को संग्रहीत करता है।	-	3, 100	650	686.13

कैंसर केंद्र का नाम	प्रस्ताव की तिथि	कमिशनन की तिथि	2019 के अनुसार कार्यात्मकता	लंबित मामले	संस्वीकृत निधि (लाख में)	अनुदानित निधि (लाख में)	उपयोग किया गया निधि (लाख में)
होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), विशाखापत्तनम। (125 - बेड)	2011 में ग्यारहवीं योजना	जून 2, 2014	1. परिसर में भवन तैयार हो जाने तक के लिए विशाखापत्तनम पोर्ट ट्रस्ट अस्पताल में सर्जिकल उपचार और आईसीयू प्रवेश दिए जा रहे हैं 2. जुलाई 2019 में विकिरण चिकित्सा ब्लॉक का कमीशनन 3. पहला रेखीय त्वरक दिसंबर 2019 से उपयोग में लाया जाना है ।	मुख्य अस्पताल भवन का कमीशनन 2020 के अंत तक किया जाएगा।	55,678	31,038	31,393.35
होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच), संगरूर (105 - बेड)	2012 में बारहवीं योजना	जनवरी 20, 2015	1. कैंसर रोगियों का पता लगाने और उनका इलाज करने के लिए आत्मनिर्भर 2. हाल ही में 100 और बेड जोड़े गए।	टेलीमेडिसिन सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाना है।	66,374 (पंजाब के दोनों अस्पतालों के लिए)	21,907 (पंजाब के दोनों अस्पतालों के लिए)	23,050.34 (पंजाब के दोनों अस्पतालों के लिए)
होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), मुलानपुर (350 - बेड)	2012 में ग्यारहवीं योजना	-	1. अस्पताल भवनों का कार्य लगभग पूरा हो चुका है 2. जल्द ही प्रचलित होना है।	मई 2020 में कमिशनन हो जाएगा			

कैंसर केंद्र का नाम	प्रस्ताव की तिथि	कमिशनन की तिथि	2019 के अनुसार कार्यात्मकता	लंबित मामले	संस्वीकृत निधि (लाख में)	अनुदानित निधि (लाख में)	उपयोग किया गया निधि (लाख में)
होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच), वाराणसी (179 - बेड)	फरवरी 2017	मई 1, 2018	कैंसर रोगियों का पता लगाने और उनका इलाज करने के लिए आत्मनिर्भर.	अस्पताल के कर्मचारियों के आवासीय क्वार्टर, रसोई और लॉन्ड्री सुविधा निर्माणाधीन थी।	65,000 (वाराणसी के दोनों अस्पतालों के लिए)	33,000 (वाराणसी के दोनों अस्पतालों के लिए)	33,923.11 (वाराणसी के दोनों अस्पतालों के लिए)
महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी), वाराणसी (350 - बेड)	सितंबर 21, 2017	फरवरी 19, 2019	1. प्रयोगशाला और रेडियोलॉजी (नैदानिक और चिकित्सीय) सेवाएं (एमआरआई और पीईटी को छोड़कर) प्रचालित रहीं 2. डे केयर सेवाएं शुरू हुईं 3. पहली सर्जरी की गई।	1. पैची और छोटे आंतरिक कार्य लंबित हैं अतः फरवरी 2020 तक पूर्ण रूप से शुरू होगी 2. रोगियों के लिए आवासीय स्टाफ क्वार्टर और धर्मशाला निर्माणाधीन हैं ।			
होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), मुजफ्फरपुर (100-बेड)	फरवरी 2017	-	निर्माणाधीन	बाउंड्री वाल का कार्य सीपीडब्ल्यूडी, पटना को दिया गया था।	19,815	400	199.38
डॉ भुवनेश्वर बरुआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई), गुवाहाटी (120-बेड)	जून 7, 2017	जुलाई 1, 2018	कैंसर रोगियों का पता लगाने और उनका इलाज करने के लिए आत्मनिर्भर.	उन्नयन, नवीनीकरण और वृद्धि प्रक्रियाएं चल रही थीं।	2017-18 में पऊवि से 1,000 तथा 2017-18 में टीएमसी से 4,177		
राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी)		2012	भारत भर में ।190 केंद्र।	ई-जर्नल्स का नवीनीकरण और सभी एनसीजी केंद्रों पर स्वास्थ्य रिकॉर्ड एकीकरण का कार्यान्वयन।	1,080		

टीएमसी वित्त, सरलीकृत रूप में

भारत भर में टाटा स्मारक केंद्र के नौ (09) कैंसर अस्पतालों में लगभग 3600 पूर्णकालिक सदस्यों और रेजिडेंट डॉक्टर नियुक्त थे।

टीएमसी द्वारा उपलब्ध कराए गए कार्यों में सेवा, शिक्षा और अनुसंधान शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश अनुसंधान कैंसर उपचार, शिक्षा एवं अनुसंधान का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक) और कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र (सीसीई) द्वारा किए जा रहे हैं।

यह मोटे तौर पर अनुमान लगाया गया था कि टीएमसी के कार्यों के उपरोक्त तीन घटकों के खर्च का अलग-अलग प्रतिशत इस प्रकार होगाः सेवा 62%, शिक्षा 14% और, अनुसंधान 24%।

टीएमसी को पऊवि अनुदानों से प्राप्त धनराशि, रोगियों से प्राप्त आय, दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों की बिक्री और से अर्जित अत्यंत कम लाभ के साथ-साथ अन्य स्रोतों जैसे सावधि जमा आदि से भी धन प्राप्त हुआ।

टीएमसी के खर्चों में स्टाफ का वेतन, भौतिक परिसंपत्तियों का रखरखाव, अनुसंधान और शिक्षा में निवेश, दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों की लागत और अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल थे।

टाटा स्मारक केंद्र की आय (करोड़ में) ~ 800				
पऊवि अनुदान	**अस्पताल से होने वाली आय**	**दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों की बिक्री**	**आय पर ब्याज**	**अन्य स्रोत**
405.53	334.83	401.49	42.69	9.37
टाटा स्मारक केंद्र का व्यय (करोड़ में) ~ 800				
अकादमिक	**दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों की बिक्री**	**उपभोज्य सामग्री**	**स्टाफ वेतन**	**प्रशासनिक**
7.64	387.38	122.32	673.19	130.20

अनुमानतः ~ 62% सेवा घटक के लिए, आय ~ 496 करोड़ होगी और व्यय करीब 545 करोड़ होगा,49 करोड़ का घाटा

- टीएमसी में हाल ही में जुड़ने के कारण, गुवाहाटी के **डॉ. भुवनेश्वर बरूआ कैंसर संस्थान** को उपरोक्त गणनाओं में शामिल नहीं किया गया था।
- **कैंसर महामारी केंद्र,** नवी मुंबई द्वारा कोई भी आय उत्पन्न नहीं की जानी थी।
- पंजाब और बिहार राज्यों में **मुल्लनपुर और मुजाफ्फरपुर** में कैंसर अस्पताल अभी तक प्रचालित नहीं थे।
- आरटी ब्लॉक केवल हाल ही में प्रचालित हुआ था और मुख्य अस्पताल भवन तैयार नहीं थे; इसलिए **विशाखापत्तनम** में **एचबीसीएचआरसी** द्वारा कोई भी उल्लेखनीय योगदान देने में कुछ समय लगेगा।
- **वाराणसी** में, एचबीसीएच 2018 के अंत में पूरी तरह से प्रचालित हो गया था और इसे निजी रोगियों की संख्या बढ़ाने में समय लगेगा। एमपीएमएमसीसी 2019 की शुरुआत में प्रचालित था और उम्मीद की जा रही थी कि वह 2020 की शुरुआत तक अपनी पूरी सेवा देना आरंभ कर देगा।
- यह याद रखना चाहिए कि **टियर II और टियर III** के तहत आने वाले केंद्रों में चिकित्सा निदान और उपचार की सभी लागतें कम थीं।
- कुछ साल पहले तक **एक्ट्रेक** केवल एक अनुसंधान केंद्र था। कुछ सेवाओं के टीएमएच से एक्ट्रेक आने के साथ, आने वाले वर्षों में आय बढ़ने की उम्मीद थी।

आय (भारतीय रुपयो में करोड में)
2019–2020

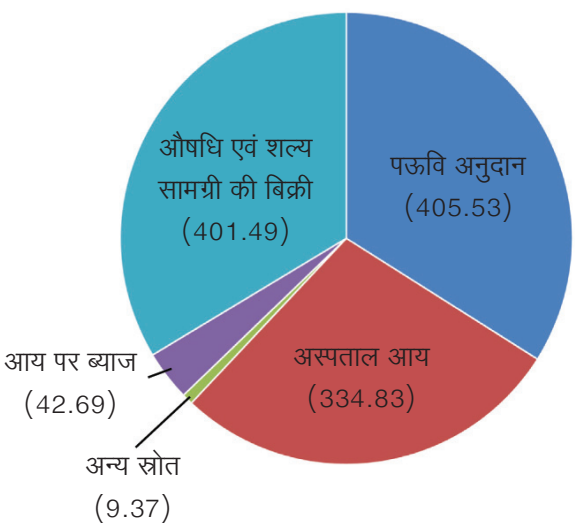

व्यय (भारतीय रुपयो में करोड में)
2019–2020

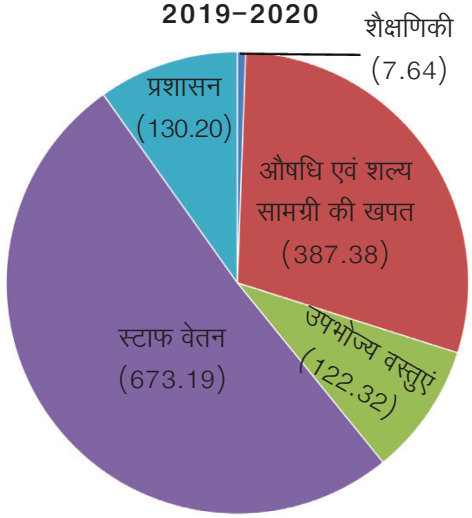

रुपए में पैसा किस प्रकार कमाया गया

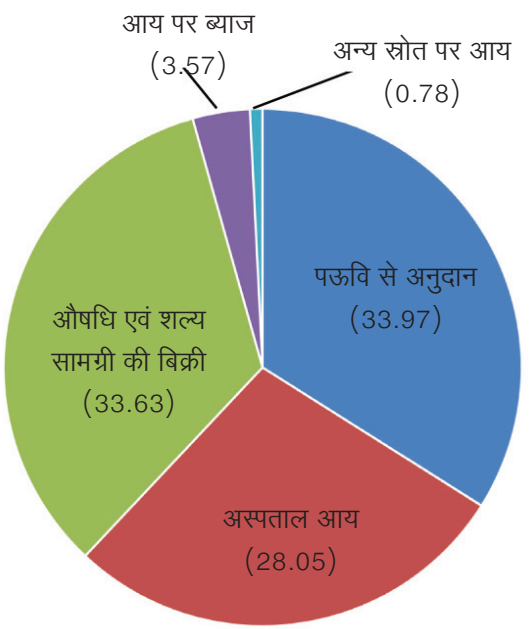

रुपए में पैसा कहां खर्च हुआ

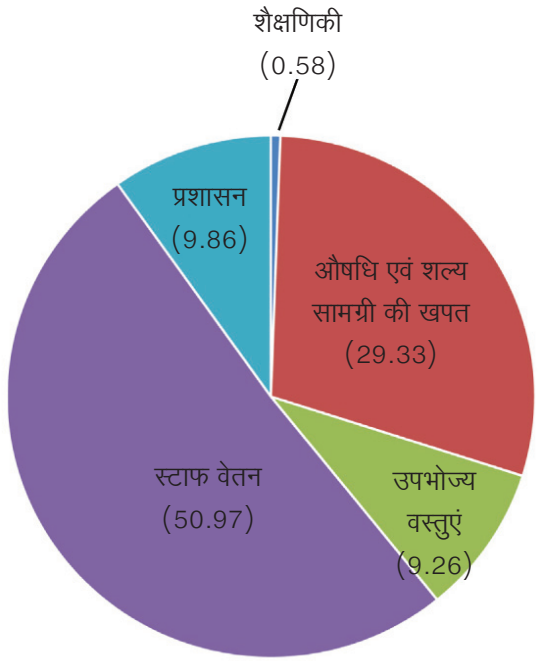

स्टाफ वेतन का
~आईएनआर 673.19 करोड़;
स्टाफ श्रेणी वेतन (%)

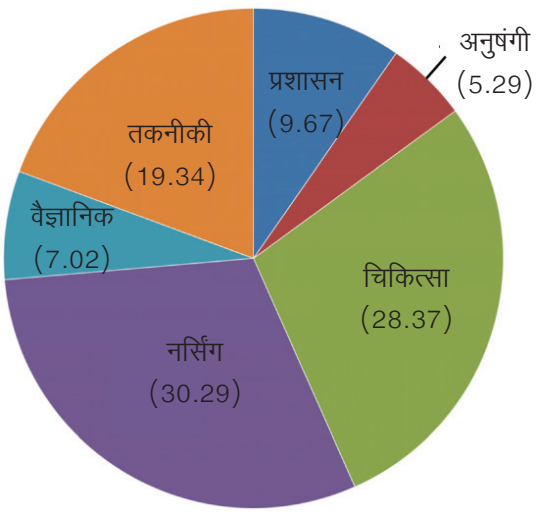

स्टाफ वेतन के अतिरिक्त एवं औषधि एवं शल्य सामग्री की खपत
~आईएनआर 260.14 करोड़
का व्यय (प्रतिशत के अनुसार)

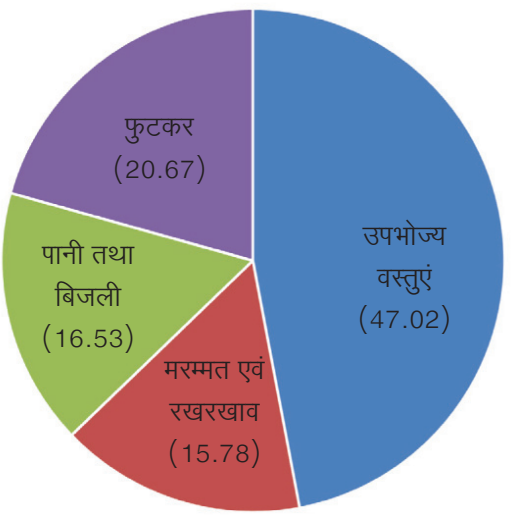

2

टीएमसी कैंसर अस्पतालों के बारे में संक्षेप

- गतिविधियां और कार्यकारी सारांश
- नैदानिक कार्य निष्पादन और सेवाएँ
- शैक्षणिक गतिविधियां
- अनुसंधान

गतिविधियां एवं कार्यकारी सारांश

टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) ने परमाणु ऊर्जा विभाग (प.ऊ.वि.), भारत सरकार के हितकार्य से संपूर्ण भारत में टाइर-I, II एवं III के शहरों में सफलतापूर्वक कैंसर केंद्र स्थापित करना जारी रखा। इन अस्पतालों में : टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच), मुंबई, महाराष्ट्र ; नवी मुंबई, महाराष्ट्र में कैंसर उपचार, शोध एवं शिक्षण प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक); नवी मुंबई, महाराष्ट्र में कैंसर जानपदिक रोग विज्ञान केंद्र (सीसीई); विशाखापटनम, आंध्रप्रदेश में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं शोध केंद्र (एचबीसीएचआरसी); संगरूर, पंजाब में होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच); वाराणासी, उत्तरप्रदेश में होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच); गुवाहाटी, असम में डॉ. बुरूआह कैंसर संस्थान (बीबीसीआई); वाराणासी, उत्तर प्रदेश में महामन पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी); तथा मुल्लानपुर, पंजाब में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं शोध केंद्र (एचबीसीएचआरसी) शामिल है। दसवां कैंसर अस्पताल मुज़फ्फरपुर, बिहार में निर्माणाधीन है।

XIIवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत भारत में कैंसर संस्थान विकसित करने के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग की उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया ताकि कैंसर की रोकथाम, जल्दी पता लगाने और उपचार करने के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी एवं उपकरण तैयार किए जा सकें। इस समिति के अध्यक्ष डॉ. आर ए बडवे, निदेशक, टीएमसी थे। आम आदमी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए भारत के कैंसर संस्थानों को उपकरण खरीदने एवं/या शोध परियोजनाएं आरंभ करने हेतु सहायता प्रदान की गई। समिति ने संपूर्ण भारत में कैंसर केंद्रों को पच्चीस से ज्यादा भाभाट्रोन (टेलीकोबाल्ट) और ग्यारह इमेजिन (पारंपरिक सिमुलेटर) उपलब्ध कराने में सहायता की। उन्होंने विकिरण एवं आइसोटॉप प्रौद्योगिकी मंडल (ब्रिट) के माध्यम से पैंतीस से ज्यादा टेलीकोबाल्ट विकिरण सक्रिय स्रोत भी उपलब्ध कराए।

भारत में सभी समर्पित कैंसर अस्पतालों का लगभग 20% परमाणु ऊर्जा विभाग के तत्वावधान में है और टाटा स्मारक केंद्र, मुंबई द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

भारत में 1800 कैंसर रोगियों को देखने के लिए केवल एक डॉक्टर था। इस बात को ध्यान में रखते हुए, वर्ष के दौरान 2 लाख से अधिक नए मरीजों को कैंसर का उपचार उपलब्ध कराने और बिस्तरों की संख्या को लगभग 3500 तक बढ़ाने के लिए भारतभर में टीएमसी कैंसर इकाइयों के विस्तार की योजना बनाई गई। वर्ष 2019 में भारतभर में टीएमसी के लगभग 1000 बिस्तर थे और इसने एक लाख (100000) से अधिक कैंसर मरीजों को अपनी विशेषज्ञता उपलब्ध कराई, जो भारत में कैंसर मरीजों की कुल संख्या का लगभग 10% है।

लेखा परीक्षा

इस वित्तीय वर्ष में एक मोटी गणना के अनुसार रुपए 930 करोड़ से अधिक के टीएमसी के व्यय ने यह दर्शाया कि लगभग 62% व्यय सेवा हेतु, 24% शोध हेतु एवं 14% शिक्षा हेतु किया गया।

कर्मचारी संबंधी :

संपूर्ण भारत में टीएमसी के कार्मिकों की कुल संख्या 3600 के लगभग है जिसमें पूर्णकालिक स्टाफ, आवासीय चिकित्सक एवं वार्षिक ठेके पर कार्मिक शामिल हैं। इनमें से लगभग 45% (1654) आरक्षित वर्ग के हैं : सात सौ इकहत्तर (771) अनुसूचित जाति के (एससी); एक सौ छः (106) अनुसूचित जनजाति के (एसटी); सात सौ सैंतालिस (747) अन्य पिछड़ा वर्ग के (ओबीसी) तथा, तीस (30) बंजारा जनजाति (एनटी) के। इसके अतिरिक्त बततीस (32) दिव्यांग जन को नियुक्त किया गया, अस्थि अक्षमता वाले बाइस (22); दृष्टि अक्षमता वाले पाँच (05) और, बधीर पाँच (05).

वर्ष 2019 में भारतभर में चार सौ उनासी (479) नए रोजगार प्रदान किए गए और 195 कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया।

स्टाफ के सदस्यों के लिए निवासीय आवास स्टाफ क्वार्टरों की यथा उपलब्धता पर उनके परिजनों को उपलब्ध कराया गया। गैर शादीशुदा कार्मिकों को आवश्यकता एवं उपलब्धता के अनुसार छात्रावास में आवास उपलब्ध कराया गया। स्टाफ क्वार्टरों में रहने वाले कार्मिकों के आवागमन के लिए परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराई गई।

50 कर्मियों की अधिवर्षिता प्राप्त कर सेवानिवृत्ति हुई तथा अन्य 22 कर्मियों ने विविध कारणों से टीएमसी का पद त्यागा।

46 कर्मियों को मातृत्व अवकाश दिया गया तथा 142 महिलाओं ने संतान देखभाल छुट्टी ली और 63 पुरुषों ने पितृत्व अवकाश लिया ।

वर्ष के दौरान देशभर में डॉक्टरों, नर्सों एवं तकनीशियनों के लिए छब्बीस (26) उन्नत दक्षता पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।

सभी शिकायतों का समाधान करने के लिए और कर्मचारियों की सभी श्रेणियों को प्रोटेकन प्रदान करने के लिए विभिन्न समितियाँ थी, अर्थात्: आंतरिक शिकायतें समिति , शिकायत निवारण समिति, और विकिरण सुरक्षा समिति ।

लोक सेवा :

संपूर्ण टीएमसी की कैंसर इकाइयों में 110000 से ज्यादा नए रोगियों का पंजीकरण हुआ, जिनमें 70% से अधिक रोगी, सामान्य श्रेणी के थे, जिनकी प्रबंधन लागत को आर्थिक छूट दी गई।

देशभर के टीएमसी केंद्रों ने अपने संबंधित शहर/नगर में दवाओं, उपभोज्यों एवं शुल्क की नयूनतम दरें प्रभारित की, और जिसमें महंगी दवाओं हेतु अधिकतम रियायत, अधिकतम फुटकर कीमत (एमआरपी) के 50% से भी कम थी।

भारत में पहली बार, वर्ष 2018 में टीएमसी ने स्वास्थ्य सेवा में एक नई विशेषता शुरू की, केवट (रोगी नेवीगेशन कोर्स): प्रशिक्षित पेशेवरों का एक विशेष कार्यबल, जिसने अपने चिकित्सा अनुभवों को प्रबंधित करने में, उनकी

देखभाल के समन्वय में मदद की, और नेवीगेशन के माध्यम से उनकी सहायता की। जटिल और मुल-स्टेप चिकित्सा प्रणाली। इन नेवीगेटरों को संपर्क और काउंसलिंग सहित रोगियों की सभी प्रकार की ज़रूरतों को पूरा करने का अधिकार दिया गया।

गरीब और जरूरतमंद रोगियों के लिए केंद्रीय एवं राज्य सरकारों की विभिन्न स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत और भी आर्थिक छूट प्रदान की गई जो रु. 65 करोड़ से अधिक के आस-पास थी। गरीब रोगियों ने स्थानीय एवं राष्ट्रीय रियायती योजनाओं का लाभ उठाया। वाराणासी में 7% से अधिक नए रोगियों ने आयुषमान भारत योजना का लाभ प्राप्त किया और, 35% रोगियों ने पंजाब राज्य सरकार की स्थानीय रियायत योजनाओं का लाभ ग्रहण किया। 7% नए रोगियों ने महाराष्ट्र में विभिन्न रियायती योजनाओं का लाभ ग्रहण किया। अन्य योजनाओं में स्वास्थ्य मंत्री कैंसर आच्छादन निधि, भारत सरकार ; बिहार मुख्य मंत्री राहत निधि; महिला एवं बाल कल्याण निधि, परमाणु ऊर्जा विभाग; तथा महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना, महाराष्ट्र सरकार शामिल है। साथ ही कुछ व्यक्तियों एवं निगमों ने (निगम सामाजिक दायित्व के माध्यम से) रोगियों व अस्पतालों को मदद व आर्थिक सहायता पहुँचाने के लिए विभिन्न तरीकों से उदारता-पूर्वक दान दिया।

टीएमसी की सभी इकाइयां फिल्म रहित और लगभग कागज़ मुक्त हैं। सभी केंद्रों में स्मार्ट कार्ड के प्रयोग ने नकदी रहित लेन-देन को सुनिश्चित किया। रोगियों ने ऑनलाइन पंजीकरण सुविधा और इंटरनेट के माध्यम से अस्पताल में अपने चिकित्सीय अभिलेखों को देखने का लाभ उठाया। रोगियों के लिए निर्बाध निर्देशपरक सेवाएं थीं जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि रोगियों को भारतभर में टीएमसी की किसी भी कैंसर इकाई में निर्दिष्ट करने/या विकल्प लेने पर पुनः पंजीकरण नहीं करना पड़ा।

टीएमएच एवं एक्ट्रेक में स्मार्ट कार्ड के लेन-देन की कुल राशि ने 350 करोड़ का आंकड़ा पार किया जबकि देश के अन्य कैंसर केंद्रों में यह लगभग 60 करोड़ रुपए था।

टीएमसी एवं भारतभर में इसकी कैंसर इकाइयों में प्रदान की जाने वाली कैंसर सेवाओं के अनूठे एवं एकरूपी पहलू रोग प्रबंधन समूह (डीएमजी) पर आधारित हैं जिसकी बदौलत सभी चिकित्सीय विषयों में, कैंसर उत्पत्ति के विशिष्ट शारीरिक हिस्से पर लक्ष्य साधने के लिए रोकथाम, निदान एवं उपचार सहित, एक सेतु बन सका। ग्यारह ऐसे डीएमजी थे जिन्होंने संपूर्ण मानव शरीर को कवर किया, नामतः एडल्ट हेमाटोलिंफायड, अस्थि एवं कोमल तंतु, स्तन कर्करोग विज्ञान, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, स्त्रीरोग संबंधी, सर व गला, न्यूरो-ऑन्कोलॉजी एवं यूरो-ऑन्कोलॉजी। ये डीएमजी वैयक्तिक कैंसर प्रबंधन के संभावित लक्ष्य पूर्ण करने के लिए राह बनाएंगे। हर रोगी के कैंसर की चर्चा औषधि की विभिन्न विशेषताओं सहित विशिष्ट डीएमजी सदस्यों के साथ की गई। यह अनूठी प्रक्रिया टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच) एवं कैंसर उपचार, शिक्षा एवं अनुसंधान का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक), क्रमशः मुंबई एवं नवी मुंबई में पिछले लगभग 12 वर्षों से है और इसे टीएमसी के भारत में स्थित कैंसर अस्पतालों में लागू किया गया है।

ऐसे रोगी जिन्हें दूसरी राय की आवश्कता थी और जो किसी भी टीएमसी कैंसर केंद्र तक नहीं जा सकते थे, उनके लिए, टीएमसी-नव्या (2016 में शुरू) नामक ऑनलाइन सुविधा कार्यरत थी। इस सेवा के अंतर्गत उनकी टीम में 300 से अधिक कैंसर विशेषज्ञ थे और इसने पूरे भारत और अन्य देशों के 35,000 से अधिक लोगों को विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया।

किसी भी टीएमसी कैंसर अस्पताल में पंजीकृत सभी कैंसर रोगी देश में "हैंडीकैप कम्पार्टमेंट" के रूप में चिह्नित किसी भी ट्रेन की बोगी में यात्रा कर सकते हैं। इसके अलावा, प्रत्येक कैंसर रोगी, परामर्श और उपचार के लिए, अपने स्थायी निवास से देश के किसी भी टीएमसी कैंसर केंद्र तक जाने के लिए सड़क, रेल, या वायु द्वारा यात्रा रियायतों का लाभ ले सकते थे। ये रियायतें मुफ्त से लेकर 50% तक की छूट तक अलग-अलग हैं।

आम जनता द्वारा सूचना मांगे जाने के संबंध में, सभी चिकित्सा और औषधालय मुद्दों और रोगी सेवाओं से संबंधित विषयों के लिए अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक लोक सूचना अधिकारी के रूप में कार्यरत थे तथा इनसे भिन्न किसी भी विषय के लिए अस्पताल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने लोक सूचना अधिकारी की भूमिका निभाई । भारत सरकार के प्रशासक सुधार और लोक शिकायत निवारण विभाग के केन्द्रीयकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (CPGRAMS) के माध्यम से दर्ज की जाने वाली रोगियों की शिकायतों के लिए जन संपर्क अधिकारी शिकायत निवारण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे तथा इन शिकायतों के संबंध में अस्पताल के निदेशक अपीलीय अधिकारी थे।

आंध्रप्रदेश

इस केंद्र ने आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के रोगियों की जरूरतों को पूरा किया। **एचबीसीएचआरसी, विशाखापटनम** में 25 मई, 2019 से प्लास्टिक सर्जरी की सेवा की शुरूआत हुई और विकिरण उपचार (आरटी) ब्लॉक को जुलाई, 2019 में कमीशन किया गया एवं 30 नवंबर, 2019 को आधिकारिक रूप से इसका उद्घाटन किया गया। कैंसर उपचार के लिए पहले लीनियर एक्सिलिरेटर का प्रयोग दिसंबर, 2019 में किया गया। आरटी ब्लॉक की कमीशनिंग के परिणामस्वरूप केवल दिसंबर, 2019 में ही 200 से अधिक रोगियों का उपचार विकिरण चिकित्सा से किया गया।

वर्ष 2019 के अंत में रोगियों को चिकित्सीय, बाल रोग, शल्य चिकित्सा, स्त्री रोग, सर व गले, विकिरण एवं प्रशामक कर्करोग विज्ञान सेवाएं प्रदान की गई। ये सेवाएं पहले से स्थापित दैनिक देखभाल, निवारक एवं भौतिक चिकित्सा के क्लिनिक के साथ-साथ थी।

आंध्रप्रदेश राजय की वाईएसआर आरोग्य श्री योजना में सूचीबद्धता के लिए छः कमरों वाला एक नया ओपीडी जल्द ही शुरू किया जाएगा। विशाखापटनम में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (भापअकें) के, विशाखापटनम पोत न्यास (वीपीटी) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (वाइजैग स्टील संयंत्र) के लाभग्राहियों को कर्करोग संबंधित सेवाएं दी गई।

नए रोगियों के पंजीकरण में 20% से अधिक की वृद्धि हुई और सभी विभागों ने वर्ष 2018 की तुलना में 20-30% के बीच की वृद्धि दर्शायी। लगभग 5000 रोगियों को प्रशामक देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराई गई और 400 से अधिक गृह देखभाल दौरे आयोजित किए गए। 1000 से अधिक रोगियों को भौतिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई।

अस्पताल के मुख्य ब्लॉक का कार्य 75% पूरा हो गया था और यह वर्ष 2020 के मध्य तक चालू हो जाएगा। एक नए छह कमरे वाले एक बाह्य-रोगी विभाग (ओपीडी) की तथा आंध्र प्रदेश राज्य की युवराज श्रमिका रायथू (वाईएसआर) आरोग्यश्री योजना को पैनलबद्ध किए जाने की पहल जल्द ही की जाएगी ।

असम

असम में सुस्थापित डॉ. भुवनेश्वर बरुआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई), गुवाहाटी को पऊवि को सौंप दिया गया और वहां से इसे 1 जुलाई 2018 से टाटा स्मारक केंद्र को सौंप दिया गया।

बीबीसीआई, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएम जय) के सितंबर, 2018 में आरंभ होने के बाद से इसके अंतर्गत सर्वाधिक संख्या में पूर्व प्राधिकरण प्रदान करने वाला असम राज्य का सर्वश्रेष्ठ अस्पताल था। इसके अंतर्गत लाभ उठाने वाले रोगियों की संख्या कई गुना तक बढ़ गई और स्थानीय या राज्य या केंद्र सरकार की वित्तीय सब्सिडी लगभग 25, 000 हो गई ; जिसमें वर्ष 2018 की तुलना में 400% की वृद्धि हुई ।

अस्पताल को अपने निवारक एवं प्रशामक औषधि विभागों सहित अपने विशिष्ट लोक योगदान के लिए असम सरकार से सम्मान प्राप्त हुआ।

श्री के एन व्यास, अध्यक्ष परमाणु ऊर्जा आयोग एवं सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार द्वारा दिनांक 08.02.2019 को गुवाहाटी में डॉ. भुवनेश्वर बरुआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई) में लीनियर एक्सिलिरेटर का उद्घाटन किया गया। अध्यक्ष ने दिनांक 10.02.2019 को बाल्य अवस्था के 24 कैंसर रोगियों के आवास की सुविधा वाले सेंट ज्यूड इंडिया चाइल्डकेयर केंद्र का भी उद्घाटन किया। यहाँ, असम गैस कंपनी लिमिटेड की अपराजय योजना के माध्यम से बाल कैंसर रोगियों को मुफ्त उपचार प्रदान किया गया। दोनों ही अवसरों पर निदेशक, टीएमसी- डॉ. आर ए बडवे की गरिमामयी उपस्थिति रही।

वर्ष 2018 के अंत में एक नए निजी बाह्य-रोगी विभाग का उद्घाटन किया गया और 2019 में निजी रोगियों के पंजीकरण में 18% की वृद्धि हुई। नए रोगियों का पंजीकरण 15% बढ़कर लगभग 15, 000 तक पहुँचा। ऑपरेशन थियेटरों में वृद्धि के परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान 2000 से अधिक शल्य चिकित्साएं की गई जो 35% की वृद्धि दर्शाती हैं।

कीमोथेरेपी वार्ड में वृद्धि की बदौलत वर्ष 2019 में दिए गए कीमोथेरेपी चक्रों की संख्या में 143% (45,000 से अधिक) की वृद्धि हुई।

दैनिक-देखभाल रोगियों की संख्या दुगुनी होकर लगभग 25000 तक पहुँची, जो बड़े टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच) की संख्या का लगभग 20% है । 2018 की तुलना में सभी सेवाओं की संख्या में वृद्धि हुई।

बिहार

टीएमसी की 10 वीं कैंसर इकाई मुज़फ्फरपुर, बिहार में प्रस्तावित है। यह कैंसर केंद्र बिहार सरकार द्वारा श्री कृष्णा चिकित्सीय कॉलेज, मुज़फ्फरपुर के कैंपस में दी गई 15 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जाएगा। परमाणु ऊर्जा विभाग ने इस परियोजना के लिए रुपए 20 करोड़ की निधि आबंटित की है। अभियंताओं को दिनांक 26.03.2019 को क्रय आदेश जारी किया गया और केंद्रीय लोक कार्य विभाग (सीपीडब्ल्यूडी), पटना के माध्यम से सीमांकन कार्य निष्पादित किया जाएगा।

महाराष्ट्र

टाटा स्मारक अस्पताल :

मुंबई में टाटा स्मारक अस्पताल की शुरुआत मार्च 1941 में टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल फॉर कैंसर एंड अलाइड डिजीज के रूप में हुई।

हाफकिन संस्थान में भूमि के स्थल (प्लेटिनम ब्लॉक के नाम से संबोधित) पर कार्य जारी था तथा 15 तल की धर्मशाला के 14वें तल तक का संरचनागत कार्य पूर्ण हो चुका था। साथ ही धर्मशाला के आंतरिक कार्य शून्य तल से ऊपर की ओर जारी थे। धर्मशाला को मार्च 2020 तक कमीशन किया जाना नियोजित था।

उसी भूमि पर अस्पताल भवन के निर्माण के लिए शिल्पकार एवं परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता नियुक्त किए गए।

गोल्डन जुबिली भवन में विकिरण कर्करोग विज्ञान विभाग में एक नया लीनियर एक्सिलिरेटर जोड़ा गया, जिसका उद्घाटन 07 जून, 2019 को श्री जी नागेश्वर राव, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (पऊनिप) द्वारा किया गया।

डॉ. आर ए बडवे द्वारा नवंबर, 2019 में कमीशन किए गए मुख्य भवन में विकिरण निदान विभाग ने अपने एनॉलॉग रेडियोग्राफी प्रणाली को नई डिजीटल रेडियोग्राफी मशीन से बदला।

विकिरण निदान जॉचों के लिए दीर्घ प्रतीक्षा अवधि को कम करने के लिए विकिरण निदान विभाग ने अपनी सेवाओं को 12 घंटों तक बढ़ाया, सप्ताह के 6 दिन प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक। अब नए रोगियों की सीटी और एमआर जाँचों के लिए केवल 3-5 दिवसों की प्रतीक्षा अवधि है। इसके परिणामस्वरूप 2018 की तुलना में कार्यनिष्पादन में लगभग 25% की वृद्धि हुई है।

ऑनलाइन रोगी पंजीकरण की प्रवृत्ति में वृद्धि हुई जिसमें वर्ष 2019 में लगभग 30% नए रोगियों ने ऑनलाइन पंजीकरण किया ।

भारतभर में टीएमसी कैंसर इकाइयों की कमीशनिंग से टीएमएच, मुंबई में रोगियों के पंजीकरण में आंशिक कमी आई है और यह आंकड़ा पिछले वर्ष के लगभग 74000 से घटकर लगभग 72000 हो गया है;तथापि, वर्ष 2019 में सैटेलाइट केंद्रों में नए रोगियों का पंजीकरण बढ़कर 30,000 से अधिक रहा।

आम से निजी रोगी का अनुपात 55:45 था। लगभग सभी विभागों एवं सेवाओं ने वर्ष 2018 की तुलना कार्यभार में आंशिक वृद्धि दर्शायी है ।

कैंसर उपचार, शोध एवं शिक्षण प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक) :

30 मार्च 2005 को नवी मुंबई में स्थापित एक्ट्रेक विविध विस्तार के दौर से गुजर रहा था।

वर्ष 2019 में कैंसर थेरेपी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई । बायोसेफ्टी लेवल 2 में वर्तमान गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (सीजीएमपी) सुविधा के साथ एक "किमेरिक एंटीजेन रिसेप्टर (सीएआर) टी-सेल थेरेपी सेंटर" का उद्घाटन नवंबर 2019 में किया गया । यह केंद्र देश में अपनी तरह का पहला था और कार टी-कोशिकाओं के नैदानिक विनिर्माण के लिए और रोगियों पर नैदानिक चरण I / II के नैदानिक परीक्षणों के लिए पूरी तरह से समर्पित था।

डॉक्टरों की सर्जिकल स्किल को बढ़ाने के लिए जनवरी 2019 में एनिमल लेबोरेट्री को चालू किया गया । भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के सहयोग से एक रोबोटीक न्यूरो-नेविगेशन परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की गई । प्रोटोटाइप रोबोट जगह में था और, फैंटम के उपयोग से वैधीकरण के कार्य चल रहे थे। प्रोटॉन बीम थेरेपी के लिए साइक्लोट्रॉन को साइट पर स्थापित किया गया था और इसकी टेस्टिंग और कमीशनिंग 2020 तक शुरू हो जाएगी। अत्याधुनिक हैड्रॉन थेरेपी सुविधा भारतीय रोगियों को अत्यंत महंगी और सटीक आधारित रेडियन थेरेपी बहुत ही किफायती दरों पर प्रदान करेगी।

विकिरण अनुसंधान इकाई (आरआरयू), टीएमसी, विकिरण औषधि केंद्र (आरएमसी) और बीएआरसी के रेडियोलॉजिकल फिजिक्स एंड एडवाइजरी डिवीजन (आरपीएडी) के बीच एक संयुक्त सहयोगी कार्य था और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन द्वारा समर्थित था। इसकी संरचना का कार्य 5 वें तल तक पूरा हो गया था । आरआरयू का कार्य 2020 तक पूरा होने की उम्मीद थी।

हेमटोलिम्फाइड, महिला और बाल कैंसर केंद्र (एचडब्ल्यूसीसी) की बाहरी संरचना लगभग तैयार थी। इसमें 70 डे-केयर बेड, 14 ऑपेरान थिएटर, 165 बेड वाले वार्ड, 18 आईसीयू बेड, 26 रिकवरी बेड और छह (06) कैजुअल्टी बेड की सुविधा होगी।

सभी प्रयोगशालाओं को अप्रैल 2021 तक के लिए एनएबीएल प्रमाणन प्राप्त हुआ। एक्ट्रेक संस्थागत नीति समिति (आईईसी-III) को मार्च में हॉस्पिटल एण्ड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स (एनएबीएच) के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन बोर्ड द्वारा मार्च 2019 में पुन:प्रमाणित किया गया। और नवंबर 2019 में एथिकल रिव्यू में क्षमता विकसित करने हेतु स्ट्रेटेजिक इनिसीटिव (SIDCER) द्वारा प्रमाणित किया गया । ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंजेन (HLA) प्रयोगशाला को ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के साथ अस्थि मज्जा ट्रांसप्लांट रोगियों के लाभ के लिए एक्ट्रेक में एक स्वतंत्र इकाई के रूप में स्थानांतरित किया गया ।

दिसंबर 2019 में पहले किडनी डायलिसिस यूनिट स्थापित की गई ।

एक्ट्रेक में बुनियादी ढाँचे के लिए बड़े स्तर पर अपग्रेड किए गए, जिसमें एक समर्पित पेन्ट होल्ड क्षेत्र, पेन्ट काउंसलिंग रूम और बेहतर पेन्ट फैसिलिटी शामिल हैं। गहन देखभाल इकाई बिस्तर की संख्या को सात से तेरह तक बढ़ाया गया। 17 सितंबर, 2019 को, "विश्व रोगी सुरक्षा दिवस" (डब्ल्यूएचओ घोषणा के अनुसार) रोगियों और स्टाफ की जागरूकता के लिए एक सप्ताह के फनकॉन के साथ मनाया गया।

इन्फोसिस ने 265 रोगियों और उनके परिवार को लंबे समय तक रहने के लिए एक विशाल डोरमेट्री, आशा निवास, को वित्त पोषित किया जिसके 2020 के अंत तक कार्यान्वित होने की उम्मीद है।

2019 के दौरान, एक्ट्रेक में 232 चालू परियोजनाएं थीं; इन परियोजनाओं में से 219 को सरकारी एजेंसियों जैसे कि डीबीटी , डीएसटी, आईसीएमआर, आदि से 4.92 करोड़ रुपये का वित्तीय समर्थन प्राप्त हुआ। इसके अलावा, 13 नए एक्सट्रामुरली फ़ंडेड प्रोजेक्ट्स में 2.51 करोड़ रुपये का खर्च किया गया; कैलेंडर वर्ष के भीतर सभी प्राप्त हुए। केंद्र के संकाय द्वारा किए गए शोध के परिणामस्वरूप वर्ष 2019 में कुल 155 सार्वजनिक प्रचार हुए; जिनमें से 117 प्रतिष्ठित आंतरिक पत्रिकाओं में, 17 व्यापक रूप से प्रसारित भारतीय पत्रिकाओं में, 14 पुस्तक अध्याय और, एक पुस्तक थीं। कुल प्रचारकों में सम्मेलन की कार्यवाही की एक मात्रा और भी शामिल हैं। इसके अलावा, 2019 में, एक शोध इनवेंशन का अमेरिकी पेटेंट में समापन हुआ। एक्ट्रेक में सभी नैदानिक, प्रयोगशाला और इमेजिंग विभागों ने वर्ष 2018 में उन लोगों की संख्या में लगभग 10-15% की वृद्धि देखी।

कैंसर एपिडेमियोलॉजी केंद्र (सीसीई) :

नवी मुंबई में सीसीई ने 22 मार्च, 2019 को देश का पहला स्वचालित बायोबैंक स्थापित किया। बैंक के पास जनता से प्राप्त 30 लाख रक्त-नमूनों को दीर्घ दल व मामला-नियंत्रण अध्ययन के लिए पूर्णतः स्वचालित बायोबैंक में -80 सेंटीग्रेड में रखने की क्षमता है।

अंतरराष्ट्रीय कैंसर शोध एजेंसी (आईएआरसी) ने दक्षिण पूर्व एशिया में कैंसर पंजीकरण के सुदृढिकरण हेतु सीसीई को आईएआरसी के कैंसर पंजीकरण क्षेत्रीय केंद्र के रूप में मान्यता दी है। तदनुसार, इसने मिलकर कार्य किया और भूटान, नेपाल और म्यानमार में लेखशालाएं स्थापित की। सीसीई ने मौजूदा एवं नए न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों के आसपास के इलाकों में आधारभूत सर्वेक्षण आयोजित करने व उनका मॉनीटरन करने के लिए कैंसर लेखशालाएं स्थापित कर न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों के आसपास के इलाकों में कैंसर की संख्या के मॉनीटरन का कार्य भी किया।

डिपार्टमेंट ऑफ मेडिकल रिकॉर्ड्स, बायोस्टैस एंड एपिडेमियोलॉजी ने जुलाई 2019 में "टाटा मेमोरियल सेंटर-डीएई नेटवर्क ऑफ कैंसर रजिस्ट्रि इन न्यूक्लियर पावर प्लांट लोकेशन" नामक सांख्यिकीय डेटा पुस्तक प्रकाशित की, जिसे डॉ आरए बडवे और बी गणेश द्वारा लिखा गया है ।

पंजाब

नए नैदानिक उपकरणों के प्रापण और अतिरिक्त शल्य चिकित्सा सुविधाएं आरंभ करने की योजनाओं के साथ एचबीसीएच, संगरूर तीव्रता से विकसित हुआ। जून, 2019 में अस्थि एवं कोमल मांस-तंतु कर्करोग विज्ञान सेवा आरंभ की गई। एचबीसीएच, संपूर्ण पंजाब राज्य में फ्रोजन सेक्शन एवं इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री सुविधाएं प्रदान करने वाला एकमात्र अस्पताल है।

संगरूर एवं भवानीनगर जिले में वर्ष 2018 के अंत में मुंह के, स्तन के और सर्वाइकल कैंसर के शीघ्र पता चलने पर रोकथाम कार्यक्रम आरंभ किया गया। उपचार के दौरान रोगियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए इस स्थापना को मुख्य मंत्री पंजाब कैंसर राहत कोष योजना (एमएमपीसीआरकेएस) एवं आयुष्मान भारत योजना हेतु नामित किया गया। पोस्ट-डॉक्टरल विषयों में फेलोशिप पाठ्यक्रम और पराचिकित्सीय स्टाफ हेतु बी. एससी पाठ्यक्रम जून, 2019 आरंभ किए गए।

मध्यवर्ती विकिरण विज्ञान सेवाएं 2020 की शुरूआत में शीघ्र ही आरंभ की जानी थी; पंजाब और इससे सटे हुए राज्यों जैसे हरियाणा, हिमाचलप्रदेश एवं जम्मू-कशमीर में एकमात्र सुविधा। मॉलिक्यूलर इमेजिंग (पीईटी, एसपीईसीटी सीटी) भी 2020 की शुरूआत में आरंभ की जानी थी, जो संगरूर से 120 कि.म. के दायरे में एकलौती सुविधा है।

हाल ही में रोगियों के बिस्तरों (बेडों) की संख्या में वृद्धि ने रोगियों की भर्ती की संख्या को दुगना कर 2500 से अधिक कर दिया। कीमोथैरेपी हेतु दैनिक-देखरेख वाले रोगियों की भर्ती दुगुनी हुई जिसके परिणामस्वरूप सभी नैदानिक सेवाओं की संख्या में वृद्धि हुई। वर्ष 2019 में शल्य-चिकित्साओं की संख्या लगभग 2000 तक पहुँच गई।

मुल्लनपुर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं शोध केंद्र (एचबीसीएचआरसी) के भवन का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है और केंद्र के मई-2020 तक क्रियाशील होने की आशा है।

उत्तर प्रदेश

वर्ष 2019 में भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिनांक 19 फरवरी, 2019 को 350 बिस्तरों वाले महामन पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी), टीएमसी की 9वीं इकाई, वाराणासी में दूसरी, का उद्घाटन किया गया। अवसर को यादगार बनाने के लिए सुश्री निशु सिंह गोयल द्वारा रचित एक पुस्तक "वेयर लाइट एंटर्स द अर्थ" का विमोचन किया गया। श्री नरेंद्र मोदी ने वाराणासी में पूर्ण रूप से क्रियाशील पहले कैंसर केंद्र, 179 बिस्तरों वाले होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच) को भी श्रेय दिया। अप्रैल, 2019 में सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग- डॉ. के एन व्यास द्वारा निदेशक, टीएमसी, डॉ. आर ए बडवे की उपस्थिति में होमी भाभा कैंसर अस्पताल, वाराणासी के संलग्न भवन का शिलान्यास किया।

एचबीसीएच, वाराणासी में रोगियों की मात्रा बढ़ रही थी और कैंसर रोगियों हेतु अधिक सुविधाएं आरंभ की जा रही थी। राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आर आर सी ए टी), इंदौर ने मुंह के कैंसर के मरीजों की बड़ी संख्या में स्क्रीनिंग के लिए 2019 की शुरूआत में एचबीसीएच-वाराणासी को निम्न लागत वाला लेज़र आधारित नैदानिक संक्षिप्त उपकररण, ऑन्कोडायग्नोस्कोप प्रदान किया।

एचबीसीएच में रक्त-आधान औषधि केंद्र फरवरी, 2019 में पूर्ण रूप से क्रियाशील हुआ। वाराणासी में पहला अस्थि-मज्जा (बोन-मैर्रो) प्रतिरोपण, अगस्त 2019 में होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच) में निष्पादित किया गया।

भर्ती रोगियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है; यह संख्या वर्ष 2019 में 6000 से अधिक रही। वार्षिक बड़ी एवं छोटी शल्य चिकित्साओं की संख्या भी बढ़कर लगभग 5000 रही। कीमोथैरेपी वार्ड में 25000 से अधिक रोगियों की आवाजाही रही जो बड़े टाटा अस्पताल (टीएमएच) का लगभग 20% थी। नैदानिक सेवाएं प्राप्त करने वाले रोगियों की संख्या कई गुणा बढ़ी। वाराणासी कैंसर केंद्र ने बहुत प्रेरक व गहन चिकित्सीय सामाजिक सेवाएं उपलब्ध कराई जिससे 10,000 नए कैंसर रोगियों पर लगभग 1000 रोगियों को राज्य व केंद्र सरकार की आर्थिक सहायता प्राप्त स्वास्थ्य योजना प्राप्त करने के लिए सक्षम किया। लगभग 1500 रोगियों ने निवारक कर्करोगविज्ञान सेवाएं प्राप्त करने हेतु पंजीकरण किया।

एमपीएमएमसीसी को कैंसर रोगियों के लिए प्रारंभ में दैनिक देखभाल स्थापना के रूप में एवं एचबीसीएच, वाराणासी के अनुवर्ती रोगियों के मूल्यांकन के लिए मई 2019 से क्रियाशील किया गया। नैदानिक सेवाएं जुलाई- 2019 से एवं शल्य चिकित्सा व विकिरण उपचार दिसंबर, 2019 से आरंभ किया गया। पूर्णरूपेण सेवाओं के जनवरी, 2020 से प्रदान किए जाने की आशा है।

उत्तरप्रदेश सरकार ने दिसंबर, 2019 में आयुष्मान भारत को प्रोत्साहित एवं प्रसिद्ध करने वाले प्रशंसनीय कार्य के लिए एचबीसीएच प्रबंधन के निष्ठावान प्रयासों की सराहना की।

आम जनता में कैंसर जागरूकता बढ़ाने के लिए एचबीसीएच ने वाराणासी में पहली बार फरवरी, 2019 में एक दौड़ आयोजित की।

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड

NATIONAL CANCER GRID
COLLABORATION FOR CANCER CARE

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड लगभग 200 कैंसर केंद्रों, अनुसंधान संस्थानों, रोगी एडवोकेसी समूहों, चैरिटेबल ऑर्गनाइजेशन और प्रोफेशनल सोसाइटियों के एक बड़े नेटवर्क तक पहुंच गया। एनसीजी के सदस्य संगठन के बीच, नेटवर्क ने सालाना हजारों (7, 00, 00 से अधिक) कैंसर रोगियों का इलाज किया जो कि भारत के कैंसर बोझ का 60% से अधिक था। यह उम्मीद की जा रही थी कि इन केंद्रों पर कैंसर देखभाल के इस मानक के साथ, कैंसर पीड़ितों के जीवित रहने में 5-7% तक सुधार होगा। समूह नियोगों की एक नई प्रक्रिया कैंसर उपकरण, दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों की कम लागत को प्राप्त करने के लिए चल रही थी। एनसीजी ने देश में पूर्वोत्तर जैसे भौगोलिक रूप से दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए ऑन्कोलॉजी के विभिन्न उप-क्षेत्रों में यात्रा स्कूलों का आयोजन किया।

श्री के एन व्यास, सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग (प.ऊ.वि.) एवं अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग (प.ऊ.आ.) ने डॉ. राजेंद्र बडवे, निदेशक, टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के 63वें आम सम्मेलन के उप-आयोजन के रूप में दिनांक 17 सितंबर, 2019 को विएना में एनसीजी विश्वम कैंसर केयर कनेक्ट को लॉन्च किया। इस प्रकार एनसीजी, भारत को कैंसर के खिलाफ समान जंग में विदेशी राष्ट्रों के कैंसर केंद्रों और अन्य संबंधित संस्थानों की प्रतिभागिता के लिए खोला गया। डॉ. बडवे ने एनसीजी विश्वम में विदेशी अस्पतालों की सक्रिय भागीदारी से उन अस्पतालों को मिलने वाले लाभों का ब्यौरा दिया। टीएमसी के निदेशक डॉ आर ए बडवे ने एनसीजी का विवरण दिया और कहा कि इसे कैसे विदेशी अस्पतालों और उनके लाभों तक बढ़ाया जा सकता है, जिन्हें वे प्राप्त कर सकेंगे । यह वैश्विक कैंसर नेटवर्क एनएसजी की सबसे अच्छी कार्यप्रणाली को साझा करेगा और कैंसर देखभाल में समान मानकों के अनुसार, कैंसर की रोकथाम के लिए मानव संसाधन को विकसित करने और, कैंसर में वैश्विक सहयोगी मैलेन्सेंट अनुसंधान का प्रबंधन करने के लिए दुनिया भर में कैंसर देखभाल में असमानता को दूर करने की दिशा में काम करेगा। श्रीलंका, बांग्लादेश, रूस, कजाकिस्तान, वियतनाम, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, अफगानिस्तान, जमैका, बांग्लादेश, म्यांमार और जाम्बिया जैसे देश अपने प्रमुख अस्पतालों को एनसीजी-विश्वम का हिस्सा बनाने के लिए सहमत हुए।

लोकप्रिय टीएमसी-नव्या दूसरी राय कैंसर सेवाओं की मांग बढ़ी, और उनकी सेवाओं का लाभ 60 से अधिक देशों के 30, 000 से अधिक लोगों ने लिया।

अकादमिक

ऑन्कोलॉजी में विभिन्न सबसेटों में डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 250 से अधिक रेजिडेंट डॉक्टरों को नामांकित किया गया। नर्सिंग, प्रयोगशाला और तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए 800 से अधिक छात्रों का पंजीकरण किया गया। देश और विदेश के 500 से अधिक चिकित्सा पर्यवेक्षकों ने टीएमसी के अंतर्गत आने वाले कैंसर अस्पतालों का दौरा किया।

वर्ष 2019 में, लगभग 700 वैज्ञानिक लेख प्रकाशित किए गए थे; इनमें एक सौ तिरासी (183) राष्ट्रीय पत्रिकाओं में थे और 495 अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में थे। पूरे भारत में टीएमसी कर्मचारियों द्वारा 33 पुस्तक अध्याय योगदान दिया गया और एक पुस्तक लिखी गई थी। चिकित्सा और पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा ऑन्कोलॉजी और संबद्ध विषयों पर लगभग 200 सम्मेलन आयोजित किए गए।

शिक्षा

देश में एकमात्र मानकीकृत शैक्षणिक कार्यक्रम केवट, एक वर्षीय रोगी नेविगेशन पाठ्यक्रम ने अपने दूसरे वर्ष में प्रवेश किया। इसके अंतर्गत अगस्त 2019 में 30 छात्रों का पहला बैच (2018) पास हुआ। उनमें से 15 छात्रों को एक साल की फेलोशिप के लिए चुना गया।

टीएमसी की इन कैंसर इकाइयों में शैक्षिक सुविधाओं को धीरे-धीरे लागू किया जा रहा था। पंजाब में पैरामेडिकल विषयों में स्नातक और परास्नातक (बी.एससी और एम.एससी) पाठ्यक्रम शुरू किए गए थे। संगरूर, विशाखापट्टनम और वाराणसी के एचबीसीएच में सम्मेलन और सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। संगरूर और विशाखापट्टनम से स्टाफ प्रकाशन भी प्रकाशित किए गए।

बीबीसीआई ने रेडियोथेरेपी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में क्रमशः मास्टर्स डिग्री (एमडी और एमसीएच) उपलब्ध कराए। उन्होंने चिकित्सा की विभिन्न शाखाओं में कई फैलोशिप पाठ्यक्रमों के साथ-साथ पैरामेडिकल शाखाओं में प्रमाण पत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी उपलब्ध कराए। वर्ष के दौरान चिकित्सा पत्रिकाओं में 40 से अधिक लेखों के प्रकाशन के साथ-साथ कई सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

"भारत में कैंसर के साक्ष्य आधारित प्रबंधन - ईबीएम 2019" पर 17 वां सम्मेलन 28 फरवरी से 3 मार्च 2019 तक आयोजित किया गया था। प्रो. हेलमुट फ्रायस द्वारा 2 मार्च 2019 को अस्पताल दिवस व्याख्यान दिया गया था, जिसका विषय थाः 21 वीं शताब्दी में अग्नाशय के कैंसर का इलाज ।

टीएमसी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) और इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर कैंसर ट्रीटमेंट एंड रिसर्च (आईएनसीटीआर) सहित कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा कैंसर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में एक मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्र बना हुआ है।

टीएमसी ने इंडो-अफ्रीकन फोरम समिट III में प्रविष्टि के तीसरे वर्ष तहत अफ्रीकी, उप-सहारा देश के डॉक्टरों और नर्सों को प्रशिक्षण देना शुरू किया।

किंग्स कॉलेज, लंदन और टीएमसी के बीच कैंसर अनुसंधान और शिक्षा के लिए वार्षिक फेलोशिप और विनिमय कार्यक्रम जारी रहे।

अनुसंधान

टीएमसी में अनुसंधान जारी रहा और नैदानिक और मूलभूत अनुसंधान ने भारत में कैंसर रोगियों की देखभाल को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया। एक्ट्रेक में मूलभूत और पशु अनुसंधान किया गया। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त तीन संस्थागत चिकित्साचार समितियों (आईईसीएस) ने टीएमसी में अनुसंधान के उच्चतम वैज्ञानिक और चिकित्साचार मानकों को सुनिश्चित किया। टीएमएच में दो आईईसी और एक्ट्रेक में एक आईईसी थी। टीएमएच संस्थागत चिकित्साचार समिति ने टीएमसी की वाराणसी कैंसर इकाई में चौथी आईईसी के गठन के लिए सभी सहयोग, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया। आईसी 2019 में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर सेंटर (एमपीएमएमसी), वाराणसी से कार्यात्मक थी। इस आईईसी के लिए मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपीएस) टीएमएच संस्थागत चिकित्साचार समिति के एसओपी पर आधारित थी। नवगठित आईईसी सदस्यों और अनुसंधानकर्ताओं को टीएमएच की आईईसी टीम द्वारा प्रशिक्षित किया गया ।

वर्ष 2019 में, चिकित्साचार समितियों को समीक्षा के लिए 273 परियोजनाएं प्राप्त हुईं हैं। समितियों ने 2019 में आयोजित की गई 36 बैठकों में 245 से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन 245 परियोजनाओं में से, अधिकांश यानि 71% परियोजनाएं अन्वेषकों द्वारा आरंभ की गईं थीं और 22% परियोजनाएं होमी भाभा राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एचबीएनआई) के लिए स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनुसंधानपत्र थे।

टीएमसी ने पऊवि से उपलब्ध अनुदान के माध्यम से अनुसंधान अध्ययनों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की। पैंसठ प्रतिशत परियोजनाओं को आईएम अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित किया गया था और 35% परियोजनाओं को अन्य स्रोतों (विषयेतर) से अनुदान प्राप्त हुआ था। 2019 में पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाओं में से सात अनुसंधानपत्र एचबीएनआई को प्रस्तुत किए गए। वर्ष के दौरान छह सौ से अधिक (620) अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की गईं।

उपलब्धियां/नई तकनीकें

- भारत में **ऑन्कोलॉजी के लिए सबसे बड़ा अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण केंद्र** बन गया (बीएमटी करवाने वाले रोगियों की संख्या 60 से 70 प्रति वर्ष; जिनमें से **30% का इलाज मुफ्त किया गया**)।
- एचबीसीएच, वाराणसी में पहला अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण अगस्त 2019 में किया गया।
- भारत में पहली बार, पऊवि की एक स्वतंत्र इकाई, विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड (**ब्रिट**) के सहयोग से, टीएमएच के विकिरण ऑन्कोलॉजी विभाग ने अगस्त 2019 में **अल्प दृष्टि कार्यक्षमता के साथ एक उपचार** के रूप में आंखों के कैंसर के इलाज के लिए **रूथेनियम 106 नेत्र ऐप्लिकेटर** तैयार किया।
- डॉ. आरए बडवे और डॉ. बी. गणेश द्वारा जुलाई 2019 में सांख्यिकीय डेटा पुस्तक प्रकाशित की गई, जिसका शीर्षक था, "नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थानों पर कैंसर पंजीकरण का टाटा स्मारक केंद्र-पऊवि नेटवर्क
- **दो एचईपीए फ़िल्टरित कक्षों,** आईएसओ 7 और आईएसओ 8 के साथ **जैव सुरक्षा स्तर 2** का उद्घाटन 18 नवंबर 2019 को किया गया। यह सुविधा देश में अपनी तरह का पहला केंद्र होगा जो सीएआर टी कोशिका के नैदानिक विनिर्माण और रोगियों पर चरण I/II नैदानिक संचालन के लिए विशेष रूप से समर्पित है और यह विशिष्ट संकेतों हेतु लिए सेलुलर थेरेपी उपलब्ध कराएगी।

पुरस्कार

- **डॉ. एस डी बनवाली** को जनवरी 2019 में 9लोकमत महाराष्ट्रीयन ऑफ द ईयर - 2018" के लिए **लोकमत** पुरस्कार।
- डॉ. आर ए बडवे, निदेशक, टीएमसी को एएससीओ (अमेरिकन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी) द्वारा दुनिया के शीर्ष दस ऑन्कोलॉजिस्ट में से एक के रूप में मान्यता दी गई।
- डॉ. आर बडवे, निदेशक टीएमसी को **कैंसर नियंत्रण में उनके उत्कृष्ट योगदान** के लिए राष्ट्रीय कैंसर संस्थान निदेशकों की बैठक-यूएसए, जुलाई 2019 के दौरान **विश्व रोकथाम गठबंधन**, फ्रांस द्वारा सम्मानित किया गया।
- **टाटा स्मारक केंद्र** को अक्टूबर 2019 में **मेर्क फाउंडेशन एप्रिसिएशन अवार्ड** "हम साथ मिलकर कैंसर से लड़ें" प्रदान किया गया।
- स्वास्थ्य शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. भुवनेश्वर बरुआ कैंसर संस्थान **(बीबीसीआई), गुवाहाटी** को असम के माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सर्मा, असम सरकार द्वारा दिनांक 09.02.2019 को **हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड** प्रदान किया गया।
- बीबीसीआई, गुवाहाटी की प्रशामक देखभाल इकाई को प्रतिश्रुति कैंसर और प्रशामक ट्रस्ट, डिब्रूगढ़, असम द्वारा **लीडरशिप इन होम केयर सर्विस अवार्ड 2019** प्रदान किया गया।
- **बीबीसीआई एबी-पीएमजेएवाय** योजना के कार्यान्वयन में असम राज्य में 10 अस्पतालों की सूची में सबसे ऊपर है।
- **आयुष्मान भारत में सराहनीय प्रदर्शन** के लिए **एचबीसीएच, वाराणसी** को उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा लखनऊ में दिनांक 2.12.2019 को प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रतिभागिता

- टाटा स्मारक अस्पताल ने **वाराणसी** में 21-23 जनवरी 2019 के बीच आयोजित **15 वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन** में टाटा स्मारक केंद्र का प्रतिनिधित्व किया, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। सम्मेलन की विषयवस्तु **"नए इंडिया के निर्माण में भारतीय प्रवासी की भूमिका"** था, जिसमें मॉरीशस के प्रधान मंत्री श्री प्रवीण जुगनौथ मुख्य अतिथि थे।
- टाटा स्मारक केंद्र ने 6 फरवरी 2019 को नई दिल्ली में **विदेश मंत्रालय और परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा आयोजित "परमाणु टेक 2019ह्ल सम्मेलन** में भाग लिया। सम्मेलन में नाभिकीय ऊर्जा और विकिरण प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। डॉ. जितेंद्र सिंह, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (डीओएनईआर), राज्य मंत्री प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग ने मुख्य भाषण दिया।

भविष्य की योजनाएं

मेक इन इंडिया को सुनिश्चित करने के लिए:

- हड्डी के ट्यूमर वाले रोगियों में **अंग संरक्षण के लिए** भारत में निर्मित कम लागत वाला **प्रत्यारोपण।**
- 2020 में प्रचालित होने वाली **प्रोटॉन बीम थेरेपी मशीन में 30% स्वदेशीकरण** ।
- **हब और स्पोक मॉडल बनाने के लिए भारत में राष्ट्रीय कैंसर देखभाल का प्रशासन।** टीएमएच में प्रचालित मॉड्यूल की तरह संस्था हेतु स्थायी प्रबंधन मॉड्यूल।
- **कृत्रिम बुद्धि और जीनोमिक्स** के क्षेत्र में कार्य करने के लिए एक **उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग सुविधा को सफलतापूर्वक स्थापित करना** और प्रचालित करना तथा;
- सीएआर-टी कोशिका और अन्य अत्याधुनिक उपचारों के साथ कैंसर के उपचार हेतु एक **सेलुलर थेरेपी यूनिट** स्थापित करना।

PHILIPS

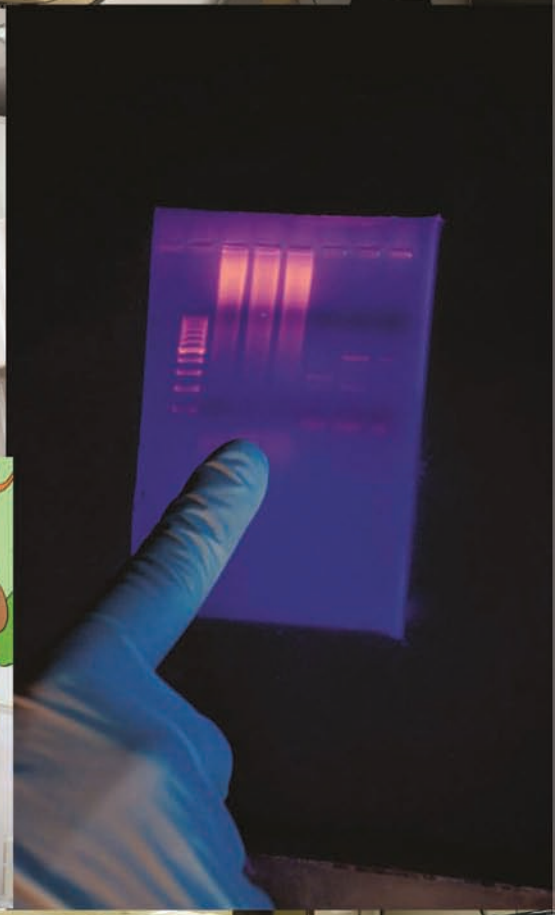

कैंसर केन्द्र / अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	विज़ाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
सामान्य नए रोगी पंजीकरण (1)	29699	1306	4862	3929	12152	11404	**63352**
निजी नए रोगी पंजीकरण (2)	14364	255	188	35	1080	1591	**17513**
कुल नए रोगी- योग(1+2) (3)	44063	1561	5050	3964	13232	12995	**80865**
जांचों हेतु रोगी रेफरल (4)	14627	1246	1109	1284	336	296	**18898**
परामर्श हेतु रोगियों का रेफरल (विशेषज्ञ राय) (5)	7258	एसएनए	1242	एसएनए	एसएनए	एसएनए	**8500**
निवारक ऑन्कोलॉजी रोगी (6)	5630	एसएनए	636	266	1726	1397	**9655**
कुल रोगी पंजीकरण (3+4+5+6)	**71578**	**2807**	**8037**	**5514**	**15294**	**14688**	**117918**
अंत:रोगी सेवाएं							
बिस्तरों की संख्या	640	120	125	100+300	180+350	260	**1775**
भर्ती होने वाले रोगियों की संख्या	28726	5614	852	2568	6146	8704	**52610**
रुकने का औसत समयावधि (दिन)	5.33	5.05	5.34	3.82	9	10.8	**6.55**
बिस्तर अधिभोगिता	88	81	69.26	53.8	78	63.1	**72.19**
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी							
बृहत ऑपरेटिव प्रक्रिया	8641	2506	721	800	1270	2061	**15999**
लघु ऑपरेटिव प्रक्रिया	43288	1563	85	1018	2828	1234	**50016**
रोबोटिक सर्जरी	228	एसएनए	एसएनए	एसएनए	एसएनए	एसएनए	**228**
मेडिकल ऑन्कोलॉजी							
दिवस देखभाल: सामान्य	137269	22383	6776	12021	23300	43833	**245582**
दिवस देखभाल: निजी	35456	4028	एसएनए	एसएनए	2100	1448	**43032**
अस्थि मज्जा प्रत्यारोपणों की संख्या	एसएनए	58	एसएनए	एसएनए	1	एसएनए	**59**

कैंसर केन्द्र / अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	विज़ाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
पाचक रोग एवं नैदानिक पोषण			**एसएनए**	**एसएनए**			
एंडोस्कोपी	7492	18	0	0	एसएनए	8075	**15585**
पोषण क्लीनिक	25547	एसएनए	0	0	8215	3832	**37594**
एनेस्थियोलॉजी, क्रिटिकल केयर एवं दर्द							
आईसीयू में भर्तियों की संख्या	2095	2675	781	1523	171	1656	**8901**
रिकवरी वार्ड में रोगी	7850	2500	एसएनए	एसएनए	612	डीएनए	**10962**
दर्द क्लीनिक	8616	768	एसएनए	163	186	एसएनए	**9733**
विकिरण ऑन्कोलॉजी							
बाह्य बीम थेरेपी	8073	1186	201	1275	1104	3381	**15220**
ब्रेकीथेरेपी	3897	325	एसएनए	379	एसएनए	228	**4829**
उपचार योजना / बीम रूपांतरण	17916	1660	201	1275	डीएनए	818	**21870**
इमेजिंग सेवाएं							
परंपरागत रेडियाग्राफी	85741	3170	2724	1035	8807	10430	**111907**
अल्ट्रासाउंड / कलर डॉपलर	44493	2080	3483	2255	3025	8889	**64225**
मैमोग्राफी	15534	1566	1667	1167	1082	एसएनए	**21016**
सी. टी. स्कैन (नैदानिक)	41543	6743	807	5541	9938	13137	**77709**
सी. टी. स्कैन (रेडियोथेरेपी योजना के लिए)	एसएनए	1450	231	1289	1047	633	**4650**
एम. आर. आई. स्कैन	9372	3763	एसएनए	1068	2436	1543	**18182**
इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी	12462	1441	एसएनए	989	एसएनए	एसएनए	**14892**
अस्थि घनत्वमिति	एसएनए	एसएनए	एसएनए	एसएनए	एसएनए	एसएनए	**एसएनए**

कैंसर केन्द्र / अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	विज़ाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
नाभिकीय चिकित्सा			**एसएनए**	**एसएनए**			
पीईटी-सीटी स्कैन	16962	2882	0	0	2807	एसएनए	**22651**
एसपीईसीटी-सीटी स्कैन	5281	एसएनए	0	0	एसएनए	एसएनए	**5281**
एसपीईसीटी-स्कैन	एसएनए	एसएनए	0	0	एसएनए	905	**905**
सीटी स्कैन (नैदानिक)	डीएनए	NA	0	0	एसएनए	एसएनए	**0**
उच्च डोज थेरेपी	एसएनए	एसएनए	0	0	एसएनए	145	**145**
सामान्य चिकित्सा				**एसएनए**			
ईसीजी	41179	3693	781	0	6732	5204	**57589**
ईको कार्डियोग्राफी	12449	1814	एसएनए	0	एसएनए	एसएनए	**14263**
पल्मनरी कार्य परीक्षण	5125	एसएनए	एसएनए	0	एसएनए	एसएनए	**5125**
प्रयोगशाला नैदानिकी							
पैथोलॉजी–हिस्टोपैथोलॉजी+आईएचसी+ जमा हुआ खंड	229379	14433	7698	5981	8521	15538	**281550**
जैव रासायनिकी	4232273	66045	9480	114295	68082	350836	**4841011**
साइटोपैथोलॉजी	20988	एसएनए	2037	3395	2769	3032	**32221**
आण्विक पैथोलॉजी	5507	एसएनए	एसएनए	एसएनए	1	69	**5577**
सूक्ष्मजैविकी	231440	18004	2846	11070	14343	13214	**290917**
हिमेटोपैथोलॉजी	एसएनए	61082	11962	28368	69181	56383	**226976**
साइटोजेनेटिक्स	एसएनए	30980	एसएनए	एसएनए	423	डीएनए	**31403**
फ्लो सायटोमेट्री & आण्विक हेमेटोपैथोलॉजी				**एसएनए**	**एसएनए**		
अस्थि मज्जा एस्पिरेशन मॉरफोलॉजी	एसएनए	7610	90			325	**8025**
फ्लो सायटोमेट्रिक इम्युनोफेनोटायपिंग	एसएनए	7973	एसएनए			एसएनए	**7973**
आण्विक हेमेटोपैथोलॉजी	एसएनए	9900	एसएनए			64	**9964**

कैंसर केन्द्र / अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	विज़ाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
आधान चिकित्सा				**एसएनए**			
तैयार किए गए रुधिर घटक डपूर्ण रक्त + पैक की गई लाल कोशिकाएं+ प्लैटलेट (आरडीपी) + ताजा जमा हुआ प्लाज्मा + शीत अवक्षेप + फैक्टर VIII त्रुटियुक्त प्लाज्मा	60116	4864	एसएनए	0	3831	10286	**79097**
तैयार किए गए एकल दाता प्लैटलेट(एसडीपी)	5272	1118	एसएनए	0	361	एसएनए	**6751**
विशिष्ट प्रक्रियाएं (रक्त उत्पादों का किरणन+ ग्रेन्यूलोसाइट हार्वेस्ट + थेराप्यूटिक ल्यूकाफेरेसिस + थेराप्यूटिक प्लाज्मा विनिमय)	39120	4788	एसएनए	0	11	एसएनए	**43919**
प्रयोगशाला जांचें (रक्त समूहन + अन्योन्य मेलन + रोगप्रतिकारक संसूचन)	105565	14169	937	0	18706	22612	**161989**
एचएलए प्रयोगशाला	एसएनए		एसएनए	एसएनए	एसएनए	एसएनए	
एचएलए टायपिंग	0	1469	0	0	0		**1469**
रोगप्रतिकारक जांच	0	132	0	0	0		**132**
अन्य नैदानिकी सेवाएं							
सेंट्रल वीनस एक्सेस डिवाइस (सीवीएडी) क्लीनिक	17763	एसएनए	80	एसएनए	एसएनए	180	**18023**
स्टोमा क्लीनिक	8311	एसएनए	एसएनए	एसएनए	एसएनए	85	**8396**
व्यावसायिक थैरेपी	16536	एसएनए	एसएनए	एसएनए	1175	एसएनए	17711
फिजियोथैरेपी	22940	11268	766	3333	7395	2261	**47963**
स्पीच थैरेपी	13242	एसएनए	एसएनए	एसएनए	एसएनए	113	**13355**
मनोविकार चिकित्सा और लाक्षणिक मनोविज्ञान	3886	एसएनए	एसएनए	एसएनए	एसएनए	एसएनए	**3886**

कैंसर केन्द्र / अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	विज़ाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
दंत सेवाएं				एसएनए	एसएनए		
सामान्य दंतचिकित्सा	26912	4999	136			1161	**33208**
प्रोस्थेटिक सेवाएं	1403	145	एसएनए			एसएनए	**1548**
ऊतक बैंक		एसएनए	एसएनए	एसएनए	एसएनए	एसएनए	
उत्पादित एलौग्राफ्ट	10520						**10520**
प्रशामक चिकित्सा		एसएनए		एसएनए			
रोगियों की संख्या	19316		4658		66	16181	**40221**
घर पर देखभाल हेतु दौरे	3607		416		12	329	**4364**
चिकित्सा सामाजिक सेवाएं							
वित्तीय सहायता हेतु लाभार्थियों की संख्या	4700	127	230	123	2500	23753	**31433**
आवास सहायता हेतु लाभार्थियों की संख्या	8377	3143		381	725	113	**12739**
शिक्षा					डीएनए		
रेजिडेंट एवं अन्य	202	49		9			**260**
फैलो	20	7	13	6		15	**61**
केवट, पेशंट नेव्हिगेशन कोर्स	30	0	0	९		एसएनए	**30**
नर्सिंग प्रशिक्षु	121	2	0	15		507	**645**
पैरामेडिकल छात्र	24	0	1	37		54	**116**
चिकित्सा भौतिकविद प्रशिक्षु	21	2	0	2		4	**29**
चिकित्सा प्रयोगशाला प्रशिक्षु	37	3	8	2		5	**55**
चिकित्सा पर्यवेक्षक	508	0	0			19	**527**

कैंसर केन्द्र / अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	विज़ाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
अनुसंधान प्रोफाइल					एसएनए		
विषयेतर परियोजनाएं	24	130	1	1	0	15	**171**
फार्मास्युटिकल कंपनियों द्वारा प्रायोजित	13	0	0	NA	0	1	**14**
अंतरावैषयिकविषयेतर परियोजनाएं	18	232	0	NA	0	डीएनए	**250**
संस्थागत अंतरवैषयिक परियोजनाएं	44	81	0	NA	0	एसएनए	**125**
शून्य वित्तपोषण	102	0	0	NA	0	डीएनए	**102**
परास्नातक छात्र अनुसंधानपत्र (अनुसंधान निबंध)	44	0	6	NA	0	8	**58**
प्रकाशन				NA			
अंतर्राष्ट्रीय	345	118	2	0	9		
राष्ट्रीय	139	23	0	0	डीएनए	21	**495**
पुस्तकें	33	0	0	0	0	21	**183**
पुस्तक अध्याय	18	14	0	0	0	0	**33**
सम्मेलन/कार्यशालाएं/ संगोष्ठियां	105	57	2	12	2	14	**192**

डीएनए : आंकड़े उपलब्ध नहीं

एनए : लागू नहीं

एसएनए : सुविधाएं उपलब्ध नहीं

नैदानिक सेवाएं

वर्ष 2019 में, पूरे भारत में टीएमसी द्वारा 1, 10, 000 से अधिक कैंसर रोगियों का प्रबंधन किया गया (भारतीय कैंसर का बोझ, । 11, 60, 000)। 70, 000 से अधिक सर्जरी की गईं (200 से अधिक रोबोट सर्जरी) और 60 अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण किए गए। टीएमसी की कुल बेड संख्या लगभग 1300 थी और इसे लगभग 3000 तक बढ़ाने की योजना बनाई गई। औसत बेड अधिभोग लगभग 75% था। वाराणसी में पहली बार अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण भी शुरू किया गया।

20 वीं शताब्दी में, कैंसर रोगियों के प्रबंधन में निदान और उपचार के विभिन्न चरणों में उन्हें बिना किसी एकीकृत दृष्टिकोण के एक चिकित्सक से दूसरे चिकित्सक के पास भेजा जाता था जो चिकित्सकों और रोगियों दोनों को भ्रमित कर रहा था। कोई साक्ष्य आधारित दिशानिर्देश नहीं थे और इसके कारण रोगी देखभाल अनियंत्रित थी, कोई मानकीकृत प्रोटोकॉल नहीं था और खराब परिणाम आ रहे थे। इन मुद्दों से बचने और रोगियों को मानकीकृत और साक्ष्य-आधारित देखभाल उपलब्ध कराने के लिए, टीएमसी ने कैंसर प्रबंधन हेतु बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाया।

टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) ने कैंसर प्रबंधन के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण वर्ष 2006 के आसपास शुरू किया और वर्ष 2008 तक, संस्थान में ग्यारह (11) मजबूत बहु-विषयक रोग प्रबंधन समूह (डीएमजी) थे, जिनमें मानव शरीर के सभी आम कैंसर स्थानों को शामिल किया गया था। मरीजों को उनके कैंसर के प्रकार और स्थान के आधार पर डीएमजी के तहत पंजीकृत किया गया था; किसी व्यक्तिगत चिकित्सक के लिए नहीं। प्रत्येक डीएमजी में मेडिसिन, सर्जरी, रेडियोथेरेपी, पैथोलॉजी, इमेजिंग, मनोविज्ञान, मनोचिकित्सा, पैलिएटिव केयर, फिजियो/व्यावसायिक थेरेपी, वैज्ञानिक, सामाजिक कार्यकर्ता आदि क्षेत्रों से सदस्य थे। भारत के सभी टीएमसी कैंसर केंद्रों में यह अवधारणा जारी रही। मौजूदा डीएमजी में शामिल हैं: 1. वयस्क हिमेटोलिम्फोइड; 2. अस्थि और मृदु ऊतक; 3. स्तन ऑन्कोलॉजी; 4. जठरांत्र; 5. स्त्री रोग; 6. सिर और गर्दन; 7. न्यूरो-ऑन्कोलॉजी; 8. बाल हेमेटोलिम्फोइड; 9. बाल सॉलिड ट्यूमर; 10. वक्षीय ऑन्कोलॉजी और, 11. यूरो-ऑन्कोलॉजी। इस प्रकार, इन डीएमजी में सभी कैंसर स्थान और प्रकार शामिल किए गए थे।

भारत भर में सभी टीएमसी कैंसर केंद्र इंटरनेट के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़े हुए थे और सभी विभागों के लिए साझा सॉफ्टवेयर थे जिसके परिणामस्वरूप रोगी के डेटा को टीएमसी के किसी एक केंद्र से किसी दूसरे या कई अन्य केंद्रों पर आसानी से देखा जा सकता था। अस्पतालों के सभी विभागों में स्मार्ट कार्ड और कम्प्यूटरीकरण की शुरुआत ने लगभग सभी लेनदेनों को नकदीरहित और कागजरहित बना दिया। इमेजिंग प्रक्रिया की इमेजों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से संग्रहीत किया गया था और सभी इमेजिंग विभाग फिल्मरहित थे। बढ़ी हुई बैंडविड्थ इंटरनेट के साथ कम्प्यूटरीकरण के परिणामस्वरूप भारत भर में टीएमसी की सभी कैंसर इकाइयां आपस में अच्छी तरह जुड़ गई हैं और इससे नियमित वीडियोकांफ्रेंसिंग, टेलीमेडिसिन, टेलीरेडियोलॉजी आदि आसान हो गई है, टेलीपैथोलॉजी के लिए भी प्रावधान किए गए; और यह सुविधा निकट भविष्य में शुरू की जाएगी।

सभी नए कैंसर रोगियों को अस्पताल में उनके पंजीकरण के दिन से ही परिचर्या और मूल्यांकन आरंभ किए गए। यह प्रारंभिक मूल्यांकन सर्जिकल, मेडिकल या विकिरण ऑन्कोलॉजी विभाग के एक वरिष्ठ संकाय द्वारा किया गया था। सभी रोगी मूल्यांकन के लिए प्रत्येक डीएमजी की सप्ताह में कम से कम एक बार बैठक होती है। इन डीएमजी बैठकों में से प्रत्येक में शामिल अतिव्यापी कदम थेः नैदानिक जानकारी का आदान-प्रदान; उपयुक्त जांच के सुझाव; निर्णय लेना; रोगी के लिए सर्वोत्तम उपचार विकल्प; और संबंधित डीएमजी द्वारा लिए गए निर्णयों के आधार पर रोगी को परामर्श देना।

विभिन्न विषयों के पेशेवरों ने एक साथ रोगी का मूल्यांकन किया और सर्वोत्तम नैदानिक जांच और/या उपचार का निर्णय लिया। ये सभी सुझाव वैज्ञानिक संस्थागत, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय साक्ष्य/दिशानिर्देशों पर आधारित थे। इस प्रकार, विभिन्न पेशेवरों के बीच सक्रिय रूप से चर्चा हुई जो आपस में एक-दूसरे के दृष्टिकोण पर निर्भर थे और उन्होंने रोगी को सर्वोत्तम प्रबंधन का सुझाव दिया।

कैंसर के प्रति इस डीएमजी या बहु-विषयक दृष्टिकोण ने निदान में देरी को समाप्त कर दिया और प्रारंभिक उचित चिकित्सा की शुरुआत सुनिश्चित की। सहायक सेवा सदस्यों की उपस्थिति के साथ, रोगियों की मनोवैज्ञानिक/पुनर्वास/सामाजिक/आर्थिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया गया। इस प्रकार रोगियों को उनके रोग मुक्त होने तक या मृत्यु तक गुणवत्तापूर्ण जीवन सहायता प्रदान की गई। इस तरीके से, कैंसर प्रबंधन कैंसर रोगी के लिए विशिष्ट रूप से स्थापित वैज्ञानिक मानकों के ढांचे के भीतर अधिक वैयक्तिकृत हो गया। इससे कैंसर के रोगियों की समग्र उत्तरजीविता और जीवन स्तर में भी सुधार हुआ।

प्रत्येक डीएमजी ने रोगी समूह की बैठकें भी आयोजित करवाईं जो कैंसर रोगियों और उनके देखभालकर्ताओं को समान कैंसर वाले अन्य रोगियों के साथ बातचीत करने, अपने कैंसर और उनके मानसिक, सामाजिक और शारीरिक चुनौतियों से निपटने के तरीकों और उनके अनुभवों को साझा करने का अवसर प्रदान करती हैं।

प्रशामक मेडिसिन विभाग ने ऐसे कैंसर के रोगियों के कष्टों को कम किया जिन्हें इनडोलेंट कैंसर था और जिन्हें असहनीय दर्द हो रहा था उन्हें मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शन प्रदान किया और रोगियों और उनके देखभाल करने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार के उपाय किए, इनमें वे रोगी भी शामिल थे जो अपने जीवन के अंतिम चरण में थे। विभाग ने उन मरीजों के आवासों का दौरा किया जो अस्पताल जाने में असमर्थ थे। वर्ष 2019 में घर पर देखभाल करने संबंधी 4000 से अधिक दौरे किए गए। दूरभाष पर भी परामर्श प्रदान किए गए।

निवारक ऑन्कोलॉजी विभाग ने पुरुषों और महिलाओं में सामान्य कैंसर हेतु बहुत मामूली दरों पर जांच की; विशेष रूप से पुरुषों में मुंह, फेफड़े, भोजन-नली और महिलाओं में मुंह, स्तन, गर्भाशय से संबंधित कैंसर। ये जांच शिविर नियमित रूप से झुग्गी-झोंपड़ी इलाकों, छोटी कॉलोनियों में और कुछ सार्वजनिक स्टाफ जैसे बेस्ट बस ड्राइवर, टैक्सी चालकों आदि के लिए आयोजित किए गए। जिन मामलों में कैंसर का जल्द पता चला वहां उनमें शीघ्र चिकित्सा शुरू की गई। विभाग द्वारा परामर्श भी प्रदान किया गया था, इनमें विशेष रूप से तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों, स्व स्तन परीक्षण और जननांग स्वच्छता के पर अधिक ध्यान दिया गया। इन निवारक क्लीनिकों में 9000 से अधिक लोग शामिल हुए।

चिकित्सा सामाजिक सेवा ने गरीब और जरूरतमंद कैंसर रोगियों को मार्गदर्शन, मुफ्त पौष्टिक भोजन, मुफ्त/रियायती आवास, धन आदि के माध्यम से सहायता प्रदान की। विभाग के माध्यम से 40, 000 से अधिक रोगियों को लाभ हुआ।

अस्पताल में दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों सहित सभी सेवाएं सभी रोगियों को उनके संबंधित शहरों में उपलब्ध लागत की तुलना में कम कीमत पर और उत्पाद के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से बहुत कम दर पर प्रदान की गईं।

रोगियों को उनके मिलने के समय, रिकॉल, अलर्ट, रिपोर्ट की उपलब्धता आदि से संबंधित महत्वपूर्ण रोगी संदेश उनके पंजीकृत मोबाइल नंबरों के माध्यम से संदेश के रूप में भेजे गए थे। मरीज घर से या अस्पतालों में रोगी कियोस्क के माध्यम से अस्पताल संबंधी अपने सभी आंकड़ों को ऑनलाइन देख सकते थे। जिन रोगियों की स्थिति चिंताजनक थी उनके जांच परिणामों को लाल फ्लैग से चिन्हित किया गया ताकि चिकित्सकों द्वारा शीघ्र उनकी प्रारंभिक उपचारात्मक कार्रवाई की जा सके।

भारत में प्रथम कार्यक्रम के रूप में, टीएमसी ने केवट कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसमें व्यक्तियों को अस्पताल में जहां रोगियों को विभिन्न विभागों और उनकी प्रक्रियाओं के साथ अनेकों बार सामना करना पड़ता है, उनके कठिन उपचार के माध्यम से रोगियों की मदद करने और मार्गदर्शन करने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

सक्रिय रोगी प्रबंधन के अलावा, संस्थान में टीएमसी-नव्या नामक एक दूसरी राय सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिसके तहत कैंसर रोगियों को उनके घरों पर ऑनलाइन विशेषज्ञ दूसरी राय उपलब्ध कराई गई।

TATA MEMORIAL CENTRE
SERVICE RESEARCH EDUCATION
TATA MEMORIAL CENTRE
GRADUATION CEREMONY
2019

निदेशक, शैक्षणिकी, टीएमसी का संदेश

टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी), परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत एक सहायता प्राप्त संस्थान है तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन एक मान्य विश्वविद्यालय होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई) के अंतर्गत एक एकल आधारित स्नातकोत्तर संस्थान है। टीएमसी सेवा, शिक्षा एवं अनुसंधान के 3 स्तंभों पर गौरवशाली रूप से विद्यमान है और मैं यहाँ शिक्षा के स्तंभ पर चर्चा करूँगा। पिछले 75 वर्षों से भी अधिक से टीएमसी, विभिन्न शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों के माध्यम से जानकारी प्रदान करते हुए संपूर्ण राष्ट्र के लिए कर्करोग विज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षित मानवबल तैयार करने में योगदान दे रहा है।

टीएमसी एमबीबीएस विद्यार्थियों को प्रशिक्षित नहीं करता, तथापि, हमारे यहाँ कर्करोग विज्ञान परिचर्या, नैदानिक शोध, रेडियो-भौतिकी इत्यादि में बी.एस.सी एवं एम.एस.सी. पाठ्यक्रम हैं। हम प्रौद्योगिकीय एवं दक्षता परिवृद्धि पाठ्यक्रम भी चलाते हैं। 2017 से हमने "केवट" नामक एक अद्वितीय, भारत में अपनी तरह का पहला, रोगी मार्गदर्शक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आरंभ किया है। हम 8 विषयों नामतः एनेस्थेसियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, नाभिकी औषधि, प्रशामक औषधि, पैथोलॉजी, रेडियो निदान, विकिरण चिकित्सा एवं रक्त आधान औषधि में एमडी पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं। हम 6 विषयों- क्रिटिकल केयर, गैस्ट्रोएन्टेरोलॉजी, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, मेडिकल ओंकोलॉजी, ओंको पैथोलॉजी एवं पेडिएट्रिक ओंकोलॉजी में डीएम पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं ; और 4 विषयों नामतः गाइनकोलॉजी ओंकोलॉजी, सर और गले की शल्य चिकित्सा, प्लास्टिक सर्जरी एवं सर्जिकल ओंकोलॉजी में एम.सीएच पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं। हम स्वास्थ्य विज्ञान एवं जीवन विज्ञान, दोनों में पी.एच.डी का पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं। कैंसर उपचार, शोध एवं शिक्षण प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक), खारघर, नवी मुंबई में 18 मुख्य अन्वेषक (पीआई) प्रयोगशालाएं हैं जो प्रत्येक वर्ष 25 नए पीएचडी विद्यार्थियों को प्रवेश देते हैं।

अधिकतर अध्यापन गतिविधियां एचबीएनआई विश्वविद्यालयों में आयोजित की जाती हैं और हमारे सभी चिकित्सीय पाठ्यक्रम एमसीआई मानकीकृत हैं। वर्ष 2019 में टीएमसी में लगभग 200 स्नातकोत्तर चिकित्सा विद्यार्थियों का पंजीकरण किया गया। हमारे यहाँ एमडी विद्यार्थियों के प्रशिक्षण हेतु सेठ जी.एस. मेडिकल कॉलेज एवं केईएम अस्पताल ; वाडिया बच्चों के अस्पताल; एवं लोकमान्यतिलक म्युनिसिपल मेडिकल कॉलेज एवं जनरल अस्पताल के साथ सहयोगपूर्ण आधार पर विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम विद्यमान है, और मैं इस अवसर का लाभ उठाते हुए इन मेडिकल कॉलेजों द्वारा की जा रही सहायता के लिए इनके डीन एवं संबंधित विभाग प्रमुखों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

टीएमसी विभिन्न एचबीएनआई फेलोशिप और साथ ही साथ टीएमएच फेलोशिप का संचालन करता है। आगामी वर्ष के लिए हमें पुलमोनरी ओंकोलॉजी, मालीक्यूलर हेमेटोपैथोलॉजी, मैक्सिलो-फेशियल आंको सर्जरी में 3 नई प्रमाणित एचबीएनआई फेलोशिप आरंभ करने; और साथ ही नाभिक औषधि और सूचना प्रौद्योगिकी में एम.एस.सी आरंभ

करने का अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। हमने "परिचारिका अभ्यासकर्ता" कार्यक्रम आरंभ करने के लिए नियामक प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किया है ताकि हमारे पास अपने रोगियों की देखभाल करने के लिए अधिक मानवबल हो और विद्यार्थियों को अधिक, विशेषत सम्बद्ध शाखाओं एवं शोध गतिविधियों में प्रशिक्षण हेतु मुक्त किया जा सके। हम कर्करोग विज्ञान के सभी क्षेत्रों में 6 माह का प्रशिक्षु / पर्यवेक्षक कार्यक्रम भी उपलब्ध कराते हैं। टीएमसी, डब्ल्यूएचओ, आईएईए, आईएनसीटीआर सहित कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों तथा विभिन्न अफ्रीकी एवं सार्क राष्ट्रों की सरकारों द्वारा कैंसर शिक्षा एवं अनुसंधान का मान्य प्रशिक्षण केंद्र है। वर्ष 2019 में, 35 विदेशी विशेषज्ञों ने टीएमसी का दौरा किया जिनकी अवधि 1 माह से 1 वर्ष की शृंखला में थी। इसके अतिरिक्त संपूर्ण भारत से दंत चिकित्सकों, डीएम/एम.सीएच/डीएनबी/फेलोशिप विद्यार्थियों सहित लगभग 473 विशेषज्ञों ने पर्यवेक्षक के रूप में टीएमसी का दौरा किया। हम न केवल भारत में बल्कि अन्य एलएमआईसी में भी कैंसर रोगियों की देखभाल एवं परिणामों को बेहतर बनाने में सहायक मानवबल तैयार करने के लिए पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ करने का अवसर तलाशतें हैं। हमें यह बताने में गर्व होता है कि भारत में कर्करोग के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों में से लगभग आधों ने अपने कैरियर में कभी न कभी टीएमएच से किसी न किसी प्रकार का प्रशिक्षण अवश्य लिया है।

पिछले 4 वर्षों से हम विद्यार्थियों को उनके प्रारंभिक वर्षों में ही आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। किंग्स कॉलेज लंदन एवं ट्रस्ट के सहयोग से टीएमसी, पूर्व स्नातकों एवं स्नातकोत्तर चिकित्सीय विद्यार्थियों हेतु 2 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम "समर स्कूल इन ओंकोलॉजी" का आयोजन करता है। देशभर के सरकारी चिकित्सीय महाविद्यालयों से चयनित लगभग 150 विद्यार्थियों की मेज़बानी टीएमसी द्वारा की जाती है और उन्हें कर्करोग विज्ञान के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया जाता है। इस कार्यक्रम के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के पश्चात, 5 श्रेष्ठतम प्रतिभागियों को किंग्स कॉलेज लंदन में एक माह की प्रशिक्षुता का अवसर दिया जाता है। हम आशा करते हैं कि यह कुछ मेधावी व्यक्तियों को कर्करोग विज्ञान के क्षेत्र में आकर्षित करेगा।

इस पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, टीएमसी और साथ ही साथ अकेले-अकेले विभाग एवं रोग प्रबंधन समूह वर्षभर विभिन्न सीएमई गतिविधियां आयोजित करते हैं जिसमें साक्ष्य आधारित औषधि पर हमारी वार्षिक बैठक भी शामिल है। ये सीएमई कर्करोग विज्ञान समुदाय में बहुत प्रसिद्ध है। टीएमएच में हम हमेशा मूल्याधारित शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करते हैं। पिछले वर्ष, चिकित्सीय मानविकी के क्षेत्र में कई विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किए गए। हम विद्यार्थियों में व्यवहार कुशलता के, विशेषतः प्रभावी संवाद के क्षेत्र में, विकास के लिए भी पाठ्यक्रम आयोजित करने की आशा करते हैं।

मैं इस अवसर का लाभ उठाते हुए सभी विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जो दिन-रात काम करते हैं और सचमुच इस अस्पताल की जीवन-रेखा हैं और जिनके सहयोग के बिना हम, टीएमएच में आने वाले; और वाराणासी, संगरूर, वाइजैग, मुल्लनपुर, गुवाहाटी इत्यादि में उभरते हुए संपर्क केंद्रों में पंजीकरण करने वाले लगभग 70,000 रोगियों की देखभाल न कर पाते। साथ ही इस अवसर पर मैं निदेशक, टीएमसी डॉ. आर ए बडवे और टीएमसी के संपूर्ण प्रशासन मंडल को उनके सतत सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ। उनके सहयोग से हमने अपने निवासियों की आवास व्यवस्था को सुधारा है और हमें उम्मीद है कि निकट भविष्य में इसमें और सुधार होगा। हमने हाल ही में अपने निवासी डॉक्टरों और शोधकर्ता विद्यार्थियों, दोनों के वेतनमानों में वृद्धि की है, जिसके वो सचमुच हकदार हैं। इस अवसर पर मैं एचबीएनआई के उपकुलपति और पूरी टीम द्वारा इन तमाम वर्षों के दौरान किए गए सहयोग के प्रति

आभार व्यक्त करना चाहूँगा। साथ ही मैं व्यक्तिगत रूप से डीन-शिक्षण (परियोजनाएं) डॉ. कैलाश शर्मा के सतत सहयोग और मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। मैं अपने उप निदेशक डॉ. सिद्धार्थ लसकर और शिक्षण अनुभाग के संपूर्ण स्टाफ की सहायता व सहयोग के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ।

अंत में, एक सलाह आप सभी युवा विद्यार्थियों को जो हाल ही में स्नातक हुए हैं : मैं आप सभी से अनुरोध करता हूँ कि इस अर्जित ज्ञान का प्रयोग सच्चे दिल से करें। कृपया अपने रोगियों को एक गरिमामय उपचार प्राप्त करने का अवसर प्रदान करें। कृपया उनकी या उनके सगे-संबंधियों की योग्यताओं से परे के उपचार का प्रस्ताव पेश कर, विशेषतः ऐसे उपचार जिनके फायदों पर सवाल उठें, उन्हें शर्मिंदा न करें। विज्ञान और मानवीय मूल्यों का मिश्रण बनाए रखें। जरा हट के सोचें और हमारे रोगियों की बेहतर देखभाल करने में हमारी सहायता करें।

मैं आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

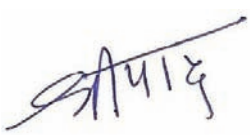

डॉ. एस डी बनवाली

शैक्षणिकी

प्रो. एस.डी. बनवाली, निदेशक (शैक्षणिक) प्रो. सिद्धार्थ लासकर, उप निदेशक (शैक्षणिक) और प्रो. सरबानी घोष लासकर (प्रभारी छात्र मामले) के साथ टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) में सभी शैक्षणिक गतिविधियों के प्रभारी थे। टाटा स्मारक केंद्र ऑन्कोलॉजी और अन्य व्यापक विशिष्टताओं में स्नातकोत्तर (पीजी) प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि), भारत सरकार के तहत एक मानित विश्वविद्यालय होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई) मुंबई से संबद्ध था और इन सभी पाठ्यक्रमों को मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई), नई दिल्ली या एचबीएनआई विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त थी।

टाटा स्मारक केंद्र की मुंबई स्थित इकाइयों में टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच), कैंसर उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा हेतु प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक) और सेंटर फॉर कैंसर एपिडेमियोलॉजी (सीसीई) शामिल हैं, जहां वर्तमान में शैक्षणिक गतिविधियां जारी हैं। इसके अतिरिक्त, असम के गुवाहाटी में डॉ. बी बरुआ कैंसर अस्पताल में भी इसी तरह की शैक्षणिक गतिविधियाँ जारी थीं।

इसके अलावा, टीएमसी अब संगरूर (पंजाब में होमी भाभा कैंसर अस्पताल), उत्तर प्रदेश में वाराणसी (होमी भाभा कैंसर अस्पताल और महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर सेंटर) और विशाखापत्तनम (होमी भाभा कैंसर अस्पताल और आंध्र प्रदेश में अनुसंधान केंद्र) में इसी तरह की शैक्षणिक गतिविधियां/पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया में था जहाँ मुम्बई के समान ही प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

टाटा स्मारक अस्पताल, मुंबई

एक्ट्रेक, नवी मुंबई

डॉ. भुबनेश्वर बरुआ कैंसर संस्थान (गुवाहाटी)

एचबीसीएच, वाराणसी

एचबीसीएच, संगरूर

एचबीसीएचआरसी, विशाखापात्तनम

टीएमसी ने अपनी सेवाओं और अनुसंधानों के माध्यम से उच्चतम मानक की रोगी देखभाल प्रदान करना जारी रखा, और विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से ज्ञान प्रदान करके क्षमताओं का निर्माण किया।

ब्रॉड स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी पाठ्यक्रम

मुंबई के परेल स्थित टाटा स्मारक केंद्र में निम्नलिखित ब्रॉड स्पेशिएलिटी और सुपर स्पेशलिटी पाठ्यक्रम संचालित किए गए। 2019 में लगभग 202 पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल छात्रों को विभिन्न विषयों में पीजी पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत किया गया था।

सुपरस्पेशिलिटी पाठ्यक्रम: मेडिकल ऑन्कोलॉजी, पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी, क्रिटिकल केयर मेडिसिन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, ऑन्कोपैथोलॉजी, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी में डीएम, और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, गायनाकोलॉजी, प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी और हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी में एम.सी.एच।

एमडी डिग्री पाठ्यक्रम: एनेस्थिसियोलॉजी, पैथोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, रेडियो-डायग्नोसिस, माइक्रोबायोलॉजी, इम्यूनो हेमेटोलॉजी और रक्त आधान, उपशामक चिकित्सा, नाभिकीय चिकित्सा में एमडी

अन्य पाठ्यक्रम एवं सहयोगात्मक विनिमय कार्यक्रम:

1. **पीएचडी और पैरामेडिकल पीजी कोर्स:** टीएमसी ने जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान में में पीएचडी पाठ्यक्रम था। इसने नर्सिंग, न्यूक्लियर मेडिसिन एंड मॉलिक्यूलर इमेजिंग टेक्नोलॉजी और क्लिनिकल रिसर्च में एम.एससी पाठ्यक्रम भी संचालित की।
2. **टाटा स्मारक केंद्र में छह माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम:** प्राथमिक उद्देश्य: ऑन्कोलॉजी और अन्य सहायक शाखाओं में प्रायोजन के आधार पर विभिन्न विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करना था। लगभग 20 ऑन्कोलॉजी प्रशिक्षुओं ने 06 माह (एक वर्ष में दो बार) के लिए टीएमसी में प्रशिक्षण लिया। छब्बीस (26) प्रौद्योगिकी छात्रों ने 06 माह (एक वर्ष में दो बार) के लिए टीएमसी में प्रशिक्षित किया।

3. संस्थान के सहयोगी छात्रों का सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज और केईएम अस्पताल, वाडिया अस्पताल फॉर चिल्ड्रन और लोकमान्य तिलक म्यूनिसिपल जनरल अस्पताल मुंबई में विनिमय कार्यक्रम है।

4. वर्ष 2019 में पूरे भारत से दंत शल्य चिकित्सकों सहित लगभग 505 विशेषज्ञों ने पर्यवेक्षकों के रूप में टाटा स्मारक केंद्र का दौरा किया।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का प्रशिक्षण

टाटा स्मारक केंद्र कैंसर शिक्षा और अनुसंधान में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) और इंटरनेशनल नेटवर्क फ़ॉर कैंसर ट्रीटमेंट (आईएनसीटीआर) सहित कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा एक मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्र था। अस्पताल पीजी पाठ्यक्रमों जैसे विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा प्रदान करता है, और अल्पकालिक पर्यवेक्षण और विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करता है।

टाटा स्मारक केंद्र में विदेशी प्रशिक्षु और पर्यवेक्षक

वर्ष 2019 में, 35 विदेशी विशेषज्ञों ने 01 से 06 महीने की अवधि के लिए पर्यवेक्षक के रूप में टाटा स्मारक केंद्र का दौरा किया।

बांग्लादेश	स्पेन	यूएसए
कोरिया	कनाडा	हॉंगकॉंग
नेपाल	म्यानमार	दुबई
जर्मनी	ओमान	न्यूजीलैंड
मॉरिशस	यूके	यमन

टाटा स्मारक केंद्र ने भारत-अफ्रीकी फोरम शिखर सम्मेलन घ्घ्घ के तहत ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में अफ्रीकी, उप-सहारा देश के चिकित्सकों, नर्सों के प्रशिक्षण हेतु 01 महीने से 06 महीने तक की अवधि के लिए प्रशिक्षण आरंभ किया। टीएमसी में यह कार्यक्रम आगामी 03 वर्षों तक और जारी रहेगा। इसमें हर साल चार से पांच चिकित्सक प्रवेश लेते हैं।

मेडिकल छात्रों का प्रशिक्षण

टाटा स्मारक केंद्र ने किंग्स कॉलेज, लंदन के सहयोग से, अव स्नातक और परा स्नातक मेडिकल छात्रों के लिए दो सप्ताह का ”ऑन्कोलॉजी में एक ग्रीष्मकालीन स्कूलह्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। पूरे भारत से सरकारी मेडिकल कॉलेजों से चुने गए एक सौ अड़तालीस (148) छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद 07 प्रतिभागियों को किंग्स कॉलेज, लंदन में दो सप्ताह की प्रशिक्षुता हेतु उन्हें बिना किसी लागत के एक अवसर दिया गया था।

डिग्री पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	द्वारा अनुमोदित	कितने छात्रों ने प्रवेश लिया	द्वारा मान्यता प्राप्त	उत्तीर्ण
एम. सीएच. (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी)	3 वर्षीय सुपर स्पेश्यलिटी पाठ्यक्रम (एमडी के बाद)	मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) द्वारा अनुमोदित	24	होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान	17
एम. सीएच. (गायनेकॉलॉजिकल ऑन्कोलॉजी)			02		02
एम. सीएच.(प्लास्टिक सर्जरी)			04		02
एम. सीएच. (हेड अँड नेक ऑन्कोलॉजी)			04		04
डी.एम.(मेडिकल ऑन्कोलॉजी)			16		14
डी.एम.(क्रिटिकल केयर)			02		02
डी.एम.(पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी)			03		02
डी.एम (गैस्ट्रोएंटिरोलॉजी)			02		02
डी.एम (इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी)			02		00
डी.एम (ऑन्को-पैथेलॉजी)			03		00
एम.डी. (पैथोलॉजी)	3 वर्षीय ब्रॉड स्पेश्यलिटी पाठ्यक्रम (एमडी) होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई) अनुमोदित		12		11
एम.डी.(एनेस्थीसिया)			20		20
एम.डी.(रेडियोडायग्नोसिस)			17		10
एम.डी.(रेडियोथेरेपी)			16		14
एम.डी.(माइक्रोबायोलॉजी)			00		01
एम.डी.(इम्युनो हेमाटोलॉजी अँड ब्लड ट्रांस्फ्यूजन)			03		05
एम.डी.(न्यूक्लियर मेडिसिन)			06		04
एम.डी.(पैलिएटिव मेडिसिन)			03		02
एडवांस्ड डिप्लोमा इन रेडियोथैरेपी टेक्नोलॉजी-(एडीआरटी)	2-वर्ष और एक वर्ष इंटर्नशिप	महाराष्ट्र राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड, तकनीकी शिक्षा निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार	13	महाराष्ट्र राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड, महाराष्ट्र सरकार	07
एडवांस्ड डिप्लोमा इन मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी (एडीएमआईटी)			20		16
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फ्यूजन इमेजिंग टेक्नोलॉजी	1-वर्ष और एक वर्ष इंटर्नशिप	एचबीएनआई विश्वविद्यालय अनुमोदित	10	होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान	10
एम.एससी. क्लीनिकल रिसर्च	2-वर्ष और एक वर्ष इंटर्नशिप		10		09
एम.एससी. नर्सिंग	2-वर्ष पाठ्यक्रम		05		02
एम.एससी. न्यूक्लियर मेडिसिन अँड इमेजिंग टेक्नीक्स	2-वर्ष और एक वर्ष इंटर्नशिप		05		00
पी.एचडी.(हेल्थ साइंस)	5 वर्ष		00		07
कुल			**202**		**163**

चिकित्साचार समितियां

जब 1933 में इस संस्था की संकल्पना की गई और 1941 में इसे सार्वजनिक रूप से खोला गया था तभी से अनुसंधान सदैव इस संस्था का एक अधिदेश रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध और भारतीय स्वतंत्रता ने अनुसंधान के लिए लागू होने वाली वैज्ञानिक पद्धति में बाधा उत्पन्न की। 1962 में इस संस्थान को अंततः टाटा से लेकर परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार को सौंपे जाने से ये बाधाएं और बढ़ गईं। भारत में इस विशाल और सबसे बड़े कैंसर अस्पताल में सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से सुदृढ़ होने और 1980 में बॉम्बे विश्वविद्यालय के अंतर्गत एक शिक्षण संस्थान बनने में समय लगा। विकिरण चिकित्सा और कीमोथेरेपी, गहन देखभाल इकाई, शिक्षा, और भविष्य के राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड की नींव रखे जाने सहित सेवा सुविधाओं को व्यवस्थित करने के साथ, प्रबंधन ने अनुसंधान की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया जिससे भविष्य में इन अध्ययनों को प्रमाणित किया गया और जिसका अंतरराष्ट्रीय प्रभाव प्रदर्शित हुआ।

इसके लिए, अस्पताल चिकित्साचार समिति (बाद में, संस्थागत चिकित्साचार समितियां) का गठन वर्ष 1996 में टीएमसी के तत्कालीन निदेशक डॉ. के ए दिनशॉ द्वारा किया गया था। इस समिति ने रोगी देखभाल और अनुसंधान एवं शिक्षा के नैतिक पहलुओं का पर्यवेक्षण किया।

वर्ष 1997 में, अस्पताल वैज्ञानिक समीक्षा समिति (एचएसआरसी), जिसे बाद में चिकित्साचार समितियों में शामिल किया गया था, का गठन नैदानिक अनुसंधान में उच्चतम मानकों को निर्धारित करने, नैदानिक परीक्षणों के लिए संस्थागत नीतियों और दिशानिर्देशों को तैयार करने, डेटा और इसके विश्लेषण पर गुणवत्ता नियंत्रण संबंधी कदम उठाने और, संदर्भ के राष्ट्रीय मानक के रूप में अग्रणी होने के अधिदेश के साथ किया गया था। ।

इसी प्रकार एक्ट्रेक परियोजना को 1997 में पुनर्जीवित किया गया था ताकि बुनियादी और स्थानांतरणीय संबंधी अनुसंधान को भी शामिल किया जा सके। इसका मुख्य प्रेरक 2002 में कैंसर अनुसंधान संस्थान (सीआरआई) और 2005 में परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) द्वारा कैंसर अनुसंधान केंद्र (सीआरसी) की मंजूरी थी। टीएमएच और एक्ट्रेक में संवर्धित वैज्ञानिक अनुसंधान सुविधाओं ने अनुसंधान के लिए कई अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों की स्थापना की; विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), इंटरनेशनल एजेंसी फ़ॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी), यूनियन फ़ॉर कैंसर कंट्रोल (यूआईसीसी), अमेरिकन कैंसर सोसाइटी (एसीएस), कैंसर उपचार और अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क (आईएनटीसीआर) आदि। टीएमएच टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रसिद्ध एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर का एक सहायक संस्थान भी बन गया।

अस्पताल में अब नैदानिक अनुसंधान सचिवालय (सीआरएस) और परमाणु ऊर्जा नैदानिक परीक्षण केंद्र (पऊवि-सीटीसी), संस्थागत चिकित्साचारचार समिति (आईईसी-I & II), डेटा सुरक्षा और निगरानी इकाई (डीएसएमयू) और टीएमसी अनुसंधान प्रशासन परिषद (टीआरएसी) थे। तीसरा आईईसी एक्ट्रेक में था और चौथा, हाल ही में एमपीएमएमसीसी, वाराणसी में शुरू हुआ।

नैदानिक अनुसंधान सचिवालय और परमाणु ऊर्जा विभाग नैदानिक परीक्षण केंद्र

नैदानिक परीक्षण केंद्र

नैदानिक अनुसंधान सचिवालय (सीआरएस) ने परमाणु ऊर्जा विभाग नैदानिक परीक्षण केंद्र (पऊवि-सीटीसी) के साथ अपने आरंभ से ही टाटा स्मारक केंद्र में ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में अनुसंधान को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीआरएस के अधिदेश में नैदानिक अनुसंधान, अनुसंधानकर्ताओं और अनुसंधान कर्मचारियों की शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देना, नैदानिक परीक्षणों का वैज्ञानिक और नैतिक आचरण सुनिश्चित करना तथा देश भर में साक्ष्य आधारित चिकित्सा की प्रक्रिया का प्रचार करना शामिल था।

वर्ष 2019 में उपर्युक्त प्रत्येक क्षेत्र में निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गईं

1. नैदानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना –

क. अवसंरचनात्मक संरचना का विस्तार: -

i) सीआरएस में एक समर्पित सांख्यिकीविद प्रकोष्ठ बनाया गया जिसमें 2 सांख्यिकीविद और उनके सहयोग हेतु एकट्रेक और सीसीई के वरिष्ठ जैवसांख्यिकीविद थे।

ii) केंद्रीय फार्मेसी: हार्मोनाइजेशन-गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ढआईसीएच-जीसीपी)-ई6ल की अनुसूची वाई (अन्वेषक उत्पाद प्रबंधन) के अनुपालन में नियंत्रित पहुंच के साथ आवश्यक तापमान पर सभी परीक्षण संबंधी दवाओं के भंडारण हेतु। इसके अलावा, कड़े तापमान नियंत्रण के तहत परीक्षण दवाओं के भंडारण के लिए, तापमान विचलन हेतु स्वचालित अलार्म प्रणाली के साथ एक वॉक-इन कूलर स्थापित किया गया था।

iii) फाइलिंग भंडारण स्थान: आईसीएच-जीसीपी के अनुपालन में सभी नैदानिक परीक्षण रिकॉर्ड का भंडार करने के लिए दो फाइलिंग भंडारण स्थान उपलब्ध थे। दोनों समर्पित भंडारण स्थानों पर केवल अधिकृत परीक्षण कर्मियों की पहुंच संभव थी।

iv) निगरानी कक्ष: सीआरएस में अब दो समर्पित सुसज्जित परीक्षण निगरानी कक्ष थे। मुख्य भवन में स्थित सीआरएस मॉनिटरिंग रूम के अलावा, होमी भाभा ब्लॉक (एचबीबी) में विस्तारित सीआरएस क्षेत्र में निगरानी के लिए एक अतिरिक्त निगरानी कक्ष का प्रावधान था। इसने नैदानिक परीक्षण के प्रायोजकों और जांचकर्ताओं द्वारा निगरानी की योजना बनाए जाने के साथ-साथ निगरानी यात्राओं के संचालन को आसान बनाया।

v) रोगी ऑडियो वीडियो सहमतिकरण की सुविधा के लिए सीआरएस में एक समर्पित सहमति कक्ष स्थापित किया जा रहा था।

vi) इसके अलावा, सीआरएस हब, मुख्य भवन में राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड के लिए कर्मचारियों और अवसंरचनात्मक सहयोग हेतु स्थान प्रदान किया गया था।

ख. **नैदानिक परीक्षणों के लिए सांख्यिकीय समर्थन** -

सीआरएस के सांख्यिकीविदों ने परीक्षण, नमूना आकार गणना, यादृच्छिककरण सूची निर्माण और विश्लेषण के डिजाइन में नैदानिक अनुसंधानकर्ताओं को विशेषज्ञ सहायता प्रदान की। सीआरएस ने सभी जांचकर्ताओं के लिए सांख्यिकीय विश्लेषण सॉफ्टवेयर (एसपीएसएस संस्करण 20.0₹) भी प्रदान किया। 2019 में, निम्नलिखित क्षेत्रों में 125 नैदानिक परीक्षणों और परियोजनाओं के लिए सांख्यिकीय सहायता प्रदान की गई थी-

विश्लेषण -	234
यादृच्छिककरण सूची निर्माण -	19
यादृच्छिककरण सहायता -	03
नमूना आकार -	48
डिजाइन -	43

इसके अलावा, सीआरएस ने 30 परीक्षणों के लिए निरंतर आधार पर केंद्रीय यादृच्छिकरण की प्रक्रिया में सहयोग किया। स्व-गृहे सांख्यिकीविदों के अलावा, सीआरएस ने सांख्यिकीय प्रश्नों को शीघ्रता से हल करने और अनुसंधानकर्ताओं की जरूरतों को समय पर पूरा करने के लिए समन्वय का कार्य किया और स्थल पर एक्ट्रेक और सीसीई के वरिष्ठ जैवसांख्यिकीविदों की सेवाएं और परामर्श उपलब्ध कराए।

ग. **नैदानिक परीक्षणों के लिए वित्तीय सहायता** पऊवि-सीटीसी के माध्यम से कुल 14 इंट्रारम्युरल परीक्षणों (जारी और नए) को सहायता दी गई और वित्तीय अनुदान के रूप में कुल रु.9091463 / - प्रदान किए गए। **[अनुलग्नक 1]**

घ. **नैदानिक परीक्षण के लिए सूचित सहमति फॉर्म (स्थानीय/क्षेत्रीय भाषाओं) के लिए अनुवाद की सुविधा**-समर्पित अनुवादक ने लगातार बढ़ते अनुवाद कार्य में सहयोग किया। अनुवादक ने नैदानिक अनुसंधानकर्ताओं को मराठी और हिंदी दोनों भाषाओं में सूचित सहमति अनुवाद और विपरीत अनुवाद में विशेषज्ञ सहायता प्रदान की। कुल 76 नैदानिक परीक्षण सहमति प्रपत्रों का हिंदी और मराठी भाषा में अनुवाद किया गया।

ड. **पऊवि–सीटीसी द्वारा समर्थित नैदानिक अनुसंधान के परिणामों का प्रकाशन –** पऊवि-सीटीसी द्वारा समर्थित नैदानिक अनुसंधान के परिणाम के साथ कुल 12 प्रकाशन किए गए थे।

च. **नेटवर्क और डेटाबेस प्रशासक** - सीआरएस के पास एक समर्पित नेटवर्क प्रशासक था, जिसके पास नैदानिक परीक्षण अनुप्रयोगों में नई विशेषताओं के डिजाइन, विकास और परीक्षण के लिए उत्तरदायित्व था। इसमें शामिल हैं:

- C# विजुअल स्टूडियो 2017 का उपयोग करके सॉफ्टवेयर परियोजनाओं का डिजाइन और क्रियान्वयन।
- अंतिम उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं के आधार पर डेटाबेस प्रणाली का अभिकल्पन, निर्माण और क्रियान्वयन।
- डेटाबेस तालिकाओं का विकास और प्रक्रियाएँ बनाना।

- विकसित नए सॉफ्टवेयरों में शामिल हैं - फार्मेसी स्टॉक मैनेजमेंट सिस्टम (सीआरएस विभाग), प्रोलूटन स्टडी (ब्रैस्ट डीएमजी), कॉस्मेसिस स्टडी (ब्रैस्ट डीएमजी) और कॉन्फ्रेंस डेटा मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर।
- सीआरएस ने एक केंद्रीकृत नैदानिक परीक्षण डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली (सीआईएमएस) की स्थापना की प्रक्रिया भी शुरू की।

छ. सम्मेलनों और बैठकों के लिए सहायता

वर्ष 2018 के लिए कुल 16 सम्मेलनों और बैठकों हेतु सहायता प्रदान की गई थी। इसके अलावा, सीआरएस ने कई अन्य बैठकों और घटनाओं के लिए तार्किक और सलाहकार इनपुट प्रदान किए। एमएमसी सीएमई क्रेडिट पॉइंट एप्लिकेशन का लाभ उठाते समय आगे की सहायता प्रदान की गई।

ग्राफीय प्रस्तुतीकरण

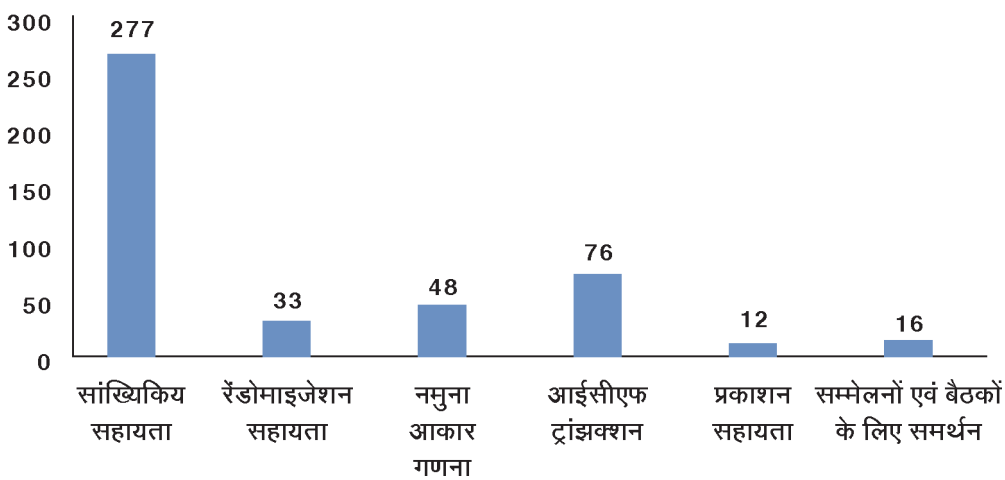

ज. मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी)

सीआरएस अन्वेषक द्वारा शुरू किए गए कई परीक्षणों के संचालन में शामिल था जिनमें, फार्मा प्रायोजित, सहयोगात्मक अध्ययन (अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय) तथा स्नातकोत्तर छात्रों के अनुसंधान पत्र सहित कई परीक्षण शामिल थे। टीएमसी में अनुसंधान करने के लिए एक विस्तृत एसओपी डिज़ाइन किया गया था। इस एसओपी को टीएमसी में नैदानिक अध्ययन/अनुसंधान के संचालन के लिए एक समान मानक, गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण हेतु डिज़ाइन किया गया था।

एसओपी के मुख्य तत्व थे; प्रोटोकॉल व्यवहार्यता का आकलन, प्रायोजकों या सीआरओ के साथ नैदानिक परीक्षण समझौता, आईईसी के साथ बातचीत, अध्ययन/अनुसंधान टीम के दायित्व, प्रायोजक या सीआरओ के साथ संचार, स्थल आरंभ, सक्रियता, आचरण और क्लोज आउट, सूचित सहमति प्रपत्र प्राप्त करना और समीक्षा करना, अध्ययन सब्जेक्टों की भर्ती, स्रोत प्रलेखन, जांच उत्पाद का प्रबंधन, आवश्यक दस्तावेजों का संग्रह, संरक्षा रिपोर्टिंग, नैदानिक अनुसंधान फार्मेसी प्रबंधन, जैविक नमूनों का प्रबंधन, प्रतिपूर्ति नीतियां, अध्ययन टीम प्रशिक्षण और अध्ययन को सौंपना, टीएमएच और एक्ट्रेक के बीच रोगियों का स्थानांतरण।

एसओपी को अनुसंधान के निष्पादन को संस्थागत दिशा-निर्देशों, अद्यतन लागू राष्ट्रीय दिशानिर्देशों और विनियमों (जैसे अनुसूची Y, भारतीय जीसीपी, आईसीएमआर दिशानिर्देश, आईसीएच जीसीपी) के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

टीएमसी की अनुसंधान टीम को एसओपी का प्रशिक्षण और शिक्षा दी गई। यह अनिवार्य था कि अनुसंधान करने से पहले प्रत्येक अनुसंधान कर्मचारी को टीएमसी एसओपी के बारे में ज्ञात होना चाहिए व इसमें प्रशिक्षित होना।

सीआरएस सांख्यिकीय सहयोग के लिए भी एसओपी विकसित कर रहा था। इससे इन सेवाओं को सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

2. अनुसंधानकर्ताओं का प्रशिक्षण और शिक्षा:

क. **नैदानिक अनुसंधान पद्धति कार्यशाला:** परीक्षण डिजाइन और विश्लेषण के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधानकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए 27 से 28 जुलाई 2019 को इसका आयोजन किया गया। सम्मेलन में कुल 245 प्रतिनिधियों (स्थानीय और राष्ट्रीय) ने भाग लिया।

ख. **एम.एससी. नैदानिक अनुसंधान**: एम.एससी नैदानिक अनुसंधान पाठ्यक्रम में सीआरएस सक्रिय रूप से शामिल था। वर्तमान में उनके पाठ्यक्रमों के पहले और दूसरे वर्ष में कुल 20 छात्र थे। और 09 छात्र सफलतापूर्वक एम.एससी पूरा करने के बाद विभिन्न रोग प्रबंधन समूहों में इंटर्नशिप प्रशिक्षण कर रहे थे।

हमने निम्नलिखित सहायता प्रदान की: –

- प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार का समन्वय करना
- व्याख्यानों और अध्ययन सामग्री का समन्वय करना
- व्याख्यानों का प्रबंधन, परीक्षाओं में निरीक्षण का प्रबंधन
- व्याख्यान आयोजित करने के लिए आमंत्रित संकायों को मानदेय भुगतान का प्रबंध करना
- लघु पुस्तकालय का प्रबंधन और अध्ययन पुस्तकों के लिए व्यवस्था करना
- व्यापक प्रशिक्षण के लिए विभिन्न बाहरी तैनातियों के माध्यम से अदला-बदली करना
- छुट्टी रिकॉर्ड और उपस्थिति की देख-रेख करना।

3. साक्ष्य आधारित प्रबंधन (EBM) बैठक 2019:

सीआरएस/पऊवि-सीटीसी का महत्वपूर्ण उद्देश्य विशेष रूप से कैंसर में साक्ष्य आधारित चिकित्सा प्रक्रिया का प्रचार और प्रसार करना था। इस संबंध में साक्ष्य आधारित प्रबंधन बैठकें करीब डेढ़ दशक पहले शुरू हुई थी।

बैठक के पीछे दर्शन भारत में ऑन्कोलॉजी प्रक्रिया से संबंधित विशिष्ट प्रश्नों की पहचान करना और उनका जवाब देना था। राष्ट्रीय संकायों और अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्यों को हर साल आमंत्रित किया गया था जो

ऑन्कोलॉजी के अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ थे। आम तौर पर 2-4 दिनों के लिए किए जाने वाले विचार-विमर्श में भारतीय परिदृश्य के संदर्भ में एक विशेष विषय पर वार्ता शामिल की जाती थी।

XVII वीं वार्षिक ईबीएम 3 मॉड्यूलों पर केंद्रित था अर्थात a) हेपाटो-पैनक्रिएटो-बाइलियरी मैलिग्नेंसीज, b) हेमाटो-ऑन्कोलॉजी में क्लिनिकल जीनोमिक्स, c) कैंसर से संबंधित थ्रोम्बोसिस जिन्हें 1 से 3 मार्च 2019 तक एक साथ आयोजित किया गया था। यह बैठक काफी सफल सिद्ध हुई जिसमें प्रतिनिधियों के रूप में 761 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के दौरान तीन (03) ईबीएम पुस्तकें प्रकाशित हुईं जो टीएमसी वेबसाइट पर सभी के लिए आसानी से उपलब्ध थीं। दो सम्मेलनपूर्व कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं, 27 फरवरी 2019 को "अग्नाशय और यकृत कैंसर के लिए कंटूरिंग और प्लानिंग एसबीआरटी" विषय पर तथा 26 से 28 फरवरी 2019 तक "आणविक पैथोलॉजिस्ट हेतु बायोइनफॉरमैटिक्स पर कार्यशाला" ।

प्रो. हेलमुट फ्रायस, चेयरमैन, सर्जरी विभाग, म्यूनिख, जर्मनी द्वारा 2 मार्च 2019 को अस्पताल दिवस व्याख्यान दिया गया था, जिसका विषय था: 21 वीं शताब्दी में अग्नाशय के कैंसर का इलाज ।

इस वर्ष तीन पुस्तकें इस प्रकार प्रकाशित हुईं:

1. भारत में कैंसर के साक्ष्य आधारित प्रबंधन: हेमाटो ऑन्कोलॉजी में नैदानिक जीनोमिक्स (भाग ए)
2. भारत में कैंसर के साक्ष्य आधारित प्रबंधन: हेपाटो पैनक्रिएटो बाइलियरी मैलिग्नेंसीज के लिए दिशानिर्देश (भाग बी)
3. भारत में कैंसर के साक्ष्य आधारित प्रबंधन: कैंसर से जुड़े थ्रोम्बोसिस के लिए दिशानिर्देश (भाग सी)

टीएमसी अनुसंधान प्रशासनिक परिषद (टीआरएसी)

टीआरएसी का गठन वर्ष 2008 में किया गया था। टीआरएसी के पास एक व्यापक अधिदेश था जिसे टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) में मूलभूत, स्थानांतरणीय और नैदानिक अनुसंधान के सभी पहलुओं को बनाए रखा गया और इनमें सुधार किया गया।

मानव संसाधन सुरक्षा कार्यक्रम (एचआरपीपी) संगठन चार्ट

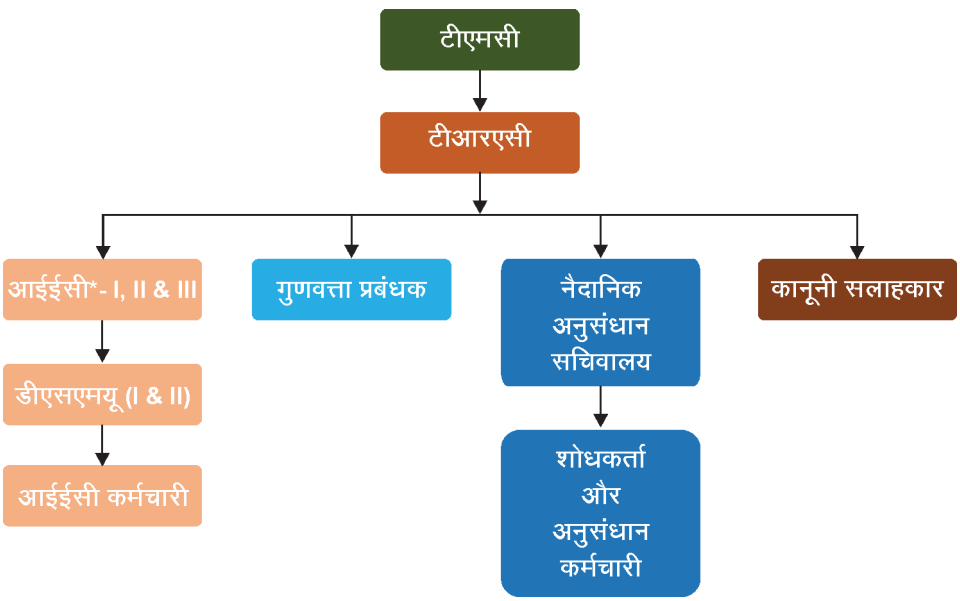

** आईईसी = संस्थागत चिकित्साचार समिति; डीएसएमयू = डेटा सुरक्षा निगरानी इकाई*

निम्नलिखित क्षेत्रों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया था:

- स्थापित मानव अनुसंधान सुरक्षा कार्यक्रम और उसका क्रियान्वयन
- संस्थान के अधिदेश के अनुसार अनुसंधान के लिए दिशा, प्राथमिकताएँ और मुख्य क्षेत्रों का निर्धारण करना
- टीएमसी एवं अन्य भारतीय या अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों, समूहों, व्यक्तियों या उद्योग के बीच सहयोग हेतु प्रस्ताव का सुझाव देना और समीक्षा करना। जब आवश्यक हो, इस सहयोग के लिए टीएमसी के भीतर संभावित मुख्य और सह-अन्वेषकों के नाम सुझाना।
- प्रायोजित अनुसंधान के लिए पूर्व प्रस्तावों की समीक्षा करना और टीएमसी के भीतर संभावित मुख्य और सह-अन्वेषकों के नाम सुझाना।
- टीएमसी में अन्वेषकों द्वारा आरंभ की गई तथा प्रायोजित अनुसंधान हेतु अस्पताल सेवाओं, प्रयोगशाला और प्रशासनिक कार्यों के लिए किए गए व्यय और आय की समीक्षा करना।

नीतिगत निर्णय:

- नव नैदानिक परीक्षण (सीटी) नियमावली, 2019 के अनुसार संस्थागत चिकित्साचार समितियों का पुनर्गठन करना।
- अनुसंधान परियोजनाओं को तीन आईईसी के बीच वितरित करना।

गतिविधियां:

- महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमएमसी), वाराणसी-टीएमसी का एक सेटेलाइट केंद्र में संस्थागत चिकित्साचार समिति के गठन में सहयोग, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करना। यह आईईसी दिसंबर 2019 से कार्यरत थी।
- अस्पताल और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं हेतु राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) द्वारा निरीक्षण 28-29 मार्च, 2019 को आयोजित किया गया, जिसने अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं (एनएबीएच) हेतु राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड की अपेक्षाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया।
- कैंसर शिक्षा, उपचार एवं अनुसंधान हेतु प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक) - विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)/ चिकित्साचार समीक्षा में क्षमता निर्माण हेतु रणनीतिक पहल द्वारा संस्थागत चिकित्साचार समिति को मान्यता।
- टेरी फॉक्स अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान के लिए अनुदान आवेदनों पर कार्रवाई करना।
- गुणवत्ता सुधार योजना - नियमित अंतराल पर आईईसी-I, II, III और अनुसंधान परियोजनाओं के कामकाज की ऑडिट करना।
- वर्ष 2019 में 55 अनुसंधान परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- गैर कार्यात्मक अनुसंधान खातों के लिए प्रश्नों पर लेखा विभाग को सहायता प्रदान की गई।
- फाईज़र के साथ मिलकर टीएमसी प्रशासनिक परिषद (टीआरएसी) ने अन्वेषकों के लिए प्रशासनिक अन्वेषक की जिम्मेदारियों और अच्छी नैदानिक प्रक्रियाएं (जीसीपी) पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया।

प्रकाशन:

- संस्थागत अनुदान के माध्यम से समर्थित अनुसंधान अध्ययन की पीअर समीक्षा पत्रिकाओं में लगभग 50 प्रस्तुतियाँ/प्रकाशन।

भविष्य के लक्ष्य:

- अनुसंधान परियोजना जीवन चक्र हेतु संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आईआरबी) पोर्टल का चरण - II
- अनुसंधान परियोजनाओं के लिए गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम
- संस्थागत निधियों द्वारा समर्थित अनुसंधान अध्ययनों की निगरानी
- अनुसंधानकर्ताओं और कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन शिक्षा मॉडल विकसित करना
- वैज्ञानिक और चिकित्साचार समीक्षा प्रक्रिया के लिए क्षमता निर्माण।

3

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार का एक अभिक्रम है जो संपूर्ण भारत में कैंसर की देखभाल के एकरूपी मानक तैयार करने के बृहद उद्देश्य से 2012 मे सृजित किया गया था। सात साल बाद, यह 193 कैंसर केंद्रों, शोध संस्थानों, रोगी पक्षपोषण समूहों, परोपकारी संगठनों एवं व्यावसायिक निकायों के एक बड़े नेटवर्क के रूप में उभर चुका है। एनसीजी के सदस्य संगठनों के बीच यह नेटवर्क वर्ष भर में 700,000 से अधिक नए रोगियों का उपचार करता है जो संपूर्ण भारत में कैंसर मरीजों की संख्या का 60% है। भारत में कैंसर की देखभाल करने वाले सभी साझेदारों को शामिल करते हुए यह कैंसर के विरुद्ध एक मजबूत, एकजुट और पुरजोर आवाज है।

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड का मिशन कथन निम्नवत है :

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड का मिशन है कि यथोचित प्रशिक्षित मानव संसाधन का सृजन करते हुए और सहयोगपूर्ण मूलभूत, रूपांतरणीय एवं नैदानिक कैंसर अनुसंधान को सुविधाजनक बनाते हुए कैंसर की रोकथाम, निदान एवं उपचार हेतु रोगियों की देखभाल के एकरूपी मानक स्थापित करने के अधिदेश के साथ संपूर्ण भारत के कैंसर केंद्रों का एक नेटवर्क तैयार करना।

परमाणु ऊर्जा विभाग के माध्यम से भारत सरकार द्वारा मुख्य रूप से निधिबद्ध किए जाने वाले एनसीजी ने विश्व का दीर्घतम कैंसर नेटवर्क स्थापित कर भारत में कैंसर की देखभाल को क्रांतिकारिक रूप से परिवर्तित किया है।

देखभाल के एकरूपी मानक–एनसीजी सर्वसम्मत दिशानिर्देश

रोगी देखभाल के एकरूपी मानकों को, उपचार के लिए साक्ष्य आधारित दिशानिर्देश अपनाते हुए देशभर के मरीजों को उनके द्वार पर ही एकरूपी कैंसर देखभाल के कार्यान्वयन को सर्वसम्मति मिलना संभावित है। आम कैंसरों के प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड के दिशानिर्देश सभी प्रतिभागी केंद्रों द्वारा पृष्ठांकित किए गए हैं, और जैसे ही नया साक्ष्य उत्पन्न किया जाता है तो इन्हें आवधिक रूप से संशोधित किया जाता है। इन सर्वसम्मत दिशानिर्देशों के अनुपालन को संघटक केंद्रों की संस्थागत पीयर (समकक्षता) समीक्षा आयोजित कर मूल्यांकित भी किया जा रहा है। वर्तमान में एक स्वैच्छिक अभिक्रम के रूप में अन्य एनसीजी केंद्रों से विशेषज्ञों को शामिल कर बनाया गया दल, अपनी शक्तियों एवं कमजोरियों और साथ ही सुधार के अवसर की पहचान हेतु महीनों आंकड़ों एवं कार्यनिष्पादन मेट्रिक्स के आदान-प्रदान के पश्चात स्थल के दौरे आयोजित करता है, जैसे पीयर रिव्यू (समकक्ष समीक्षा) के रूप में केंद्रों के साथ साझा किया जाता है।

वैश्विक स्वास्थ्य हेतु एनसीजी केंद्र– "विश्वम" 3 सी

निम्न एवं मध्यम आय वाले देश अपनी स्वास्थ्य सुरक्षा प्रणालियों में कैंसर नियंत्रण की बिल्कुल समान समस्याओं का सामना करते हैं। बहुत से देशों में वस्तुतः समान चुनौतियां है और इन चुनौतियों में अनुचित सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय, सामाजिक आर्थिक असमानताएं, आम जनता में जानकारी का अभाव, बाद के चरणों में प्रस्तुत करना, मूलभूत कैंसर देखभाल स्थापनाओं तक में सुगमता की गयी, अनुचित आधारभूत संरचना और स्वास्थ्य सुरक्षा नियमों व मानकों की लगभग गैर-मौजूदगी शामिल है। कई एलएमआईसी से यह अनुरोध प्राप्त हुआ है कि राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड के अनुभवों से उत्तम कार्यप्रणालियों और इसके कुछ संसाधनों से हुए लाभ को भी साझा किया जाए। वैश्विक स्वास्थ्य हेतु एनसीजी केंद्र, विश्वभर के कई देशों के साथ, उनके क्षेत्रों में कैंसर के बोझ को कम करने के लिए, साझेदारी करेगा। कैंसर संबंधी बोझ और चिंताओं के समाधान के लिए, विशेषकर तृतीय विश्व के देशों में बसी अल्पाधिकारी प्राप्त आबादी हेतु तथा बृहद रूप में संपूर्ण मानव जाति हेतु, पहले चरण के रूप में एनसीजी "विश्वम" लॉन्च किया गया।

श्री के एन व्यास, सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग (प.ऊ.वि.) एवं अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग (प.ऊ.आ.) ने डॉ. राजेंद्र बडवे, निदेशक, टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के 63वें आम सम्मेलन के उप आयोजन के रूप में दिनांक 17 सितंबर, 2019 को विएना में एनसीजी विश्वम कैंसर केयर कनेक्ट को लॉन्च किया। इस प्रकार एनसीजी, भारक को कैंसर के खिलाफ समान जंग में विदेशी राष्ट्रों के कैंसर केंद्रों और अन्य संबंधित संस्थानों की प्रतिभागिता के लिए खोला गया। डॉ. बडवे ने एनसीजी विश्वम में विदेशी अस्पतालों की सक्रिय भागीदारी से उन अस्पतालों को मिलने वाले लाभों का ब्यौरा दिया। प्रतिभागी राष्ट्रों को एनसीजी कनेक्ट के माध्यम से विभिन्न तरीकों से लाभ होगा, जैसे, एनसीजी आभासी ट्यूमर बोर्ड, कैंसरों के प्रबंधन के लिए एनसीजी दिशानिर्देश ; रोगियों/भौतिकविदों के लिए दोहरी राय सेवा; बृहद मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी), इत्यादि।

सुश्री मेय एब्डेल-वहाब, आईएईए के नाभिकीय विज्ञान एवं अनुप्रयोग (एनएएचयू) विभाग के अंतर्गत मानव स्वास्थ्य प्रभाग की निदेशक ने इसे कैंसर देखभाल में मौजूद खाई को पाटने में सहायक एक व्यापक पैकेज कहा, और इस अभिक्रम में आईएईए के सहयोग को रेखांकित किया। लॉन्च के तुरंत बाद ग्यारह राष्ट्रों ने इसमें रुचि दिखाई। विदेशी राष्ट्रों हेतु एनसीजी के अर्पण पर श्रीलंका व बांगलादेश ने वीडियो संदेश के माध्यम से सराहना संप्रेषित की। रूस, कजाखस्तान, विएतनाम, नेपाल, संयुक्त अरम अमिरात, अफगानिस्तान, जमाइका, बांगलादेश, म्यान्मार एवं जांबिया से कई अस्पतालों ने एनसीजी-विश्वम का हिस्सा होने पर सहमति जताई।

बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस)

सर्जिकल पैथोलॉजी में गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम जारी हैं और विकिरण कर्करोग विज्ञान में नियोजित हैं। सर्जिकल पैथोलॉजी (एच एवं ई तथा इम्यूनोहिस्टोकेमेस्ट्री) में, अमरीकी विकृतिविज्ञानी कॉलेज (सीएपी) कार्यक्रम के सामान,

बाह्य गुणवत्ता आश्वासन सेवा (ईक्यूएएस) के रूप में एक वेब आधारित प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है। यह सेवा सदस्य संस्थानों को मुफ्त उपलब्ध कराई जाती है और प्रतिभागी केंद्रों को निर्बाध अनुभव उपलब्ध कराने के लिए इसे सरलीकृत किया गया है। कार्यनिष्पादन में सुधार के लिए अंकों एवं सुझावों सहित नियमित प्रतिक्रिया को सदस्य संगठनों के साथ गोपनीय रूप से साझा किया जाता है। इस कार्यक्रम की सफलता ने अन्य नैदानिक प्रयोगशालाओं एवं विकिरण कर्करोग विज्ञान हेतु समान गुणवत्ता आश्वासन परियोजना योजनाओं को प्रोत्साहित किया।

रोगी देखभाल हेतु उत्तोलन प्रौद्योगिकी

आधुनिक कैंसर उपचार की जटिलता बहुत बढ़ गई है और यह इस बात की अनिवार्यता दर्शाती है कि उपचार संबंधी निर्णयों में बहुविषयक दल शामिल हों। एनसीजी के तीन अभिक्रम यह सुनिश्चत करते हैं कि उपचार की गुणवत्ता के निर्णयों में मौजूद अंतराल को कम किया जा सके।

रोगियों के लिए दोहरी राय सेवा "नव्या"

पहला अभिक्रम, टीएमसी-एनसीजी-नव्या समाधान संपूर्ण भारत और विश्वभर के अन्य देशों के मरीजों के लिए दोहरी राय सेवा है। मरीज अपनी जाँच रिपोर्ट, रेडियोलॉजी और पैथोलॉजी की तस्वीरों की प्रति अपलोड कर सकते हैं जिसे प्रशिक्षित व्यक्तियों के समूह द्वारा जाँचा जाएगा, जो इसे रोगियों की प्राथथ्मकताओं और मतों के आधार पर संरजित प्रारूप में परिवर्तित करेंगे। इस संरचित आंकड़ों को, उन्नत मशीन शिक्षण प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर साक्ष्य एवं अनुभव आधारित उपचार विकल्पों सहित संपूर्ण एनसीजी के विशेषज्ञों के साथ मोबाइल एप्प के माध्यम से साझा किया जाता है। एनसीजी के विशेषज्ञ अपना विशेष मत देते हैं और इस मत को समझे जा सकने वाली भाषा में अनुलिखित कर रोगियों को बताया जाता है।

एनसीजी आभासी ट्यूमर बोर्ड

दूसरा अभिक्रम, एनसीजी आभासी ट्यूमर बोर्ड (वीटीबी), उपचार निर्णयों पर कार्य करने के लिए बहुविषयक दलों को लगाने के पुख्ता लाभों के नियंत्रक पर कार्य करता है। कैंसर में जटिल नैदानिक स्थितियों को वेब आधारित प्लेटफार्म का प्रयोग कर कैंसर देखभाल में विशेषज्ञता और अनुभव वाले समकक्षों को प्रस्तुत किया जा सकता है, चाहे वो जहाँ भी हों, पूरे देश के कैंसर केंद्रों से 150 विशेषज्ञों तक, पूर्व-निर्धारित समय पर लॉग-ऑन कर मरीजों के इष्टतम उपचार पर चर्चा करते हैं। वैयक्तिक रोगियों हेतु उपचार निर्णयों में सहायता करने के अतिरिक्त यह प्रक्रिया बहुविषयक उपचार का निर्णय लेने की महत्ता को सुदृढ़ करती है और प्रतिभागियों को बड़ी संख्या में कर्करोग चिकित्सकों के सामूहिक अनुभव एवं विशेषज्ञता से सीखने का बेहतरीन अवसर प्रदान करती है।

उपकरणों, दवाओं एवं उपभोज्यों की लागत अन्वेषण प्रकोष्ठ/सामूहिक मोल–भाव

वैयक्तिक कैंसर केंद्रों के परिमाण का समुपयोजन करते हुए उपकरणों, दवाओं और उपभोज्यों के सामूहिक मोल-भाव आयोजित करने का प्रयास किया जा रहा है। लघु एवं मध्यम वर्गीय कैंसर केंद्र उपकरण विनिर्माताओं एवं औषध उद्योग के साथ प्रतिस्पर्धी कीमतों का मोल-भाव करने में कठिनाई महसूस करते हैं। इनकी माँग को सकल कर ग्ग्उ एक ऐसे समाधान पर कार्य कर रहा है जिसमें आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाली उच्चतर कीमत की मदों की "लागत अन्वेषण" का उद्योग के साथ मोल भाव किया जाता है और फिर इन लाभों को सदस्य केंद्रों और आगे मरीजों तक पहुँचाया जाता है। निविदाकरण हेतु पारदर्शी नीतियों और एक वेब सक्षम ई-निविदाकरण प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हुए यह अभिक्रम कैंसर देखभाल की वर्तमान लागत को काफी हद तक कम करेगा।

चिकित्सा शिक्षा की अनवरतता– एनजीसी राष्ट्रीय कैंसर पुस्तकालय

एनसीजी, विशिष्ट विशेषता और दक्षता के आदान-प्रदान का एक मंच है और इससे, अधिक एवं कम अनुभव वाले केंद्रों के बीच परिणामों के अंतर को कम करने की आशा है। यह केंद्रों के बीच विशिष्ट दक्षता के संरक्षण व प्रबंधन को सुविधाजनक बनाता है, आवश्यक विशेषज्ञता सहित संस्थानों की जरूरतों को पूरा करता है। इसके अतिरिक्त एनसीजी ने मुख्य कैंसर जर्नलों एवं पुस्तकों तक सभी सदस्य केंद्रों की मुफ्त एवं निर्बाध सुगमता को सुविधाजनक बनाया है और इस प्रकार इन केंद्रों के विशेषज्ञों को कैंसर में नवीनतम उन्नतियों एवं शोधों की अद्यतन जानकारी हासिल करने में सक्षम बनाया है। सभी एनसीजी सदस्यों को कैंसर की सैंकड़ों जर्नलों एवं पुस्तकों की ई-सुगमता उपलब्ध कराई गई है और इस प्रकार एक संसाधन उपलब्ध कराया गया है जो छोटे केंद्रों के लिए अन्यथा पहुँच से बाहर होता। एनसीजी आभासी पुस्तकालय द्वारा नियमित रूप से अंतर-पुस्तकालय ऋण एवं विशिष्ट पाण्डुलिपि के अनुरोधों का भी प्रबंधन किया जाता है।

अद्वितीय शैक्षणिक अभिक्रम–"विकृती विज्ञान एवं कर्करोग विज्ञान परिचर्या के चलायमान शिक्षालय"

देश के विशिष्ट क्षेत्रों जैसे उत्तर-पूर्व भारत द्वारा बड़े शहरों में आकर चल रहे चिकित्सकीय शिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने में कठिनाई को पहचानते हुए, एनसीजी नियमित रूप से "विकृतिविज्ञान के चलायमान शिक्षालय" आयोजित करता है; एक नया अभिक्रम जो सर्जिकल पैथोलॉजी में प्रशिक्षण को इन क्षेत्रों के द्वार तक ले जाता है। अनुभवी एनसीपी केंद्रों से विशेषज्ञ विकृतिविज्ञानी एवं शल्यचिकित्सकों का दल उत्तर-पूर्व भारत के कई शहरों में यात्रा कर स्थानीय संकाय के साथ कार्यशालाओं की शृंखला आयोजित करता है और कैंसर शल्यचिकित्सा और रोगनिदान रिपोर्टिंग की उत्तम कार्यप्रणालियों में सैंकड़ों विकृतिविज्ञानियों एवं शल्य चिकित्सकों को प्रशिक्षित करते हैं। इन कार्यशालाओं से मिली सीख को सुदृढ़ करने के लिए अनुवर्ती कार्यशालाएं एवं संपर्क बैठकें आयोजित की जाती हैं। सर्जिकल पैथोलॉजी में कार्यशालाओं की सफलता के आधार पर कर्करोगविज्ञान परिचर्या में समान कार्यशालाओं का

आयोजन किया गया। सर्जिकल पैथोलॉजी के चलायमान शिक्षालय को कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और पंजाब सहित देश के अन्य भागों में दोहराया जा रहा है ।

कैंसर शोध उपायों में परीक्षण–कर्क रोग विज्ञान में शोध उपायों की परिवृद्धि पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग (क्रीडो कार्यशाला)

एनसीजी नैदानिक कैंसर शोध उपायों पर उच्चतर विशिष्टता वाली कार्यशालाओं का आयोजन करता है जिसमें संपूर्ण देश के और विदेशों के शोधकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाता है। गहन आवासीय कार्यशाला में 30 संकाय सदस्यों की सहायता से लगभग 60 प्रतिभागी, कनिष्ठ संकाय सदस्यों एवं प्रशिक्षुओं द्वारा शोध उपायों पर एक पृष्ठीय संकल्पना शीटों को छह दिवसों की अवधि में नीतिशास्त्र समितियों एवं अनुदानकर्ता संगठनों के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए पूर्णरूपेण शोध समलेखों में परिवर्तित करते हैं। इस प्रकार, कई परियोजनाओं के प्रस्तुत करने और आरंभ करने के अतिरिक्त यह प्रतिभागियों को अपने संबंधित संस्थानों में अपने साथियों एवं विद्यार्थियों को मार्गदर्शन करने में सक्षम बनाता है। कर्करोग विज्ञान में शोध उपाय परिवृत्रि में अंतरराष्ट्रीय सहयोग (क्रीडो) को राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई, यूएसए (एनसीआई), यूएसए, किंग्स कॉलेज लंदन, अमेरिकन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी (एएससीओ), कैंसर रिसर्च यूके (सीआरयूके), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का समर्थन प्राप्त है और इसे यूरोपियन ऑर्गेनाइजेशन फॉर रिसर्च एंड ट्रीटमेंट ऑफ कैंसर (ईओआरटीसी), मेडिकल रिसर्च काउंसिल (एमआरसी), यूके और एसीओआरडी इनिशिएटिव, ऑस्ट्रेलिया द्वारा पृष्ठांकित किया गया है।

एनसीजी द्वारा निधिबद्ध बहुकेंद्रीय सहयोगी शोध

एनसीजी भारत के आम अथवा विचित्र कैंसरों में सहयोगी बहुकेंद्रीय शोध को सुगम बनाता है, इसके लिए निधि प्रदान करता है। केंद्रों के बीच आपसी सहकार्य एवं अच्छे सहयोग को प्रोत्साहित कर यह नैदानिक परीक्षणों के आयोजन की अत्यंत कुशल प्रणाली तैयार करता है। शोध कर लक्ष्य देश में कैंसर देखभाल के सभी स्तरों में किफायती कार्यान्वयन के लिए सुलभ निष्कर्ष खोजना होता है और इस प्रकार पूरे देश में किफायती, निष्पक्ष कैंसर देखभाल उपलब्ध करान की इसकी वचनबद्धता मजबूत होती है। आंकड़ों को साक्षा करने के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता है जो एनसीजी द्वारा निधिकरण के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। अब तक एनसीजी द्वारा ग्याहर बड़े बहुकेंद्रीय अध्ययनों को सहयोग दिया गया है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के साथ हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन से इन प्रयासों को व्यापक वृद्धि मिलेगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ एकीकरण

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए), पूर्ण कार्यात्मक स्वायत्ता के साथ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) का एक संलग्न कार्यालय है और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जय) के प्रति सधे हुए

दृष्टिकोण एवं प्रभावी कार्यान्वयन के लिए गठित किया गया था। पीएम-जय या आयुष्मान भारत राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन भारत की 40% गरीब तबके की आबादी का प्रतिनिधित्व करते हुए लगभग 50 करोड़ लोगों के अस्पतालीय देखरेख एवं उपचार की लागत की भरपाइक् करने पर लक्षित है। एनएचए ने इस बात की सुनिश्चितता के लिए कि प्रतिपूर्ति योजना में गुणवत्ता शामिल हो, एनसीजी दिशानिर्देशों के समर्थक उपचार संलेख प्राधिकृत कर एनसीजी के साथ साझेदारी की है। एनसीजी भी पीएम-जय के अंतर्गत उपचार पैकेजों और टैरिफ को युक्तियुक्त बनाने के लिए एनएचए के साथ काम कर रहा है, और योजना के अंतर्गत उपचार के लिए अधिकतर एनसीपी सदस्य संगठनों को सूचीबद्ध कर रहा है। यह गठबंधन स्वास्थ्य सुरक्षा मुहैया कराने की प्रणाली में, जो अब तक मुख्यतः अनियमित रही है, गुणवत्ता मापदंड एवं मैट्रिक का समावेश कर आश्चर्यजनक परिणाम ला सकता है।

भावी योजनाएं

एनसीजी की भावी योजनाओं में आम जनता पर लक्षित स्वास्थ्य सुधार एवं कैंसर जागरूकता के दृढ़ एवं व्यवस्थित प्रयास शामिल है। ये प्रयास कैंसर की, जल्दी पता चलने पर संभवतः उपचार योग्य बीमारी के रूप में, वर्द्धित जागरूकता द्वारा दीर्घकालीन प्रभाव एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति है। भारत में प्रशामक देखभाल सुविधा का संवर्धन एवं इष्टतमीकरण एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है- प्रशामक देखभाल के प्रावधान में खामियों के मूल्यांकन के लिए एनसीजी द्वारा एक अध्ययन शुरू किया जा चुका है। भारत में कैंसर की मजबूत स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन योजना गठन की दीर्घकालिक योजना के साथ, विभिन्न आधुनिक कैंसर उपचार के "मूल्य" के आकलन हेतु प्रारंभिक कार्रवाई की जा रही है। अधिक केंद्रों तक मानकीकरण के आगामी प्रसार हेतु एनसीजी के राज्य एवं क्षेत्रीय "अध्याय" आरंभ किए जा चुके हैं। रोगियों और साथ ही साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति निर्माताओं के मार्गदर्शन हेतु एनसीजी के दिशानिर्देश भी अब "इष्टतम" एवं "वैकल्पिक" के रूप में आरंभ किए जा रहे हैं। एनसीजी सदस्य संगठनों से आंकड़ों का एकत्रीकरण मुख्यतः कई केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य अभिलेखों की कमी के कारण और समय रहने पर एक दूसरे से संवाद न करने वाली पृथक प्रणालियों के कारण एक चुनौती है। एनसीजी ने स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदाता और साथ ही साथ रोगियों, दोनों के स्वास्थ्य अभिलेखों के प्रजातंत्रीकरण की महत्वाकांक्षी योजना आईएसपीआईआरटी (https://ispirt.in/) के साथ साझेदारी की है।

सारांश

पिछले सात वर्षों के दौरान राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड भारत में कैंसर देखभाल, प्रशिक्षण व शिक्षण, शोध व नीति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हुए एक बड़े एवं संसक्त संगठन के रूप में उभरा है। यह भारत में समग्र स्वास्थ्य सुरक्षा वितरण में अनुकरण करने व परिवर्तन लाने में अन्य रोगी समूहों के लिए मिसाल कायम करेगा। यह कैंसर नियंत्रण के लिए व्यवस्थित एवं व्यापक दृष्टिकोण अपनाने हेतु अन्य एलएमआईसी के लिए भी आदर्श का कार्य करेगा। केंद्रों के बीच गठबंधन व सहयोग की भावना के चलते तथा परमाणु ऊर्जा विभाग से सतत सहयोग की बदौलत, यह निश्चित प्रतीत होता है कि इसकी भूमिका और भी विस्तृत होगी तथा देश व दुनिया में कैंसर उपचार के तरीकों का रूपांतरण करेगी।

9
8.5
8
7.5
7
6.5
6
5.5
5
4.5
4
RESERVE
I PROMISE TO
PAY THE BEARER
THE SUM OF TWO
THOUSAND RUPEES
GOVERNOR
GUARANTEED BY
दो हज़ार रुपये
रिज़र्व बैंक
मैं धारक को
दो हज़ार रुपये
अदा करने का
वचन देता हूँ।
उर्जित आर पटेल
गवर्नर

4

टी एम सी वित्तीय लेखा–परीक्षा

- की गई कार्रवाई रिपोर्ट
- लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
- लेखा का विवरण

वर्ष 2019–20 के लिए लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का पैराग्राफ संख्या	लेखा परीक्षकों की टिप्पणियाँ (पूर्ण रूप में प्रस्तुत की जानी है)	की गई कार्रवाई	कार्रवाई के पूरा हो जाने का प्रत्याशित माह एवं तिथि
1	2	3	4
1	हमने टाटा स्मारक केंद्र (इस केंद्र) के वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2020 तक तुलन-पत्र एवं बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट्स अधिनियम, 1950 (अधिनियम) के अनुसार अपेक्षित उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष की आय एवं व्यय लेखा का विवरण, तथा उल्लेखनीय नीतियों का सार एवं अन्य विवरणात्मक सूचना का समावेश है, की लेखा-परीक्षा की है ।	यह जानकारी का तथ्यगत कथन है । कार्रवाई आवश्यक नहीं ।	
2	हमारी राय में तथा जहां तक हमें जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा अपेक्षित सूचना अपेक्षित तरीके से देता है, हम यह रिपोर्ट करते हैं : (क) तुलन पत्र के मामले में, केंद्र के दिनांक 31 मार्च 2020 तक के मामलों का। (ख) आय और व्यय के मामले में, इस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए केंद्र की आय की तुलना में व्यय की अधिकता का लेखा।	यह जानकारी का तथ्यगत कथन है । कार्रवाई आवश्यक नहीं ।	
3	हमनें इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाऊंटेट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानकों के अनुसार लेखा परीक्षा की है। उक्त लेखा मानकों के अनुसार हमारी जिम्मेदारी "वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षा के संबंध में लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियां" के अंतर्गत रिपोर्ट में दी गई हैं। वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के संदर्भ में नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम उक्त कंपनी से स्वतंत्र हैं तथा इन आवश्यकताओं के क्रम में हम अपने लिए निर्धारित अन्य नैतिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। हमें विश्वास है कि जो साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं वे पर्याप्त हैं तथा हमारी लेखा परीक्षा राय के लिए आधार उपलब्ध कराने के लिए उपयुक्त हैं।	यह जानकारी का तथ्यगत कथन है । कार्रवाई आवश्यक नहीं ।	

श्री. सुर्यकांत मोहपात्रा
MR. SURYAKANT MOHAPATRA
संयुक्त नियंत्रक (पुंजी और खाता) टी.एम.सी.
JT. CONTROLLER (F & A) TMC
टाटा स्मारक अस्पताल
TATA MEMORIAL HOSPITAL,
डॉ. अर्नेस्ट बोर्जेस मार्ग,
DR. ERNEST BORGES MARG,
परेल, मुंबई - 400 012.
PAREL, MUMBAI - 400 012.

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का पैराग्राफ संख्या	लेखा परीक्षकों की टिप्पणियाँ (पूर्ण रूप में प्रस्तुत की जानी है)	की गई कार्रवाई	कार्रवाई के पूरा हो जाने का प्रत्याशित माह एवं तिथि
1	2	3	4
4	इस केंद्र के ट्रस्टी इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए जिम्मेदार हैं जो भारत में स्वीकृत लेखा सिद्धांतों एवं लेखा मानकों के अनुसार केंद्र की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन तथा प्राप्तियों एवं भुगतानों का सत्य एवं उचित विवरण प्रस्तुत करते हैं । इस जिम्मेदारी में, वित्तीय विवरणों की तैयारी एवं प्रस्तुतीकरण से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की अभिकल्पना करना, उसे लागू करना और उसका रख-रखाव करना शामिल है, जो सत्य एवं उचित विवरण देते हैं तथा ये जालसाजी या भूलवश होने वाले महत्वपूर्ण अयथार्थ विवरण से मुक्त है । जिन्हें शासी के रूप में अधिकार प्रदत्त है वें उक्त संस्थान की संपूर्ण वित्तीय स्थिति के रिपोर्टिंग प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार हैं।	यह जानकारी का तथ्यगत कथन है । कार्रवाई आवश्यक नहीं ।	
5	हमारी जिम्मेदारी है कि हम नीतिपरक आवश्यक योजना का पालन करें तथा इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करें कि वित्तीय विवरण किसी भी महत्वपूर्ण अयथार्थता से मुक्त हैं अथवा नहीं । उचित आश्वासन एक उच्च किस्म का आश्वासन है परंतु यह इस बात की गारंटी नहीं है कि इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखा परीक्षा के मानकों पर की गई लेखा परीक्षा हर बार किसी प्रकार के अयथार्थ विवरण यदि कोई हो, तो उसका संसूचन करें। अयथार्थ विवरण किसी जालसाजी या भूलवश आ सकता है तथा यदि उसे मटेरियल के रूप में माना गया हो तो व्यक्तिगत तौर पर या कुल मिलाकर यह माना जाएगा कि इनसे उपयोगकर्ता द्वारा लिए गए वित्तीय निर्णयों पर प्रभाव पड़ सकता है। हमें विश्वास है कि जो साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं वे पर्याप्त हैं तथा हमारी लेखा परीक्षा राय के लिए आधार उपलब्ध कराने के लिए उपयुक्त हैं।	यह जानकारी का तथ्यगत कथन है । कार्रवाई आवश्यक नहीं ।	

श्री. सुर्यकांत मोहपात्रा
MR. SURYAKANT MOHAPATRA
संयुक्त नियंत्रक (पुंजी और खाता) टी.एम.सी.
JT. CONTROLLER (F & A) TMC
टाटा स्मारक अस्पताल
TATA MEMORIAL HOSPITAL,
डॉ. अर्नेस्ट बोर्जेस मार्ग,
DR. ERNEST BORGES MARG,
परेल, मुंबई - 400 012.
PAREL, MUMBAI - 400 012.

A.N. SATHE * TMC * C.A.O.

कैलाश चंद जैन एंड कंपनी

चार्टेड अकाउंटेंट
"एडेना", पहली मंजिल, 97 महर्षि कर्वे रोड,
आयकर कार्यालय के पास, मुंबई 400 020

लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट

अध्यक्ष,
टाटा स्मारक केंद्र की शासी परिषद

राय

हमने टाटा स्मारक केंद्र (इस केंद्र) के वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2020 तक तुलन-पत्र एवं बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट्स अधिनियम, 1950 (अधिनियम) के अनुसार अपेक्षित उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष की आय एवं व्यय लेखा का विवरण, तथा उल्लेखनीय नीतियों का सार एवं अन्य विवरणात्मक सूचना का समावेश है, की लेखा-परीक्षा की है ।

हमारी राय में तथा जहां तक हमें जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा अपेक्षित सूचना अपेक्षित तरीके से देता है, हम यह रिपोर्ट करते हैं :

(क) तुलन पत्र के मामले में, केंद्र के दिनांक 31 मार्च 2020 तक के मामलों का।

(ख) आय और व्यय के मामले में, इस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए केंद्र की आय की तुलना में व्यय की अधिकता का लेखा।

राय के आधार

हमनें इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाऊंटेट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानकों के अनुसार लेखा परीक्षा की है। उक्त लेखा मानकों के अनुसार हमारी जिम्मेदारी "वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षा के संबंध में लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियां" के अंतर्गत रिपोर्ट में दी गई हैं। वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के संदर्भ में नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम उक्त कंपनी से स्वतंत्र हैं तथा इन आवश्यकताओं के क्रम में हम अपने लिए निर्धारित अन्य नैतिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। हमें विश्वास है कि जो साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं वे पर्याप्त हैं तथा हमारी लेखा परीक्षा राय के लिए आधार उपलब्ध कराने के लिए उपयुक्त हैं।

वित्तीय विवरणों हेतु प्रबंधकों की जिम्मेदारी

इस केंद्र के ट्रस्टी इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए जिम्मेदार हैं जो भारत में स्वीकृत लेखा सिद्धांतों एवं लेखा मानकों के अनुसार केंद्र की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन तथा प्राप्तियों एवं भुगतानों का सत्य एवं उचित विवरण प्रस्तुत करते हैं ।

इस जिम्मेदारी में, वित्तीय विवरणों की तैयारी एवं प्रस्तुतीकरण से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की अभिकल्पना करना, उसे लागू करना और उसका रख-रखाव करना शामिल है, जो सत्य एवं उचित विवरण देते हैं तथा ये जालसाजी या भूलवश होने वाले महत्वपूर्ण अयथार्थ विवरण से मुक्त है । जिन्हें शासी के रूप में अधिकार प्रदत्त है वें उक्त संस्थान की संपूर्ण वित्तीय स्थिति के रिपोर्टिंग प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार हैं।

वित्तीय विवरणों के संबंध में लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी है कि हम नीतिपरक आवश्यक योजना का पालन करें तथा इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करें कि वित्तीय विवरण किसी भी महत्वपूर्ण अयथार्थता से मुक्त हैं अथवा नहीं । उचित आश्वासन एक उच्च किस्म का आश्वासन है परंतु यह इस बात की गारंटी नहीं है कि इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखा परीक्षा के मानकों पर की गई लेखा परीक्षा हर बार किसी प्रकार के अयथार्थ विवरण यदि कोई हो, तो उसका संसूचन करें। अयथार्थ विवरण किसी जालसाजी या भूलवश आ सकता है तथा यदि उसे मटेरियल के रूप में माना गया हो तो व्यक्तिगत तौर पर या कुल मिलाकर यह माना जाएगा कि इनसे उपयोगकर्ता द्वारा लिए गए वित्तीय निर्णयों पर प्रभाव पड़ सकता है। हमें विश्वास है कि जो साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं वे पर्याप्त हैं तथा हमारी लेखा परीक्षा राय के लिए आधार उपलब्ध कराने के लिए उपयुक्त हैं।

हमारे समसंख्यक संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कैलाश चंद जैन एंड कंपनी की ओर से
चार्टेड अकाउंटेन्ट
(फर्म की पंजीकरण सं. :112318 डब्ल्यू)

सौरभ चौहान
साझेदार
सदस्यता सं. 167453
दिनांक : 09 नवंबर, 2020
स्थान : मुंबई
यूडीआईएन : 20167453AAAAMV4980

टाटा स्मारक अस्पताल

डटाटा स्मारक अस्पताल तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान शिक्षा का प्रगत केंद्र.

31 मार्च 2020 का तुलन-पत्र (रुपये में)

विवरण	अनुसूची	31.3.2020 के अनुसार	31.3.2019 को
पूंजीगत निधि तथा दायित्व			
पूंजीगत निधि	1	-	-
निश्चित की गई/ धर्मादाय निधि	2	2,896,492,858	2,395,318,387
शैक्षणिक निधि	3	152,398,767	135,235,172
वर्तमान दायित्व तथा व्यवस्था	4	23,662,845,263	19,923,909,439
कुल		**26,711,736,888**	**22,454,462,998**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति			
सकल ब्लॉक		10,15,30,37,396	8,81,06,56,752
घटाना : मूल्य-ह्रास हेतु प्रावधान		4,455,969,817	4,108,453,227
निवल ब्लॉक		5,697,067,579	4,702,203,525
प्रगति कार्य की पूंजी		8,949,982,253	7,260,418,717
कुल	**5**	**14,647,049,832**	**11,962,622,242**
वर्तमान परिसंपत्ति,ऋण तथा अग्रिम	**6**	10,315,163,492	9,270,792,089
पूंजीगत निधि	**1**	1,749,523,564	1,221,048,667
कुल		26,711,736,888	22,454,462,998
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	**13**		
लेखा टिप्पणियाँ	**14**		

हमारी समसंख्यक रिपोर्ट के अनुसार

कैलाश चंद जैन एंड कंपनी की ओर से

चार्टेड अकाउंटेन्ट

(फर्म की पंजीकरण सं. :112318 डब्ल्यू)

टाटा स्मारक अस्पताल की ओर से

सौरभ चौहान		**श्री एस. मोहपात्रा**	**श्री अनिल साठे**	**डॉ. सी एस प्रमेश**	**डॉ. आर.ए. बडवे**
साझेदार		**संयुक्त नियंत्रक**	सीएओ,	निदेशक,	निदेशक,
सदस्यता सं. 167453		**(वित्त एवं लेखा)** टीएमसी	टीएमसी	टीएमएच	टीएमसी
दिनांक :					
स्थान : मुंबई					

टाटा स्मारक अस्पताल

टाटा स्मारक अस्पताल तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान शिक्षा का प्रगत केंद्र

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए आय तथा व्यय लेखा

(रुपये में)

विवरण	अनुसूची	31.3.2020 के अनुसार	31.3.2019 को
ए) आय			
सहायता अनुदान - भारत सरकार	7	4,055,231,326	3,329,126,362
अस्पताल आय		3,348,345,799	2,960,728,701
औषधि तथा शल्य सामग्री की बिक्री		4,014,962,358	3,546,876,848
ब्याज से आय	8	426,886,043	343,791,160
अन्य आय	9	93,716,618	94,291,040
कुल (ए)		**11,939,142,145**	**10,274,814,111**
बी) व्यय			
शैक्षणिक व्यय		76,362,202	69,072,397
औषधि तथा शल्य सामग्री की खपत	10	3,873,824,861	3,163,303,122
उपभोज्य		1,223,211,802	1,084,566,540
स्टाफ लागत/ वेतन	11	6,731,919,415	5,536,232,371
अन्य प्रशासनिक व्यय	12	1,301,998,129	1,269,383,468
कुल (बी)		**13,207,316,409**	**11,122,557,898**
कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति हित लाभों पर प्रावधानों के पूर्व आय से अधिक व्यय (ए-बी)		(1,268,174,264)	(847,743,787)
घटाना : ह्रास		535,907,573	455,653,690
घटाना : सेवानिवृत्ति हित लाभों हेतु प्रावधान			
उपदान		203,752,106	53,071,070
पेंशन		2,357,766,406	636,841,125
छुट्टी नकदीकरण		189,540,522	119,825,460
वर्ष के दौरान आधिक्य/घाटा के शेष को तुलन-पत्र अंतरण		**4,555,140,871**	**2,113,135,132**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ लेखा टिप्पणियाँ			

हमारी समसंख्यक रिपोर्ट के अनुसार

कैलाश चंद जैन एंड कंपनी की ओर से
चार्टेड अकाउंटेन्ट
(फर्म की पंजीकरण सं. :112318 डब्ल्यू)

टाटा स्मारक अस्पताल की ओर से

सौरभ चौहान	**श्री एस. मोहपात्रा**	**श्री अनिल साठे**	**डॉ. सी एस प्रमेश**	**डॉ. आर.ए. बडवे**
साझेदार	**संयुक्त नियंत्रक**	सीएओ,	निदेशक,	निदेशक,
सदस्यता सं. 167453	(**वित्त एवं लेखा**) टीएमसी	टीएमसी	टीएमएच	टीएमसी

दिनांक :
स्थान : मुंबई

टाटा स्मारक अस्पताल

टाटा स्मारक अस्पताल तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान शिक्षा का प्रगत केंद्र

अनुसूची 1 : पूंजीगत निधि

(रुपये में)

विवरण	31.3.2020 के अनुसार		31.3.2019 को	
पूँजीगत निधि				
वर्ष के आरंभ में शेष	(1,221,048,667)		(3,074,454,468)	
जमा : वर्ष के दौरान पूँजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त की गई अनावर्ती अनुदान की राशि	3,923,687,184		3,771,130,000	
जमा : पूँजीगत व्यय हेतु प्रयुक्त की गई अनावर्ती अनुदान राशि	12,968,674		7,680,824	
जमा : दान से खरीदी गई परिसंपत्तियाँ	84,428,529		178,547,821	
जमा : प्रायोजित परियोजना निधि से खरीदी गई परिसंपत्तियाँ	5,581,588		9,182,287	
जमा : अन्य एक्टरेक	–			
	2,805,617,308		**892,086,464**	–
घटाना : आय तथा व्यय लेखा से अंतरित घाटा (सरप्लस)	4,555,140,871		2,113,135,132	
कुल		**(1,749,523,564)**		**(1,221,048,667)**

टाटा स्मारक अस्पताल

टाटा स्मारक अस्पताल तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान शिक्षा का प्रगत केंद्र

अनुसूची 1 ए : अनावर्ती अनुदान

(रुपये में)

विवरण	31.3.2020 के अनुसार		31.3.2019 को	
वर्ष के आरंभ में शेष	609,010,000		390,140,000	
जमा : ब्याज	–		–	
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	3,515,100,000		3,990,000,000	
कुल	4,124,110,000		4,380,140,000	
घटाना : आरआरयू हेतु उपयोग में लाया गया बीएआरसी अनुदान	122,951,530			
घटाना : बाल/बीएमटी रोगियों की सहायता हेतु उपयोग में लाया गया अनुदान	32,400,000			
घटाना : प्लान कैंसर रजिस्ट्री हेतु उपयोग में लाया गया अनुदान	(28,714)			
घटाना : पूंजीगत व्यय हेतु उपयोग में लाया गया अनुदान	3,923,687,184		3,771,130,000	
अधिशेष	45,100,000		609,010,000	
कुल		**45,100,000**		**609,010,000**

टाटा स्मारक अस्पताल

टाटा स्मारक अस्पताल तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान शिक्षा का प्रगत केंद्र

अनुसूची 1 बी : महिला व बाल कल्याण हेतु अनुदान

रुपये में

विवरण	टीएमएच व एक्टरेक	वाराणसी	वैजाग	संगरूर	बीबीसीआई	कुल
वर्ष के आरंभ में शेष	12,216	–	2,300,000		–	2,312,216
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	217,000,000	15,000,000		5,000,000	3,000,000	240,000,000
कुल	217,012,216	15,000,000	2,300,000	5,000,000	3,000,000	242,312,216
घटाना : महिला व बाल कल्याण हेतु अनुदान उपयोग में लाया गया अनुदान	212,728,983	12,500,000	1,734,050	3,501,881	3,000,000	233,464,914
अधिशेष	4,283,233	2,500,000	565,950	1,498,119	–	8,847,302
घटाना : राजस्व व्यय हेतु उपयोग में लाया गया अनुदान					–	
कुल	**4,283,233**	**2,500,000**	**565,950**	**1,498,119**	**–**	**8,847,302**

A.N. SATHE C.A.O., TMC

KAILASHCHAND JAIN & CO. MUMBAI Chartered Accountants

अनुसूची 2 : निर्धारित/अक्षय निधि

रुपये में

विवरण	31.3.2020 के अनुसार						31.03.2019 को					
निर्धारित/अक्षय निधि	विज्ञान तथा अनुसंधान निधि	सैम जल मिस्त्री निधि	दान	परियोजनाएं	कार्यशाला	कुल	विज्ञान तथा	सैम जल मिस्त्री अनुसंधान निधि	दान निधि	परियोजनाएं	कार्यशाला	कुल
ए												
वर्ष के आरंभ में शेष	241,494,150	18,404,843	1,400,552,617	678,624,389	56,242,388	**2,395,318,387**	227,621,149	18,404,843	1,269,359,310	614,905,121	51,003,088	**2,181,293,511**
वर्ष के दौरान अतिरिक्त			1,218,534,217	522,581,397	80,412,315	**1,821,527,929**			905,839,126	488,004,082	77,238,912	**1,471,082,120**
रि-ग्रुपिंग					–						–	
बचत खाते/एफडी पर प्राप्त ब्याज	15,656,725	1,166,165	9,592,187	38,967,556		**65,382,633**	13,873,001	938,955	7,856,247	30,994,246		**53,662,449**
डिविडंड		9,118				**9,118**		3,534				**3,534**
टीडीएस परियोजनाएं व अन्य				3,353,600		**3,353,600**				6,605,113		**6,605,113**
कुल (ए)	257,150,875	19,580,126	2,628,679,021	1,243,526,942	136,654,703	4,285,591,667	241,494,150	19,347,332	2,183,054,683	1,140,508,562	128,241,999	3,712,646,726
बी उद्देशीत निधि हेतु किया गया उपयोग/व्यय												
राजस्व व्यय			736,753,177	476,290,738	84,869,495	**1,297,913,409**			603,954,245	452,869,688	71,831,810	**1,128,655,743**
पूंजीगत व्यय			84,428,529	4,863,585	718,003	**90,010,117**			178,547,821	9,014,485	**167,802**	**187,730,108**
सैमजल स्कॉलरशिप हेतु अंतरण		587,642				**587,642**		471,244				**471,244**
सैमजल रोगी कल्याण हेतु अंतरण		587,641				**587,641**		471,245				**471,245**
कुल (बी)	–	1,175,283	821,181,705	481,154,323	85,587,498	1,389,098,809	–	942,489	782,502,066	461,884,173	71,999,612	1,317,328,340
वर्ष की समाप्ति पर अधिशेष (ए-बी)	257,150,875	18,404,843	1,807,497,315	762,372,619	51,067,205	2,896,492,858	241,494,150	18,404,843	1,400,552,617	678,624,389	56,242,388	2,395,318,387

A.N. SATHE C.A.O., TMC

KAILASHCHAND JAIN & CO. MUMBAI Chartered Accountants

टाटा स्मारक अस्पताल

टाटा स्मारक अस्पताल तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान शिक्षा का प्रगत केंद्र

अनुसूची 3 : शैक्षणिक निधि रुपये में

विवरण	31.3.2020 के अनुसार	31.03.2019 को
आरंभी शेष	135,235,172	117,603,233
जमा: वर्ष के दौरान जमा	76,362,202	69,072,397
	211,597,374	**186,675,630**
घटाना: वर्ष के दौरान कमी	59,198,607	51,440,458
कुल	**152,398,767**	**135,235,172**

अनुसूची 4 : वर्तमान दायित्व तथा व्यवस्था

रुपये में

विवरण		31.3.2020 के अनुसार		31.3.2019 को
ए) वर्तमान दायित्व तथा जमा				
जमा				
- छात्रों से	25,111,956		19,876,533	
- रोगियों से	2,496,117,945		2,067,050,906	
- अपूर्तिकर्ताओं तथा संविदा से	218,937,165	2,740,167,066	187,946,575	2,274,874,014
अन्य वर्तमान दायित्व				
अवितरित व दावा नहीं किया गया वेतन		1,753,766		1,623,030
नई पेंशन योजना में दायित्व		8,164,103		6,621,265
विविध लेनदार-पूंजी		166,877,067		52,052,740
अन्य दायित्व		279,592,278		279,146,823
बुक ओडी		282,007,443		401,179,844
आंतर-इकाई समायोजन		255,620,317		65,895,086
सांविधिक दायित्व		16,732,093		31,780,101
बकाया व्यय				
वेतन	630,734,430		597,413,907	
प्रचालन व्यय	1,275,868,786	1,906,603,216	795,373,913	1,392,787,820
भारत सरकार से प्राप्त अनुदान,जिसका उपयोग नहीं किया गया; अग्रेनीत				
आवर्ती अनुदान	327,800,000		-	
महिला तथा बाल कल्याण निधि	8,847,302		2,312,216	
अनावर्ती अनुदान	45,100,000	381,747,302	609,010,000	611,322,216
कुल (ए)		**6,039,264,650**		**5,117,282,940**
बी) व्यवस्था (कार्मिकों के सेवनिवृति लाभ हेतु) उपदान				
ए)वर्तमान	218,742,085		209,655,331	
बी) गैर-वर्तमान	1,391,760,178	1,610,502,263	1,197,094,829	1,406,750,160
छुट्टी नकदीकरण				
ए) वर्तमान	227,659,790		219,076,038	
बी) गैर-वर्तमान	1,370,638,719	1,598,298,509	1,189,681,952	1,408,757,990
पेंशन				
ए) वर्तमान	500,338,571		453,259,196	
बी) गैर-वर्तमान	13,914,441,269	14,414,779,840	11,603,754,240	12,057,013,436
कुल (बी)		**17,623,580,612**		**14,872,521,586**
कुल (ए+बी)		**23,662,845,263**		**19,989,804,525**

KAILASHCHAND JAIN & CO. MUMBAI Chartered Accountants
A.N. SATHE C.A.O., TMC

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्य-ह्रास						निवल ब्लॉक	
	वर्ष के आरंभ में लागत/ मूल्य-निर्धारण (1/4/2019)	वर्ष के दौरान कुल परिग्रहितियाँ/ समायोजन	विलोपन / समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्य-निर्धारण (31/3/2020)	वर्ष के आरंभ में (1/4/2019)	आरंभिक शेष पर मूल्य-ह्रास	वर्ष के दौरान जमा पर मूल्य-ह्रास	वर्ष के दौरान कुल मूल्य-ह्रास	विलोपन / समायोजन पर	वर्ष के अंत तक कुल (31/3/2020)	वर्तमान वर्ष की समाप्ति पर (31/3/2020)	पिछले वर्ष की समाप्ति पर (31/3/2019)
ए.निश्चित परिसंपतियाँ												
1. भूमि	197,608			197,608	–			–		–	197,608	197,608
क) पूर्ण-स्वामित्व												
2. भवन												
क) पूर्ण-स्वामित्व वाली भूमि पर	1,846,657,673	26,992,306		1,873,649,979	287,048,782	30,100,521	344,402	30,444,923	-	317,493,705	1,556,156,274	1,559,608,891
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	5,999,294,922	1,412,261,517	204,044,991	7,207,511,448	3,193,670,475	361,542,863	56,987,039	418,529,902	180,971,130	3,431,229,247	3,776,282,201	2,805,624,446
4. वाहन	48,434,066	6,719,103	1,100,000	54,053,169	29,654,564	3,609,990	375,743	3,985,733	1,099,999	32,540,298	21,512,871	18,779,503
5. फर्नीचर, जुड़नार	220,068,136	39,808,919	953,298	258,923,757	150,709,349	11,631,429	1,721,944	13,353,373	952,437	163,110,285	95,813,472	69,358,787
6. कार्यालय उपकरण	59,678,808	12,010,943	808,946	70,880,805	22,967,911	3,193,969	236,614	3,430,583	484,785	25,913,709	44,967,096	36,710,895
7. कंप्यूटर, अनुषंगी सामग्री	636,325,539	56,377,914	4,882,823	687,820,630	424,402,146	61,543,150	4,619,910	66,163,060	4,882,632	485,682,574	202,138,056	211,923,393
कुल (ए)	8,810,656,752	1,554,170,702	211,790,058	10,153,037,396	4,108,453,227	471,621,922	64,285,652	535,907,574	188,390,983	4,455,969,817	5,697,067,578	4,702,203,523
सीडब्लूआईपी	7,261,221,087	1,689,563,536		8,950,784,623							8,950,784,623	7,261,221,087
घटनाःसंदिग्ध पूंजी अग्रिम हेतु व्यवस्था (भूमि)	802,370			802,370							802,370	802,370
निवल पूंजी डब्लूआईपी	7,260,418,717			8,949,982,253							8,949,982,253	7,260,418,717
कुल (एबी)	16,071,075,469	3,243,734,238	211,790,058	19,103,019,649	4,108,453,227	471,621,922	64,285,652	535,907,574	188,390,983	4,455,969,817	14,647,049,831	11,962,622,240
पिछला वर्ष (टीएमसी)	12,561,056,018	3,875,985,422	365,965,973	16,071,075,469	3,755,454,217	423,503,521	32,150,168	455,653,689	102,654,679	4,108,453,227	11,962,622,240	8,805,601,801

टिप्पणीः जारी पूंजीगत कार्य में रुपये 802370/- (पिछले वर्ष रुपये 802370/-) की पूर्ण स्वामित्व-वाली भूमि शामिल है जो विवादित है; अतः उसे वर्ष 2009-10 से संदिग्ध के रूप में दर्शाया गया है।

टाटा स्मारक अस्पताल

टाटा स्मारक अस्पताल तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान शिक्षा का प्रगत केंद्र

अनुसूची 6 : वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण तथा अग्रिम

रुपये में

विवरण	31.3.2020 के अनुसार		31.03.2019 को	
ए) वर्तमान परिसंपत्तियाँ				
1. प्राप्तियाँ				
औषधियों का स्टॉक, मेडिकल व शल्य सामग्री	434,860,393		357,016,595	
भंडार व स्टेशनरी	9,959,590	**444,819,983**	10,427,507	**367,444,102**
2. विविध देनदार				
क) छः माह से अधिक तक बकाया				
अच्छा माना गया	280,169,126		137,869,060	
संदिग्ध माना गया	24,137,359		20,277,810	
	304,306,485		158,146,870	
छः माह से कम तक बकाया				
अच्छा माना गया	630,785,077		550,744,786	
संदिग्ध माना गया	–		–	
	935,091,562		708,891,656	
ख) घटानाः संदिग्ध ऋण के लिए व्यवस्था	24,137,359	**910,954,203**	20,277,810	**688,613,846**
3. नकदी शेष				
हाथ में नकदी	441,885		11,225,998	
हाथ में चेक	3,949,816		20,100,000	
फ्रेंकीन्ग शेष	42,756	**4,434,457**	691,697	**32,017,695**
4. बैंक में शेष				
अनुसूचित बैंक में				
चालू खाता	897,278,264		498,867,495	
फिक्स्ड डिपोजिट खाता	6,013,539,359		5,625,036,975	
मार्जिन मनी डिपोजिट खाता	1,015,401,477		1,166,446,929	
फिक्स्ड डिपोजिट-परियोजनाएं	592,912,268		557,001,686	
बचत खाता	26,645,469	**8,545,776,837**	1,450,560	**7,848,803,645**
कुल (ए)		**9,905,985,480**		**8,936,879,288**

A.N. SATHE C.A.O., TMC
KAILASHCHAND JAIN & CO. MUMBAI Chartered Accountants

टाटा स्मारक अस्पताल

टाटा स्मारक अस्पताल तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान शिक्षा का प्रगत केंद्र

अनुसूची 6 : वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण तथा अग्रिम

रुपये में

विवरण	31.3.2020 के अनुसार		31.03.2019 को	
बी) ऋण तथा अग्रिम				
1. नकदी अथवा वस्तु रूप में वसूली-योग्य अग्रिम या मूल्य जो प्राप्त किया जाना है,				
अच्छा माना गया	11,772,348		16,058,206	
संदिग्ध माना गया	–		–	
	11,772,348		16,058,206	
घटाना: संदिग्ध अग्रिम के लिए व्यवस्था	–	**11,772,348**	–	**16,058,206**
1. प्रीपैड व्यय		**15,734,423**		**28,082,559**
2 . अन्य डिपोजिट		**51,609,142**		**49,982,284**
2. स्टाफ को ऋण तथा अग्रिम				
ब्याज-सहित अग्रिम	**9,169,232**		5,858,787	
ब्याज-रहित अग्रिम	**1,449,261**	**10,618,493**	5,296,464	**11,155,251**
3. प्रोद्भूत ब्याज				
फिक्स्ड डिपोजिट पर प्रोद्भूत ब्याज	159,198,901		148,702,946	
कॉर्पस डिपोजिट पर प्रोद्भूत ब्याज	16,897,312		16,600,283	
सैम जल डिपोजिट पर प्रोद्भूत ब्याज	656,091	**176,752,304**	611,959	**165,915,188**
4. प्रोद्भूत ब्याज, पर देय नहीं खाता		**8,490,297**		**9,819,620**
5. स्रोत पर कर की कटौती		**68,402,416**		**50,323,537**
6. आंतर-इकाई समायोजन लेखा		**65,798,588**		**2,576,156**
कुल (ए)		**409,178,011**		**333,912,801**
कुल (ए+बी)		**10,315,163,492**		**9,270,792,089**

A.N. SATHE C.A.O., TMC
KAILASHCHAND JAIN & CO. MUMBAI Chartered Accountants

टाटा स्मारक अस्पताल

टाटा स्मारक अस्पताल तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान शिक्षा का प्रगत केंद्र

अनुसूची 7 : आवर्ती अनुदान

रुपये में

विवरण	31.3.2020 के अनुसार		31.03.2019 को	
वर्ष के आरंभ में शेष	–		**257,764,000**	
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	4,396,000,000		3,079,043,186	
कुल	**4,396,000,000**		**3,336,807,186**	
घटाना: पूंजीगत व्यय (ए) हेतु उपयोग किया गया अनुदान	12,968,674		7,680,824	
शेष	**4,383,031,326**		**3,329,126,362**	
घटाना: राजस्व व्यय (बी) हेतु उपयोग किया गया अनुदान	4,055,231,326		3,329,126,362	
व्यय नहीं किया गया शेष, अग्रेनीत किया		**327,800,000**		

अनुसूची 8 : ब्याज से आय

रुपये में

विवरण	31.3.2020 को समाप्त वर्ष		31.03.2019 को समाप्त वर्ष	
ब्याज : (सकल) (स्रोत पर काटा गया कर शामिल)				
बैंक से :				
फिक्स्ड डिपोजिट पर/ मार्जिन मनी डिपोजिट पर	424,722,396		339,765,351	
बचत खाते पर	337,255		1,497,805	
		425,059,651		**341,263,156**
अन्य से :				
वाहन अग्रिम पर	9,020		88,666	
मकान निर्माण अग्रिम पर	1,030,432		1,719,732	
कंप्यूटर अग्रिम पर	10,318		13,748	
		1,049,770		**1,822,146**
स्टाफ अग्रिम पर प्रोद्भूत ब्याज, पर देय नहीं		**776,622**		**705,858**
कुल		426,886,043		343,791,160

अनुसूची 9 : अन्य आय

रुपये में

विवरण	31.3.2020 को समाप्त वर्ष	31.03.2019 को समाप्त वर्ष
फुटकर प्राप्तियाँ	72,975,081	58,405,924
पशु-गृह प्राप्तियाँ	6,672,575	5,961,153
परियोजना उपरिव्यय	8,577,008	7,971,849
विनिमय में उतार-चढ़ाव का प्रभाव (निवल)	(5,996,856)	(150,608)
मोबलिज़ैशन ब्याज	11,488,810	22,102,722
कुल	**93,716,618**	**94,291,040**

अनुसूची 10 : औषधियों तथा शल्य-सामग्री की खपत

रुपये में

विवरण	31.3.2020 को समाप्त वर्ष	31.03.2019 को समाप्त वर्ष
औषधियों/शल्य-सामग्री का आरंभी स्टॉक	356,157,710	324,417,950
जमा : खरीद	3,970,305,786	3,236,742,839
घटाना: औषधियों/शल्य-सामग्री का शेष स्टॉक	427,816,066	356,157,710
घटाना: वापस/अस्वीकृत/ एक्सपायर्ड औषधियों/शल्य-सामग्री	24,822,569	41,699,957
कुल	**3,873,824,861**	**3,163,303,122**

अनुसूची 11: स्टाफ लागत/वेतन

रुपये में

विवरण	31.3.2020 को समाप्त वर्ष	31.03.2019 को समाप्त वर्ष
ए) वेतन तथा मजदूरी	2,467,319,315	2,079,706,667
बी) भत्ता तथा बोनस	2,241,519,364	1,830,013,994
सी) आउटसोर्स वेतन	744,729,032	450,461,092
डी) कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति तथा सावधिक लाभ हेतु व्यय	152,886,682	146,794,587
ई) पेंशन योजना	570,254,235	496,350,635
एफ) फेलोशिप	555,210,787	532,905,396
कुल	**6,731,919,415**	**5,536,232,371**

टाटा स्मारक अस्पताल

टाटा स्मारक अस्पताल तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान शिक्षा का प्रगत केंद्र

अनुसूची 12: अन्य प्रशासनिक व्यय

रुपये में

विवरण		31.3.2020 को समाप्त वर्ष	31.03.2019 को समाप्त वर्ष
ए) लिनेन तथा लॉन्ड्री		59,945,245	52,687,226
बी) पुस्तकालय व्यय		67,123,815	156,688,173
सी) बिजली पर व्यय		416,248,401	305,128,617
डी) जल प्रभार		13,679,683	17,238,011
ई) मरम्मत तथा अनुरक्षण		410,698,180	390,495,532
एफ) पशु-गृह व्यय		4,207,518	3,891,826
जी) दर तथा कर		24,400,351	34,962,379
एच) बीमा		15,180,660	6,936,607
आई) लघु उपस्कर तथा पूंजीगत उपस्करों का प्रतिस्थापन		745,349	3,113,281
जे) डाक, टेलीफोन तथा संचार प्रभार		7,067,298	9,330,928
के) मुद्रण तथा लेखन सामग्री		37,868,341	34,450,670
एल) यात्रा तथा वाहन व्यय		53,677,590	50,835,253
एम) इंट्रा म्यूरल अनुसंधान व्यय		18,668,630	16,739,825
एन) कैंसर रजिस्ट्री व्यय		72,638,845	74,364,040
ओ) लेखा परीक्षकों का पारश्रमिक			
लेखा परीक्षा शुल्क	335,000		90,500
सेवा कर	81,900	416,900	36,000
पी) परिसंवाद तथा प्रशिक्षण		1,804,179	2,469,488
क्यू) व्यावसायिक प्रभार		3,300,922	3,890,630
आर) विज्ञापन व्यय		15,358,047	38,368,483
एस) संदिग्ध ऋणों हेतु प्रावधान		3,859,549	4,708,714
टी) हॉस्टल अनुरक्षण व्यय		15,074,231	13,374,391
यू) विविध व्यय		54,794,667	29,141,582
वी) अशोध्य ऋण को बट्टे खाते में डालना		59,248	1,003,868
डब्ल्यू) परिसंपत्तियों की बिक्री पर हानि/ (लाभ)		5,180,480	19,437,444
कुल		**1,301,998,129**	**1,269,383,468**

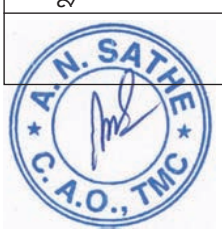

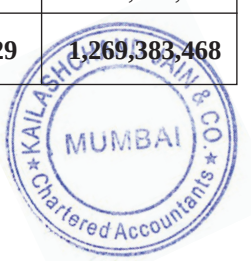

टाटा स्मारक अस्पताल

टाटा स्मारक अस्पताल तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र

टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) के तहत टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच) तथा कैंसर के उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक) कार्यरत हैं। यह केंद्र भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में एक अनुसंधान प्राप्त संस्थान है तथा इसे कैंसर में सेवा, शिक्षा तथा अनुसंधान के अधिदेश के साथ राष्ट्रीय कैंसर केंद्र के रूप में मान्यता दी गयी है। एक नया अस्पताल आंध्रप्रदेश के वैज़ाग में और पंजाब के संगरूर जिले में एक अस्पताल तथा वाराणसी में एचबीसीएच एवं एम पीएमएमएमसीएच नामक दो अस्पतालों की स्थापना की जा रही है । संगरूर में सेटेलाइट केंद्र कार्यरत हो गया है। विशाखापत्तनम मे स्थित अस्पताल ओपीड़ी व डे केयर सेवाएं प्रदान कर रहा है। यह सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट (1860) तथा बाम्बे पब्लिक ट्रस्ट एक्ट (1950) के तहत पंजीकृत है।

अनुसूची 13 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति के आधार

वित्तीय विवरण अन्यथा विशेष कथन न किया गया हो तो वे परंपरागत लागत मान्यताओं पर तथा लेखांकन प्रौद्भवन आधार पर तैयार किये गए हैं। ये विवरण महालेखा नियंत्रक, भारत सरकार द्वारा बनाए गए फ्रेमवर्क एवं फार्मेट का और इस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी इसके लिए लागू यथावश्यक लेखांकन मानकों का अनुसरण करते हैं ।

प्रोद्भूत राजस्व तथा लागत अर्थात् जिसे संबंधित अवधि के वित्तीय विवरणों में अर्जित व्यय तथा रिकार्ड के रूप में मान्यता दी गयी है। यह केंद्र अनुदान, दान, कम्यूटेड पेंशन (वर्तमान पेंशनरों के मामले में) जिसे नगद आधार पर लेखांकित किया है, को छोड़कर लेखांकन की प्रोद्भूत आधार पद्धति का अनुसरण करता है।

2. प्राक्कलन का उपयोग

सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन तत्वों के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार किए जाने हेतु प्रबंधन को यह आवश्यक है कि वह प्राक्कलनों एवं अनुमानों को ऐसे तैयार करें जो तुलनपत्र में रिपोर्टित परिसंपत्तियों एवं देयताओं, समाप्त वर्ष के लिए रिपोर्टित राजस्वों एवं व्यय की राशियों तथा तुलनपत्र की तिथि को देय आकस्मिक देयताओं के प्रकटीकरण से मेल खाते हों । इन वित्तीय विवरणों में पयोग में लाए गए प्राक्कलन तथा अनुमान प्रबंधन द्वारा वित्तीय विवरणों की तिथि के अनुसार संबद्ध तथ्यों एवं परिस्थितियों के किए गए मूल्यांकन पर आधारित हैं । वास्तविक परिणाम इन प्राक्कलनों से भिन्न हो सकते हैं । लेखांकन प्राक्कलनों में कोई संशोधन हो तो उसे प्रत्याशित रूप से मान्यता दी जाती है ।

3. राजस्व मान्यताएं

i) सेवाओं के लिए बिल तैयार होते ही उससे प्राप्त आय अस्पताल रोगियों को प्रदान की गई सेवाओं से प्राप्त आय के रूप में मानी जाती है।

ii) विनियोजित राशि तथा उसकी ब्याज दर के आधार पर समय के अनुपातिक रूप से ब्याज से आय को मान्यता दी जाती है।

iii) स्टाफ को दिए गए अग्रिम पर ब्याज को मान्यता इसकी पुनः प्राप्ति वसूली के वर्ष में दी गयी है ।

iv) अन्य आय को तभी मान्यता दी जाएगी जब यह समुचित रूप से मान लिया जाए कि अंततः इसका संग्रहण किया जाएगा । छात्रों से प्राप्त 3 वर्ष से अधिक की डिपॉजिट राशि तथा आपूर्तिकर्ताओं की 4 वर्ष से अधिक की डिपॉजिट राशि जो रिटन बैंक है, को फुटकर आय के रूप में माना गया है।

v) दान से संबंधित सामान्य फिक्स डिपाजिट पर प्राप्त ब्याज को संबंधित दान के औसत ब्याज दर के रूप में लिया गया है।

4. अचल परिसंपत्ति एवं मूल्यह्रास

i) अचल संपत्ति को अर्जन लागत पर (शुल्क/ टैक्स क्रेडिट का शुद्ध लाभ, यदि कोई हो) पंजीकृत किया गया है जिसमें भाड़ा, बीमा तथा परिसंपत्ति को कार्यरूप में उपयोग करने के लिए किए गए विशिष्ट संस्थापन प्रभार जैसी प्रत्यक्ष लागत शामिल है।

ii) यदि मौजूदा संपत्ति पर उसके निष्पादन/जीवन बढ़ाने के लिए कोई लागत की गई है तो उससे संबंधित व्यय को संपत्ति की लागत में जोड़ा गया है ।

iii) अचल संपत्तियों को उसकी लागत में से संचयी ह्रास घटाकर दर्शाया गया है ।

iv) सरकारेतर निधित परियोजनाओं हेतु तथा दान से क्रय की गई अचल परिसंपत्तियों को क्रय कीमत पर केंद्र की परिसंपत्तियों के रूप में अंतरित किया गया है ।

v) यदि अचल संपत्ति का विक्रय किया जाता है तभी उसे वित्तीय विवरण से हटाया जाता है।

अचल परिसंपत्तियों पर ह्रास को प्रबंधन द्वारा निर्धारित परिसंपत्ति की उपयोगी आयु के आधार पर सीधी लाइन पद्धति के तहत दर्शाया गया है :

परिसंपत्ति	**मूल्य ह्रास की दर**
भवन	1.63%
विद्युत एवं गैस संस्थापन	4.75%
संयंत्र एवं मशीनरी	7.07%
फर्नीचर एवं फिक्चर्स	9.50%
कार्यालय उपस्कर	4.75%
कंप्यूटर एवं संबंधित घटक	16.21%
वाहन - बस - कार, जीप	11.31 % 9.50%

i) वर्ष के दौरान खरीदी गई अचल परिसंपत्तियों पर मूल्य ह्रास को इसके खरीद/संस्थापन की तारीख पर दर्शाया गया है ।

ii) वर्ष के क्रय/डब्ल्यूडीवी में रु. 5000/- से कम की लागत वाली वैयक्तिक परिसंपत्ति के व्यय को शामिल नहीं किया गया है ।

iii) जहां किसी परिसंपत्ति का विक्रय किया गया है उस परिसंपत्ति पर ह्रास की गणना परिसंपत्ति की विक्रय की तिथि तक अनुपातिक आधार पर की गयी है ।

5. इन्वेंट्रीज

i) इन्वेंटरी में विक्रय के प्रयोजनवाले ड्रग्स और सर्जिकल शामिल हैं, जिनका मूल्य लागत से कम अथवा निवल वसूल योग्य मूल्य पर किया जाता है । लागत का क्रय-क्रम मूल्यंन आधार पर निर्धारित किया जाता है ।

ii) उपभोज्य वस्तुएं, स्टेशनरी स्टॉक को उसकी मूल्य लागत पर मूल्यांकित किया गया है ।

iii) लिनेन, लॉंड्री, कटलरी और क्रॉकरी, उपभोज्य, शल्य चिकित्सा और संबद्ध स्टोअर सामग्री को खपत उद्देश्य के रूप में माना जाता है तथा स्पेयर्स को खरीदते ही खपत में माना जाता है।

6. सरकारी अनुदान

i) राजस्व से संबंधित आवर्ती एवं अनावर्ती अनुदान को, संबंधित लागत जिसके साथ क्षतिपूर्ति कराके उसे समरूप बनाने की आवश्यकता के मद्देनजर, पूरी अवधि के आय एवं व्यय लेखा में व्यवस्थित रूप में दर्शाया गया है।

ii) पूंजीगत व्यय का सीमित उपयोग अनावर्ती अनुदान की राशि को पूंजीगत फंड में अंतरित किया गया है। अनप्रयुक्त अनुदान को तुलन पत्र में चालू देयता के रूप में आगे ले जाया गया है ।

7. दान

1 अप्रैल 2003 के पूर्व प्राप्त वस्तु रूप में दान निश्चित किया गया/ धर्मदाय निधि के तहत तुलनात्मक क्रय मूल्य पर शामिल किया गया है । 1 अप्रैल 2003 से वस्तु रूप में दान पुस्तकों में नॉमिनल मूल्य पर दर्शाया जा रहा है। रोगियों की देखभाल एवं कैंसर अनुसंधान के लिए दान प्राप्त होता है । तद्नुसार, दान से खरीदी गयी परिसंपत्तियों को केंद्र की परिसंपत्तियों एवं पूंजीगत परिसंपत्तियों के रूप में माना गया है । दान में नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के रूप में प्राप्त राशि भी शामिल है ।

8. विदेशी मुद्रा व्यवहार

क. व्यवहार की तिथि पर प्रचलित विनिमय दरों पर विदेशी मुद्रा का व्यवहार दर्ज किया गया है।

ख. वर्ष के अंत में गैर निपटान शेष विदेशी मुद्रा में नामित मौलिक मद को वर्ष के अंत में विनिमय दर के अनुसार परिवर्तित किया गया है।

ग. आय तथा व्यय लेखा में, निपटान / परिवर्तन पर सभी प्रकार की प्राप्ति / हानि को दर्शाया गया है।

9. कर्मचारी लाभ

लघु अवधि कर्मचारी लाभ :

12 माह की सेवा अवधि पूरी किये जाने पर दिये जाने वाले सभी कर्मचारी लाभों को लघु अवधि कर्मचारी लाभ के रूप में माना गया है। संबंधित सेवाओं के दौरान कर्मचारियों ने दी गई सेवाओं के लाभ जैसे वेतन, मजदूरी, बोनस आदि को दर्शाया गया है।

रोजगार पश्चात लाभ :

i) निश्चित अंशदान योजना :

अंशदायी भविष्य निधि के रूप में तथा नई पेंशन योजना (1 जनवरी 2004 से नियुक्त कर्मचारियों हेतु) के रूप में कर्मचारी के लाभ को निश्चित अंशदान योजना के रूप में स्वीकार किया गया है। कर्मचारी ने संबंधित अवधि में दी गई सेवा के लिए इस योजना के तहत दिए गए/देय अंशदान को दर्शाया गया है।

ii) निश्चित लाभ योजना :

पात्र कर्मचारियों को उपदान के रूप में सेवानिवृत्ति लाभ, छुट्टी का नकदीकरण तथा पेंशन योजना (उपर्युक्त (i) में शामिल कर्मचारियों के अलावा) को निश्चित लाभ योजना माना गया है। इस योजना के अंतर्गत दायित्व के अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके बाध्यता का वर्तमान मूल्य बीमांकिक मूल्य पर आधारित हैं। इसके अंतर्गत कर्मचारी लाभ की पात्रता की अतिरिक्त यूनिट के बढ़ने पर वृद्धि देकर सेवा की प्रत्येक अवधि को पहचाना जाता है तथा अंतिम बाध्यता की गणना करने के लिए प्रत्येक यूनिट की अलग-अलग रूप में गणना की जाती है।

बाध्यताओं का मूल्यांकन अनुमानित भावी नकद फ्लो के वर्तमान मूल्य का उपयोग करके किया गया है। निश्चित लाभ योजना के तहत बाध्यताओं के वर्तमान मूल्य के निर्धारण हेतु बट्टे दर पद्धति का उपयोग किया गया है जो तुलनपत्र की तिथि को सरकारी सिक्युरिटी पर बाजार लब्धि के आधार पर है जिसकी परिपक्वता अवधि संबंधित बाध्यताओं के लगभग निकट है।

10. प्रावधान, आकस्मिक दायित्व तथा आकस्मिक परिसंपत्तियां

अ) दायित्वों के लिए प्रावधानों को मान्यता दी गयी है, जिसका मापन अनुमानों की पर्याप्त डिग्री का उपयोग कर किया जा गया है, यदि

1. गत घटनाओं के परिणाम के रूप में केंद्र की वर्तमान बाध्यता हो।
2. बाध्यताओं का निपटान करने हेतु स्रोत के संभावित आऊटफ्लो अपेक्षित हों।
3. बाध्यताओं की राशि विश्वसनीय रूप में अनुमानित की जाती हो।

ब) निम्नलिखित मामलों में संभाव्य दायित्वों का खुलासा किया गया है :

1. गत घटनाओं से उठी वर्तमान बाध्यताएं, जब यह संभावित नहीं है कि बाध्यताओं के निपटान हेतु अपेक्षित स्रोत के आउटफ्लो की आवश्यकता है।
2. एक संभावित बाध्यता, जब स्रोत के आउट फ्लों की संभावना न हो।

क) प्रत्येक तुलन वर्ष की तिथि पर प्रावधानों, आकस्मिक दायित्वों की पुनरीक्षा की गयी है।

ड) संदेहपूर्ण लेनदारों से संबंधित व्यवस्था उस लेनदार से संबंधित की गयी है जिनसे बकाया तीन साल से अधिक के लिए है।

11. तुलन-पत्र की तारीख के बाद घटित घटनाएं

जब तुलन पत्र की तिथि के पश्चात किसी सामग्री की घटनाएं होती हैं तो उनका शासी निकायों के सदस्यों द्वारा लेखे के अनुमोदन की तिथि तक विचार किया गया है।

12. शैक्षिक निधि

टाटा स्मारक केंद्र के शाषी परिषद द्वारा अस्पताल आय से निर्धारित प्रतिशत की राशि एक अलग निधि नामतः "शैक्षिक निधि" में अंतरित की जाती है। लक्ष्य को पूरा करने संबंधी व्यय को इस निधि में नामे लिखा जाता है।

13. विज्ञान एवं अनुसंधान निधि

वर्ष 2000 में सृजित विज्ञान एवं अनुसंधान निधि/संग्रह की निधि का ब्याज निम्नलिखित के लिए उपयोग किया जाता है : (i) देश में निरोधात्मक कैंसरशास्त्र संबंधी गतिविधियों के सहयोग हेतु (ii) कैंसर के विषय पर आयोजित संस्थागत सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने हेतु सहयोग हेतु (iii) समिति द्वारा अनुमोदित किसी अन्य प्रयोजन हेतु ।

14. सैम जैल मिस्त्री निधि

इस निधि को वर्ष 1999 में स्वर्गीय सैम जैल मिस्त्री एवं स्वर्गीय एलिस सैम मिस्त्री की वसीयत के अनुसार सृजित किया गया । उनकी वसीयत के अनुसार, निधि से उत्पन्न ब्याज एवं लाभांश को समान रूप से गरीब कैंसर रोगियों के उपचार के लिए और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शिक्षावृत्ति देने के लिए लिए उपयोग किया जाता है ।

लेखा के अनुसूची तैयारी संबंधी भाग

अनुसूची 14 : लेखा पर टिप्पणी

1. आकस्मिक दायित्व निम्नलिखित हेतु नहीं प्रदान किये जाते हैं :

   क. 31 मार्च, 2020 के अनुसार एलसी का बकाया रु. 111,56,08,636.63 है

   ख. रोगियों द्वारा अस्पताल के विरूद्ध किये गये दावे को ऋण के रूप में नहीं माना जाता क्योंकि उनकी मात्रा का निर्धारण नहीं किया जा सकता है।

2. पूंजीगत खाते पर निष्पादन हेतु शेष संविदा की अनुमानित लागत का अनुमान नहीं किया गया है।

3. विविध देनदार तथा लेनदारों का शेष, और कुछ देयताओं के शेष की पुष्टि, समाधान तथा तत्पश्चात समायोजन यदि कोई हो, की शर्त पर है।

4. केंद्र की स्थायी जमा जिसमें रु.101,54,01,477/- (पूर्व वर्ष में रु.116,64,46,929/-) की राशि सम्मलित है, जो अगले वर्ष की तत्काल प्रतिबद्धताओं हेतु निश्चित की गयी निधि के रूप में अलग रखी गयी है।

5. इस केंद्र में परमाणु ऊर्जा विभाग तथा भारतीय लेखा-परीक्षा तथा लेखा विभाग द्वारा संचालित आंतरिक लेखा-परीक्षा प्रणाली को अपनाया जाता है । तथापि, इस वर्ष यह लेखा-परीक्षा नहीं की जा सकी है ।

6. वर्ष 2001-02 में बाम्बे लेबर फंड एक्ट, 1956 को लागू न करने हेतु माननीय हाई कोर्ट बाम्बे में इस केंद्र ने रिट याचिका दायर की है जिसका अंतिम निर्णय आना अभी बाकी है । प्रत्येक वर्ष केंद्र कर्मचारियों से एलडब्ल्यूएफ राशि वसूल करता है तथा इसके लिए केंद्र की देयता के रूप में रु.1,11,79,793/- (ब्याज रु.6,35,892/- सहित) की राशि का अंशदान दिया है जिसे वित्तीय विवरण में चालू दायित्वों के तहत प्रदर्शित किया गया है। केंद्र ने माननीय बाम्बे हाई कोर्ट में रु.5,50,000/- जमा राशि भी रखी है।

7. लेखांकन मानक 15 (संशोधित) "कर्मचारी लाभ के" अनुसार प्रकटीकरण इस प्रकार है :

(रु. में)
निश्चित अंशदान योजना :
निश्चित अंशदान योजना के अंतर्गत अंशदान एक व्यय के रूप में मान्यता प्राप्त है तथा उसे "स्टाफ और कल्याण" के तहत आय एवं व्यय खाते की अनुसूची 11 में नियमानुसार शामिल किया किया गया है : - भविष्य निधि में नियोक्ता का अंशदान रु. 26,11,810/- - नवीन पेंशन योजना के लिए नियोक्ता का अंशदान रु.17,11,43,893/-

			उपदान	
			31-3-2020	31-3-2019
I	वर्ष के दौरान बाध्यताओं में परिवर्तन			
	1	वर्ष के प्रारंभ में दायित्व	140,67,50,157	1,35,36,79,087
	2	ब्याज लागत (तालिका 3 के अनुसार उपदान रिपोर्ट)	103,275,799	10,17,09,889
	3	वर्तमान सेवा लागत	56,969,604	5,17,07,022
	4	विगत सेवा लागत	0	0
	5	भुगतान किया गया लाभ	(95,258,170)	(9,51,57,399)
	6	बीमांकिक (लाभ)/हानि	138,764,873	(51,88,442)
	7	वर्ष के अंत में दायित्व	161,05,02 ,263	140,67,50,157
II	तुलन पत्र में स्वीकृत निवल परिसंपत्ति / (दायित्व)			
	1	वर्ष के अंत में दायित्व	1,610,502,263	140,67,50,157
	2	वर्ष के अंत में योजनागत परिसंपत्तियां	0	0
	3	तुलन पत्र में स्वीकृत दायित्व	1,610,502,263	140,67,50,157
III	आय तथा व्यय लेखा में स्वीकृत व्यय			
	1	चालू सेवा लागत	56,969,604	5,17,07,022
	2	ब्याज लागत	103,275,799	10,17,09,889
	3	योजनागत परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति		
	4	बीमांकिक (लाभ)/हानि	138,764,873	(51,88,442)
	5	विगत सेवा लागत	0	0
	6	आय तथा व्यय लेखा में स्वीकृत कुल व्यय	299,010,776	14,82,28,469
IV	तुलन पत्र की तिथि पर मुख्य बीमांकिक मान्यताएं :			
	1	छूट की दर	6.90%	7.60%
	2	योजनागत परिसंपत्तियों पर अपेक्षित वापसी	0.00%	0.00%
	3	वेतन में वृद्धि की दर	7.00%	7.00%

A.N. SATHE C.A.O., TMC

KAILASHCHAND JAIN & CO. MUMBAI Chartered Accountants

निश्चित लाभ योजना से संबंधित सामान्य विवरण :	
1	केंद्र द्वारा एक उपदान योजना का परिचालन किया जाता है, जो पात्र कर्मचारियों हेतु एक अनिधिक योजना है। इस योजना के तहत कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति, सेवा के दौरान अथवा सेवा समाप्ति पर मृत्यु होने पर कर्मचारियों को उनके रोजगार के दौरान सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष अथवा छह माह से अधिक के भाग के लिए 15 दिनों के वेतन के बराबर की राशि प्रदान की जाती है बशर्ते कि कर्मचारी ने पांच वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो। वित्त मंत्रालय ने अपने दिनांक 26 अगस्त 2016 के आदेश सं. 7/5/2012-पीएंडपी डब्ल्यू (एफ)/बी के जरिये नयी परिभाषित अंशदान पेंशन प्रणाली के अंतर्गत केंद्र सरकारी कर्मचारियों के `निवृत्ती उपदान तथा मृत्यु उपदान के लाभों को विस्तारित करते हुए केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के अंतर्गत कर्मचारियों को लागू लाभों के समान कर दिया है। इस योजना के अंतर्गत 838 कर्मचारियों को शामिल किया गया है।
2	केंद्र एक छुट्टी नकदीकरण योजना का परिचालन करता है, यह एक अनिधिक योजना है। इस योजना के अंतर्गत दायित्व के अनुमानित यूनिट क्रेडिट विधि का उपयोग करके बाध्यता का वर्तमान मूल्य बीमांकिक मूल्य पर आधारित हैं। इसके अंतर्गत कर्मचारी लाभ की पात्रता की अतिरिक्त यूनिट के बढ़ने पर वृद्धि देकर सेवा की प्रत्येक अवधि को पहचाना जाता है तथा अंतिम बाध्यता की गणना करने के लिए प्रत्येक यूनिट की अलग-अलग रूप में गणना की जाती है। बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर 31 मार्च 2020 को देयता रु.159,82,98 ,512/- बनती है।
3	केंद्र दिनांक 1 जनवरी 2004 से पूर्व सेवा में शामिल हुए कर्मचारियों के लिए एक पेंशन योजना का परिचालन करता है जो एक अनिधिक योजना है। इसके अंतर्गत हितलाभ न्यूनतम 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के उपरांत सेवानिवृत्ति अथवा स्वैच्छा से सेवानिवृत्ति पर दिये जाते हैं। बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर 31 मार्च 2020 को देयता रू. 1441,47,79,842/- बनती है।

8. वर्ष के दौरान, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाते से रु.89,37,809/- की राशि के चेक जारी किए गए थे, जो अगले 3 माह के अंदर क्लियर नहीं हो सके और उनकी प्रविष्टि उक्त लेखा खाते में नहीं हो सकी ।

9. **31** मार्च **2020** को राशि रु. **7,82,64,795/–** के बकाया अज्ञात/पुनःसमधान-योग्य आवक रेमिटेन्स हैं**,** जो पहचान/ पुनःसमधान के तहत हैं।

10. केंद्र में विकास के तहत वाराणसी, वैजाग और संगरूर में परियोजनाएं हैं। उनके नाम पर किए गए खर्चों को वर्तमान परिसंपत्तियों के तहत अंतर-इकाई समायोजन खाते के रूप में दिखाया गया है। शेष राशि परियोजना के पूरा होने पर संबंधित स्थानों पर स्थानांतरित की जाएगी।

11. **पिछले वर्ष के आंकड़ों को तुलनात्मक बनाने के लिए जहां पर आवश्यक हो, पुनर्गठित/ पुनर्वर्गीकृत किया गया है।**

कैलाश चंद जैन एंड कंपनी की ओर से
चार्टेड अकाउंटेन्ट
(फर्म की पंजीकरण सं. :112318 डब्ल्यू)

सौरभ चौहान
साझेदार
सदस्यता सं. **1**67453

श्री एस. मोहपात्रा
संयुक्त नियंत्रक
(**वित्त एवं लेखा**) टीएमसी

टाटा स्मारक अस्पताल की ओर से

श्री अनिल साठे
सीएओ,
टीएमसी

डॉ. सी एस प्रमेश
निदेशक,
टीएमएच

डॉ. आर.ए. बडवे
निदेशक,
टीएमसी

दिनांक : 09/11/2020
स्थान : मुंबई

सेवा में,

कैलाश चंद जैन एवं कंपनी
चार्टर्ड एकाउन्टेंट
मुंबई 400020

कृपया ध्यान दें : सीए सौरभ चौहान

प्रिय महोदय,

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए **टाटा स्मारक केंद्र ("केंद्र")** के वित्तीय विवरणों का, आपके द्वारा की गई लेखा परीक्षा के संबंध में यह निरूपण प्रस्तुत किया गया है । इस निरूपण का उद्देश्य है यह राय व्यक्त करना कि क्या वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2020 के तुलन पत्र तथा समाप्त वर्ष के परिचालन के परिणामों की वित्तीय स्थिति का सही एवं निष्पक्ष विचार प्रस्तुत करते हैं । मान्यता प्राप्त लेखांकन नीतियों तथा व्यवहार के अनुसार कम्पनीस् (लेखांकन मानक) नियम 2006 के तहत जारी लेखांकन मानक के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने की हमारी जिम्मेदारी को हम स्वीकार करते हैं ।

हम हमारे सर्वोच्च ज्ञान और विश्वास से निम्न निरूपण की पुष्टि करते हैं :

1. **लेखांकन नीतियाँ**

- वर्ष के लिए प्रचालन के परिणाम या वित्तीय स्थिति जानने के लिए जो लेखा नीतियाँ जरूरी है उनका विवरण वित्तीय विवरण में उल्लिखित हैं तथा पिछले वर्ष अपनाई गयी वित्तीय विवरण से संगत हैं और प्रौद्भवन आधार पर तैयार किए गए हैं।साथ ही, वर्ष के दौरान किसी नीति में बदलाव नहीं किया गया है।

2. **परिसंपत्ति**

सभी परिसंपत्तियों के लिए केंद्र के पास संतोषजनक शीर्षक है तथा केंद्र की परिसंपत्तियों के लिए कोई ग्रहणाधिकार या ऋण भार नहीं है ।

3. **स्थायी परिसंपत्ति**

- तुलन पत्र में विवरित स्थायी परिसंपत्ति के कुल पुस्तकीय मूल्य तक निम्न प्रकार से पहुंचे हैं :

अ) परिवर्धन पर समस्त पूंजीगत व्यय को ध्यान में रखकर, पर आय के लिए कोई व्यय सही रूप में प्रभारी नहीं है ।

आ) बेचे गए, निकाले गए, ढहाये गए या नष्ट हुए वस्तुओं से जुड़े खर्च और मूल्यहास को निकालने के बाद;

इ) अवधि के दौरान स्थायी परिसंपत्ति पर पर्याप्त मूल्यहास उपलब्ध कराने के बाद।

- हम यह भी प्रमाणित करते हैं कि जिस तारीख से मूल्यहास प्रदान की जाती है वह तारीख स्थायी परिसंपत्ति के आरम्भ की तारीख मानी जाएगी ।
- रु 802,370 की कीमत वाली पूर्ण स्वामित्ववाली भूमि, जिसके लिए अनर्जक नुकसान प्रदान किया गया है को छोड़कर तुलन पत्र की तारीख में, कोई अनर्जक आस्तियां नहीं है, जिसके लिए "आस्तियों के अनर्जन" पर लेखांकन मानक-28 के अनुसरण में प्रावधानीकरण की आवश्यकता है ।

- तुलन पत्र की तारीख तक बिल्डिंग तथा प्लांट एवं मशीनरी की सभी वस्तुएं जिनका योग है रु 895,07,84,632/- जिसे कैपिटल कार्य-प्रगति पर में शामिल किया गया है, को आरम्भ नहीं किया गया है/या तुलन पत्र की तारीख तक उपयोग में लाया नहीं गया है ।

4. आकस्मिक देयता

एलसी के बकाया को छोड़कर अन्य आकस्मिक देयता मात्रात्मक नहीं है ।

5. निवेश

वर्ष के दौरान कंपनी ने कोई निवेश नहीं किया ।

6. वस्तुसूची

वर्ष के अंत में वस्तुसूची में निम्न थे :

विवरण	रकम रु में
औषधी, वैद्यकीय और सर्जिकल सामान, उपभोग्य और स्टेशनरी	44,48,19,983
कुल	**44,48,19,983**

- सभी वस्तुएं वास्तविक वैयक्तिक गिनती या वजन या माप से किए गए थे जो हमारी निगरानी में लिए गए थे तथा दिनांक 31 मार्च, 2020 को प्राप्त लिखित निर्देशों के अनुसार थे ।
- वस्तुसूची में शामिल सभी वस्तुएं सत्ता की संपत्ति है कोई भी वस्तु दूसरों के लिए परेषिती या अमानतदार नहीं है तथा नीचे दिए को छोड़कर किसी भी वस्तु पर कोई चार्ज नहीं लगाया गया है ।
- इकाई के स्वामित्व वाले सभी वस्तु सूची, जहां भी स्थित है, दर्ज किए गए हैं ।
- वस्तु सूची में ग्राहकों को बेची गयी वस्तुएं शामिल नहीं है, जिनका वितरण अभी किया जाना है ।
- कम्पनी वस्तुसूची का व्यवस्थित रिकोर्ड रख रही है ।
- वस्तुसूची को निम्न आधार पर मूल्यांकित किया गया है ;

विवरण	आधार
औषधी, वैद्यकीय और सर्जिकल सामान, उपभोग्य और स्टेशनरी	कीमत पर, फीफो आधार पर

- एक दवाई की शेल्फ आयु 2 वर्ष है । वस्तु सूची में शामिल सभी ऐसी वस्तुओं के लिए प्रावधान किए गए हैं जिनकी शेल्फ लाइफ लेखा परीक्षा की तारीख तक समाप्त हो गए हैं ।
- वस्तु सूची में शामिल किसी भी वस्तु का मूल्य वस्तु सूची में दिए गए मूल्य से कम नहीं है जितना कि वस्तु सूची में दिया गया है ।
- मूल्यांकन करने का आधार वही है जो पिछले वर्ष था ।

A.N. SATHE C.A.O., TMC

KAILASHCHAND JAIN & CO. MUMBAI Chartered Accountants

7. ऋणी, ऋण और अग्रिम

- 31 मार्च, 2020 की तारीख तक पुस्तकों में दर्ज निम्न वस्तुओं को अच्छी तथा पूरी तरह से वसूलीय मानी जाती है। इसमें अपवाद है तुलन पत्र के अनुसूची 6 में "संदिग्ध" के रूप में विशेष रूप से दिखाया गया ।

	रुपए
विविध देनदार	91,09,54,203
ऋण एवं अग्रिम	2,23,90,842

रु 2,41,37,359/- के संदिग्ध कर्ज का प्रावधान पर्याप्त है तथा किसी अधिक प्रावधान की आवश्यकता नहीं है । सभी अग्रिम एवं जमा अच्छे तथा वसूलीय हैं और इसलिए किसी भी शंकीय अग्रिम के लिए किसी प्रावधान की जरूरत नहीं है ।

दवाइयों तथा सर्जिकल वस्तुओं की बिक्री से होने वाली आय तथा अस्पताल की आय हर तरह से पूर्ण है । सभी स्थलों से प्राप्त होने वाली समस्त आय पर विचार किया गया है । पुस्तकों में रिनियों को न तो न्यून कथित किया गया है न उनके बारे में अधिक कहा गया है ।

8. अन्य चालू परिसंपत्तियां

- निदेशक मंडल की राय में, सामान्य तौर पर, संगठन के व्यवसाय का, अन्य चालु आस्तियों का एक मूल्य है जो तुलन पत्र में विवृत रकम के सामान है ।
- कोई भी ट्रस्टी/शासी परिषद् के सदस्य केंद्र के न तो ऋणी हैं न ऋणदाता हैं ।

9. देयता

- हमने वित्तीय विवरणों में सभी ज्ञात देयताएं दर्ज की हैं ।
- हमने वित्तीय विवरणों के नोट्स में अन्य पक्षकार को दी गयी सभी गारंटी का जहां लागू हो तथा अन्य सभी आकस्मिक देयताओं का खुलासा किया है ।
- वित्तीय विवरणों के नोट्स में बताये गए आकस्मिक देयताओं में ऐसी आकस्मिकतायें शामिल नहीं है जिनसे नुक्सान होगा तथा जिस कारण आस्तियों या परिसंपत्तियों में समायोजन करने की जरूरत हो।

सभी शेष जीआरएन के लिए प्रावधान किए गए हैं । जीआरएन के प्रावधान न तो न्यून कथित किया गया है न उनके बारे में अधिक कहा गया है ।

10. दावे और नुकसान के लिए प्रावधान

- सामग्री रकम के सभी ज्ञात नुक्सान तथा दावों के लिए लेखा में प्रावधान किए गए हैं ।
- तुलन पत्र की तारिख के बाद ऐसी कोई घटना नहीं हुई है, जिसके लिए समायोजन की आवश्यकता हो या वित्तीय विवरणों में या टिप्पणियों में प्रकटीकरण की जरूरत हो ।

11. आय एवं व्यय लेखा

- वित्तीय विवरणों में किए गए खुलासे के अतिरिक्त वर्ष के परिणाम पर निम्न से प्रभाव नहीं पडा :
  - अ) इस प्रकार का लेन-देन जो आम तौर पर कंपनी द्वारा हाथ में नहीं लिया जाता ।
  - आ) असाधारण या अनावर्ती प्रकृति की परिस्थितियाँ
  - इ) पिछले वर्षों से सम्बंधित चार्जेस या ऋण
  - ई) लेखा नीतियों में बदलाव
- वर्ष के दौरान कमी थी रु 455,51,40,871/-

12. सामान्य

- निम्न को सठीक रूप में दर्ज किया गया है और, जब उचित हो, वित्तीय विवरणों में उचित रूप से खुलासा किया गया है :
  - अ) बिक्री और क्रय प्रतिबद्धता से होने वाली हानि ।
  - आ) पहले बेची गयी आस्तियों को फिर से खरीदने के करार और विकल्प ।
  - इ) आस्तियां जिन्हें संपार्श्विक के रूप में गिरवी रखा गया है ।
- प्रबंधन या कार्मिक, जिनका आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका है, तथा जिसका वित्तीय विवरण पर असर पड़ता है, को लेकर कोई अनियमितता नहीं हुई है ।
- वित्तीय विवरण में सामग्री सहित छूट के बारे में कोई गलत विवरण नहीं है ।
- केंद्र ने संविदागत करार के उन सभी पहलुओं का अनुपालन किया है जिनसे अननुपालन की स्थिति में वित्तीय विवरणों पर प्रभाव पड सकता है । विनियमन प्राधिकारियों द्वारा रखी गयी आवश्यकताओं पर कोई अननुपालन नहीं हुआ है जिसका अननुपालन की स्थिति में वित्तीय विवरणों पर असर पड़े ।
- हमारी ऐसी कोई योजना या आशय नहीं है जिससे वित्तीय विवरणों पर प्रदर्शित आस्तियियों या देयताओं के वर्गीकरण या मूल्य पर प्रभाव डाले ।

13. नगद और बैंक शेष :

31 मार्च, 2020 तक की तारीख में नकद जमा रकम थी रु 4,41,882 है ।

वित्तीय विवरण में बताये गए के अतिरिक्त कोई अव्यक्त बैंक खाते या सावधि जमा नहीं है ।

14. सम्बंधित पार्टियां :

"सम्बंधित पार्टी प्रकटीकरण" पर AS 18 के अनुसरण में हमने सभी सम्बंधित पार्टियों को पहचाना है । AS 18 में दी गयी परिभाषा के अनुसार केंद्र की कोई सम्बंधित पार्टी नहीं है ।

15. विदेशी मुद्रा दर में बदलाव के प्रभाव के कारण लेखांकन

लेखांकन मानक 11 के अनुसार, विनिमय के उतार-चढ़ाव हेतुवर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा में खरीदी गई सभी वस्तुओं के पुनःस्थापन/लेखांकन पर विचार किया गया है । सूची परिपूर्ण है और उन सभी स्थलों को शामिल करती है जहां लागू होती है।

विदेशी मुद्रा में ऐसा कोई उपार्जन नहीं है जिसके लिए लेखांकन मानक 11 के अनुसार, विनिमय के उतार-चढ़ाव हेतु वस्तुओं के पुनःस्थापन/लेखांकन पर विचार किया गया है ।

16. दान/अनुदान

वर्ष के दौरान प्राप्त हर प्रकार का दान, चाहे वह नकद में हो या वस्तु के रूप में, का पुस्तकों में लेखांकन किया गया है । हर दान का उपयोग उस विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया गया है जिसके लिए वह दान दिया गया है ।

सभी अनुदान (आवर्ती और अनावर्ती दोनों) अपने विशिष्ट उद्देश्य के लिए तथा जिन शर्तों पर प्राप्त किए गए हैं उसके लिए ही उपयोग में लाये गए हैं ।

17. परियोजना/कार्यशाला लेखांकन

परियोजना/कार्यशाला पर जो भी व्यय हुआ वह उन कार्यशालाओं एवं परियोजनाओं के लिए तैयार किए गए दिशा-निर्देश के अनुसार है । कार्यशालाओं/परियोजनाओं के लिए व्यय की पहचान सही है ।

18. एफसीआरए लेखांकन और विवरणी फाइल करना

केंद्र ने अलग से एफसीआरए बैंक खाता बनाकर रखा है जिसमें विदेशी दानदाता दान देते हैं, मरीजों की मदद के लिए केंद्र का सामान्य लेन-देन, सीएसआर दान, विशिष्ट परियोजनाओं के लिए दान, क्लीनिकल ट्रायल्स् के लिए तथा कार्यशाला आदि के लिए अनुदान आता है । सुरक्षा एवं नियंत्रण के उद्देश्य से केंद्र एक अलग बैंक खाते से सभी भुगतान करते हैं ।

प्रक्रिया :

क) निधि के उपयोग हेतु समय-समय पर एफसीआरए लेखा शेष का मुख्य खाते में अंतरण ।

ख) परियोजनाओं तथा दान का अलग लेडजर खाता बनाए रखना तथा भारतीय रुपये एवं विदेशी मुद्रा में उपयोगीकरण लेखा तैयार करना ।

ग) फीफ़ो आधार के अनुसार निधि का उपयोग करना अर्थात विदेशी मुद्रा या भारतीय रुपये में से जो पहले मिले उसका उपयोग करना ।

आपका आभारी,

टाटा स्मारक केंद्र के लिए

A.N. SATHE C.A.O., TMC

श्री अनिल साठे
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

KAILASHCHAND JAIN & CO. MUMBAI Chartered Accountants

भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने 19 फरवरी 2019 को वाराणसी में होमी भाभा कैंसर अस्पताल तथा महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र का उद्घाटन किया; चित्र में निदेशक टीएमसी, डॉ. आर ए बडवे और टाटा ट्रस्ट्स के पूर्व अध्यक्ष श्री रतन टाटा हैं।

भारतीय राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड; एनसीजी विश्वम की दुनिया भर में शुरूआत, वियना में 63 वें आईएईए सम्मेलन में भारतीय परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष डॉ. के एन व्यास टाटा स्मारक केंद्र के निदेशक डॉ आर ए बडवे के साथ।

NCG Vishwam
Cancer Care Connect
Eliminating Disparities in Cancer Care

लोगो में, "कैंसर केयर कनेक्ट" के तीन C एक साथ एक मिट्टी के दीपक का निर्माण करते हैं, जिसकी लौ को लाल बिंदु द्वारा दर्शाया गया है। लाल बिंदु कुमकुम का भी प्रतीक है, जबकि इसका अभिविन्यास एक आंख का प्रतिनिधित्व करता है। दीपक समृद्धि और जीवन का प्रतीक है जबकि ज्योति आत्मज्ञान के माध्यम से स्वतंत्रता का प्रतीक है।

टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच)
डॉ. ई. बोर्जेस मार्ग, परेल ईस्ट,
मुंबई – 400012, महाराष्ट्र.
दूरभाष: +91 22 2417 7000
फैक्स नं.: +91 22 2414 6937
ईमेल : msoffice@tmc.gov.in
वेबसाइट: https://tmc.gov.in

कैंसर में उपचार शिक्षा, एवं अनुसंधान हेतु प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक)
खारघर, नवी मुंबई – 410210, महाराष्ट्र
दूरभाष: +91 22 2740 5000
फैक्स नं.: +91 22 2740 5085
ईमेल: mail@actrec.gov.in
वेबसाइट: https://actrec.gov.in

सेंटर फॉर कैंसर एपिडिमियोलॉजी (सीसीई)
खारघर, नवी मुंबई – 410210, महाराष्ट्र
दूरभाष: +91 22 2740 5849
फैक्स नं.: +91 22 2740 5085
ईमेल: cce.dept@actrec.gov.in
वेबसाइट: https://tmcepi.gov.in

होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी)
एपीआयआयसी इंडस्ट्रियल पार्क, अगनमपुड़ी गांव, प्लॉट नंबर 212, एनएच–5,
गजुवाका मंडल, विशाखापत्तनम – 530053, आंध्र प्रदेश
दूरभाष: +91 891 287 1561 / 1569
ईमेल: hbchrcvizag.admin@tmc.gov.in; aovizaghbchrc@gmail.com
वेबसाइट: https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/hbchrc-vizag

होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी)
'मेडिसिटी" मुल्लानपुर गाँव, न्यू चंडीगढ़,
जिला एसएएस नगर, मोहाली, पंजाब,
ईमेल: mohaliproject@tmc.gov.in
वेबसाइट: https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/hbch-sangrur

होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच)
सिविल जिला अस्पताल परिसर, संगरूर – 148001, पंजाब
दूरभाष: +91 167 222 3941
ईमेल: oicadmin@hbchs.tmc.gov.in
वेबसाइट: https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/hbch-sangrur

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमएमसी
सुंदरबगिया, नरिया गेट के पास, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय परिसर,
वाराणसी – 221001, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: +91 542 251 7699
ईमेल: admin@mpmmcc.tmc.gov.in, cao@mpmmcc.tmc.gov.in
वेबसाइट: https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/MPMMCC

होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच)
घंटी मिल रोड, पुरानी लोको कॉलोनी,
लहरतारा, वाराणसी – 221001, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: +91 542 222 5022
ईमेल: cao@mpmmcc.tmc.gov.in
वेबसाइट: https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/hbch-varanasi

डॉ. भुवनेश्वर बरुआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई),
ए के आज़ाद रोड, गोपीनाथ नगर, गुवाहाटी 781016, आसाम
दूरभाष: +91 995 703 3212/199
फैक्स नं.: +91 361 247 2636
ईमेल: director@bbci.tmc.gov.in
वेबसाइट: https:bbcionline.org